राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शुक्रवार, 05 जून 2026
वर्ष 07, अंक 239, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जिओ टावर पर चढ़ा युवक, घंटों चला हाई-वोल्टेज ड्रामा; सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल...02

गबन के आरोप पर भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण के खिलाफ सीबी आई जांच की मांग...11

पुलिस वाले ही वसूली करते हैं तो आम आदमी कहां जाएगा...सुप्रीम कोर्ट

● जमानत रद्द करते हुए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

● सुप्रीम कोर्ट ने जौहरी से जबरन वसूली मामले में तीन पुलिसकर्मियों की अग्रिम जमानत रद्द की है.

● कोर्ट ने कहा कि जब कानून लागू करने वाले ही जबरन वसूली करने वाले बन जाते हैं, तो नागरिक दुविधा में पड़ जाते हैं

● सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस के इस दुरुपयोग की कड़ी निंदा की. कोर्ट ने कहा कि पुलिस वाले ही वसूली करते हैं तो आम आदमी कहां जाएगा?

सुप्रीम कोर्ट ने तीन पुलिसकर्मियों की अग्रिम जमानत रद्द करते हुए सख्त टिप्पणी की है. कोर्ट ने जौहरी से पैसे वसूलने के मामले में ये जमानत रद्द किया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब कानून लागू करने वाले ही जबरन वसूली करने वाले बन जाते हैं, तो नागरिक दुविधा में पड़ जाते हैं, क्योंकि जिनकी रक्षा करना उनका कर्तव्य है, वही उनके खिलाफ सुरक्षा मांगने लगते हैं. तीनों पुलिसकर्मी एक जौहरी से जबरन वसूली करने के आरोपी हैं. ऐसे में पुलिस का सामना करना तत्काल प्रतिशोध को न्योता देना है. नागरिक के पास एकमात्र विकल्प वर्दीधारी अधिकारियों के सामने चुपचाप आत्मसमर्पण करना ही रह जाता है, भले ही वो स्पष्ट दुर्व्यवहार हो रहा हो।

दरअसल, एक पिता और उनकी नाबालिग बेटी अपने बहनोई के साथ मुंबई से यात्रा कर रहे थे. उन्हें रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया. उनके बैग की तलाशी के दौरान 14 ग्राम सोने की छड़ और 31,900 रुपये नकद बरामद हुए. इसके बाद उन्हें पास के एक कमरे में ले जाया गया और सोने की छड़ के बदले नकद देने के लिए मजबूर किया गया. पिता ने घटना के बाद प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके बाद सत्र न्यायालय ने अधिकारियों की अग्रिम जमानत खारिज कर दी।

हालांकि, बॉम्बे हाई कोर्ट ने जांच के दौरान प्राप्त सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद उनकी याचिका स्वीकार कर ली. हाई कोर्ट के अनुसार आरोपियों ने पहचान पत्र पहन रखे थे और पिता और बेटी में किसी प्रकार की परेशानी के लक्षण नहीं दिखे, साथ ही एफआईआर दर्ज कराने में देरी भी हुई थी।

जहां कैमरा नहीं था, वहां ले गए पुलिसवाले

महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका के जरिए इसे चुनौती दी. सुनवाई के दौरान राज्य की ओर से अधिवक्ता भरत बागला ने कहा कि विभिन्न दिशानिर्देशों के अनुसार, तलाशी और ज़ब्ती की प्रक्रिया उचित वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ की जाती है.हालांकि, पुलिसकर्मियों ने पिता और उनकी बेटी को एक ऐसे कमरे में ले गए जहां कोई कैमरा नहीं था. उन्होंने कहा कि राज्य नागरिकों के खिलाफ वर्दीधारी अधिकारियों द्वारा की गई ऐसी ज्यादतियों को बर्दाश्त नहीं करता है और न्यायालय को सूचित किया कि उचित जांच के बाद तीनों अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

सर्वोच्च अदालत ने राज्य सरकार की याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि हमें आश्चर्य है कि हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की है कि उनमें किसी प्रकार की परेशानी के लक्षण नहीं हैं, विशेषकर तब जब फुटेज में उनके चेहरे के भाव स्पष्ट नहीं हैं. हमने यह भी देखा कि दोनों वयस्क आगे बढ़ रहे थे, उनमें से एक अपने हाथों से लगातार इशारे कर रहा था जबकि बच्चा पीछे-पीछे चल रहा था, जो निश्चित रूप से परेशानी का संकेत है. हम यह भी पाते हैं कि बंद कमरे में बिताया गया समय पुलिसकर्मियों के लिए शिकायत में उल्लिखित कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त था, जिसे हम यह कहना चाहते हैं कि किसी भी स्थिति में आपराधिक मुकदमे में साबित करना होगा.

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील ने इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि आरोपी पुलिस अधिकारियों द्वारा सोने की छड़ लौटाने से जबरन वसूली के आरोप का खंडन होता है और कहा कि सोने की छड़ लौटाने से ही अभियोजन पक्ष के मामले को बल मिलता है।

हम वकीलों से दुश्मनी नहीं चाहते, सुप्रीम कोर्ट ने मुकदमों को तय समयसीमा में निपटारे की मांग की खारिज

● याचिका में यह भी अनुरोध किया गया था कि देश की सभी अदालतों पर लागू होने वाली एक समान राष्ट्रीय मामला प्रबंधन नीति तैयार कर उसे लागू किया जाए, यानी सभी अदालतों में मामलों के निपटारे की एक जैसी प्रणाली हो

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मुकदमों के तय समयसीमा में निपटारे के लिए दिशानिर्देश बनाने का अनुरोध करने वाली एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया. इस दौरान न्यायाधीशों ने कहा कि हम वकीलों से दुश्मनी मोल नहीं लेना चाहते. इसके लिए बार काउंसिल और संघों के पास जाइए. न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ ने एक अधिवक्ता द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया।

याचिका में देशभर की सभी अदालतों में सुनवाई टालने (स्थगन) की प्रक्रिया को विनियमित करने के लिए एक समान, सुव्यवस्थित और प्रभावी दिशानिर्देश बनाने का अनुरोध किया गया था।

क्या है पूरा मामला?

याचिकाकर्ता ने पीठ को बताया कि उसकी याचिका का उद्देश्य अदालतों में मामलों की सुनवाई बार-बार और अनियंत्रित रूप से स्थगित किए जाने के संबंध में दिशानिर्देश तय कराना है. इस पर पीठ ने स्वयं अपनी पैरवी कर रहे याचिकाकर्ता से कहा कि आप बार काउंसिल ऑफ इंडिया, राज्य बार काउंसिल, हाईकोर्ट बार एसोसिएशंस और जिला न्यायालय बार एसोसिएशंस के पास जाइए।

'हम वकीलों से दुश्मनी नहीं चाहते'

पीठ ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि हम वकीलों से दुश्मनी मोल नहीं लेना चाहते. हम वकीलों के मित्र हैं. याचिका में यह भी अनुरोध किया गया था कि देश की सभी अदालतों पर लागू होने वाली एक समान राष्ट्रीय मामला प्रबंधन नीति तैयार कर उसे लागू किया जाए, यानी सभी अदालतों में मामलों के निपटारे की एक जैसी प्रणाली हो।

प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण

इस नीति में विभिन्न चरणों की कार्यवाही के लिए निर्धारित समय-सीमा, स्थगन को विनियमित करने के प्रावधान, उपयुक्त मामलों में लगातार और दिन-प्रतिदिन सुनवाई तथा काफी समय से लंबित और पुराने मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण जैसी व्यवस्थाएं शामिल करने की अपील की गई थी।

ए.सी कोच में बेटिकट यात्रा कर रहे थे रॉटविलर्स, स्वर्ण जयंती से अलीगढ़ स्टेशन पर उतारे गए; मालिक को भरना पड़ा जुर्माना

अलीगढ़। झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस के एसी कोच में रॉटविलर्स डॉग्स यात्रा कर रहे थे। यात्रियों की शिकायत पर इन्हें अलीगढ़ स्टेशन पर उतार लिया गया। पड़ताल की गई तो पता चला मालिक बिना बुकिंग कराए ले जा रहा था। जुर्माना भरने के बाद कुत्तों को उनके स्वामी के सुपुर्द किया गया। टूंडला कंट्रोल रूम से आरपीएफ को सूचना मिली थी कि दिल्ली से आ रही गाड़ी संख्या 12874 झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस डाउन के A/2 कोच में एक यात्री बिना टिकट के तीन कुत्ते और एक पिल्ला के साथ यात्रा कर रहा है। इस सूचना पर आरपीएफ के उप निरीक्षक उमेश चंद्र जेम्स, सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह ने एसी कोच की चेकिंग की। इतने में एक व्यक्ति एक कुत्ते सहित कोच से उतरा और कोच कंडक्टर भी उतर गया। थोड़ी देर में ट्रेन चली तो चलती गाड़ी में वह व्यक्ति अपने कुत्ते के साथ चढ़ गया। कोच कंडक्टर ने भी दौड़ते हुए ट्रेन पकड़ ली। कुछ देर बाद दो कुत्ते प्लेटफार्म 3-4 पर घूमते हुए दिखे। इन कुत्तों को अलीगढ़ पर उतार दिया गया था। आरपीएफ ने उन्हें पकड़कर बंद कर दिया। इसके बाद उन्हें पार्सल क्लर्क अंकित कुमार के हवाले कर दिया। जब कुत्ते के स्वामी को टूंडला पर जानकारी मिली कि उसके दो कुत्ते अलीगढ़ में उतार दिए गए हैं।

पासिंग आउट परेड में सेना के अफसर ने मंगेतर को अंगूठी पहनाकर किया था प्रपोज, अब आर्मी ने मांगा जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र के नासिक में आर्मी एविएशन ट्रेनिंग पूरी होने के बाद भरत ने आरुषि को घुटनों पर घरवालों के सामने शादी के लिए प्रपोज किया. दोनों की खूबसूरत तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर हुई, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि बस कुछ ही समय में उन्हें ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ेगा और उन्होंने इन तस्वीरों के लिए जिस जगह को चुना, उसके लिए जवाबदेही भी देनी होगी।

एक युवा आर्मी अधिकारी कैप्टन भरत भारद्वाज ने अभी-अभी आर्मी एविएशन की ट्रेनिंग पूरी थी. ट्रेनिंग पूरी होने के बाद उन्होंने अपनी प्राइवेट दुनिया को खूबसूरत बनाने के इरादे से मंगेतर को आरुषि को ट्रेनिंग सेरेमनी खत्म होने के बाद ही महाराष्ट्र के नासिक में आर्मी हेलीकॉप्टर के पास घुटनों पर बैठकर शादी के लिए प्रपोज किया. अब कैप्टन भरत की इस तस्वीरों की वजह से मुश्किलें बढ़ सकती हैं. तस्वीर में खूबसूरत दिख रहे भरत और आरुषि को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा. भरत पर अब सेना के नियम और प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप है. उनकी वरिष्ठ अधिकारी इस मामले की जांच कर रही हैं। इस कार्यक्रम के वीडियो और तस्वीरों में भारद्वाज को आरुषि को कार्यक्रम वाली जगह की ओर एक हेलीकॉप्टर की ओर ले जाते हुए दिखाया गया. इसके बाद वे एक घुटने पर बैठे और आरुषि को एक अंगूठी पहनाई. ये प्रस्ताव 'पासिंग आउट परेड' और दीक्षांत समारोह के बाद हुआ, जो उनके एविएशन ट्रेनिंग के पूरा होने को लेकर था।

प्रपोजल के समय घरवाले भी थे मौजूद

जब परिवार के लोग, साथी अधिकारी और मेहमान देख रहे थे उसी समय आरुषि ने भरत का प्रपोजल स्वीकार कर लिया. इससे वहां मौजूद लोगों ने तालियों और जयकारों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया. हेलिकॉप्टर के सामने दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया. इस दिल को छू लेने वाले पल के वीडियो सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे हैं. युवा सेना अधिकारी ने सेवा के कई नियमों और विनियमों का उल्लंघन किया, जिसकी वजह से उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने उनसे स्पष्टीकरण मांगा. सूत्रों ने बताया कि सेना अधिकारी ने अपनी गर्लफ्रेंड को प्रपोज करने के इरादे की सराहना करती है, लेकिन उसका मानना ??है कि इस भावना के लिए समय और स्थान अनुचित था. उन्होंने यह भी बताया कि सेना में प्राइवेट सोशल मीडिया सामग्री के लिए सैन्य उपकरणों और संपत्तियों के उपयोग के खिलाफ सख्त दिशानिर्देश हैं। हालांकि, अधिकारी के खिलाफ कोई औपचारिक कार्रवाई नहीं की गई है, क्योंकि उसने कोई गंभीर अपराध नहीं किया है, फिर भी उसके सीनियर्स से कहा गया है कि वे भरत को सेवा नियम अधिकारी-समान आचरण और पेशेवर जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करें।

गोरखपुरः राजकुमार चौहान हत्याकांड में नया मोड़ः पत्नी ने सीबीआई जांच और मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र के चर्चित राजकुमार चौहान हत्याकांड में एक बार फिर नया मोड़ आ गया है। मृतक की पत्नी सुशीला देवी ने गुरुवार को उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने, मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी तथा हत्या के दौरान कथित रूप से छीनी गई सोने की चेन बरामद कराने की मांग की है। सुशीला देवी का आरोप है कि उनके पति राजकुमार चौहान की 17 मार्च 2026 को हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में चिलुआताल थाने में मुकदमा अपराध संख्या 181/2026, धारा 103 बीएनएस के तहत मामला दर्ज है। उन्होंने आरोप लगाया कि नामजद मुख्य आरोपी धर्मदेव चौहान और उसके सहयोगियों ने हत्या की घटना को अंजाम दिया, लेकिन अब तक मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

मीडिया के समक्ष सुशीला देवी ने दावा किया है कि घटना के समय उनके पति के गले में करीब 55 ग्राम वजन की सोने की चेन थी, जिसे आरोपियों द्वारा छीन लिया गया। उनका कहना है कि उक्त चेन की बरामदगी अब तक नहीं हो सकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मदेव चौहान और धर्मपाल चौहान के पास वह चेन मौजूद है, लेकिन पुलिस उसे बरामद कराने में असफल रही है। मृतक की पत्नी ने यह भी आरोप लगाया कि मामले की विवेचना निष्पक्ष ढंग से नहीं की जा रही है और प्रभावशाली लोगों के दबाव में मुख्य आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जांच की दिशा और अब तक हुई कार्रवाई से उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद कम दिखाई दे रही है। सुशीला देवी ने अपने प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि एक अन्य आरोपी लालजी यादव उर्फ गट्टू अभी भी फरार है। उनका आरोप है कि धर्मदेव चौहान, धर्मपाल चौहान और लालजी यादव उर्फ गट्टू उन्हें तथा उनके भतीजे को जान से मारने की साजिश रच रहे हैं, जिससे परिवार भय और असुरक्षा के माहौल में जी रहा है। पीड़िता ने शासन और पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी, सोने की चेन की बरामदगी तथा पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। वहीं, इस प्रार्थना पत्र के सामने आने के बाद हत्याकांड एक बार फिर चर्चा में आ गया है और अब सभी की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु 31 जुलाई तक करें आनलाइन आवेदन

प्रतापगढ़। जिला प्रोबेशन अधिकारी राम बाबू विश्वकर्मा ने बताया है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) के आनलाइन नामांकन 01अप्रैल 2026 से आरम्भ हो गयी है और नामांकन जमा करने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। मेधावी बच्चों को सम्मानित करने के लिये स्थापित यह पुरस्कार 06 श्रेणियों-वीरता, समाजसेवी, पर्यावरण, खेल, कला, संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 18 वर्ष (31जुलाई 2026) से कम उम्र के बच्चें, जिन्होने इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट और असाधारण योगदान दिया है, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिये सम्बन्धित वेबसाइट https://awards.gov.in पर आनलाइन आवेदन कर सकते है।

फर्जी पदाधिकारी बनकर थाना प्रभारी से अनुचित बोलने वाले पर एफआईआर

कानपुर। सोशल मीडिया पर सचिन तिवारी नामक व्यक्ति द्वारा स्वयं को एक संगठन विशेष का प्रदेश प्रवक्ता बताते हुए थाना पनकी क्षेत्रान्तर्गत नहर में डूबने से हुई बालक की मृत्यु के संबंध में थाना प्रभारी पनकी पर अनावश्यक दबाव बनाने तथा अनुचित भाषा का प्रयोग करते हुए ऑडियो वायरल किया गया था। उक्त प्रकरण में संबंधित संगठन के वास्तविक पदाधिकारी द्वारा थाना पनकी पर तहरीर देकर अवगत कराया गया कि सचिन तिवारी संगठन का कोई पदाधिकारी नहीं है तथा उसके द्वारा किया गया कृत्य संगठन की मर्यादा एवं छवि को धूमिल करने वाला है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना पनकी पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है। प्रकरण की विवेचना प्रचलित है तथा साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

लापरवाही बनी मौत का कारण, एक मजदूर की हुई थी दर्दनाक मौत व अन्य पांच घायल

●सिद्धार्थनगर में काम के दौरान ढहा था मत्स्य मंडी का गेट, एक मजदूर की हुई थी दर्दनाक मौत व अन्य पांच घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ तहसील अंतर्गत मधवापुर में निर्माणाधीन मत्स्य मंडी का स्लैब/गेट गिरने से एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई और 5घायल हो गए। इस हादसे में सामग्री की गुणवत्ता (सीमेंट की जगह अत्यधिक बालू के इस्तेमाल) में कमी और निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों (शटरिंग) की अनदेखी को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। घटना और मधवापुर में निर्माणाधीन मत्स्य मंडी के गेट की छत (स्लैब) की ढलाई के दौरान अचानक शटरिंग ढह गई। मलबे के नीचे दबने से मड़नी गांव निवासी मुश्ताक (25 वर्ष) की मौत हो गई, जबकि आलम, बुधिराम, राजेंद्र, रूपेश और रामदयाल समेत 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।

निर्माण गुणवत्ता पर सवालः हादसे केबाद पूर्व विधायक रविंद्र प्रताप उर्फ पप्पू चौधरी सहित स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती जा रही थी। सीमेंट के उचित अनुपात के बजाय केवल बालू का इस्तेमाल करके घटिया तरीके से जुड़ाई व ढलाई की जा रही थी। विभागीय लापरवाहीः ठेकेदार और निर्माण एजेंसी द्वारा मजदूरों को सुरक्षा के उपकरण (जैसे हेलमेट, सेफ्टी बेल्ट) उपलब्ध नहीं कराए गए थे। इसके साथ ही तकनीकी देखरेख का अभाव और मानकों के विपरीत निर्माण कार्य किए जाने से यह हादसा हुआ। इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

खंड विकास अधिकारी के सर परस्ती मे तैनात सचिव रजनी दूबे हुई बेलगाम

» सचिव रजनी दूबे के आगे बीडीओ व एडीओ पंचायत ने टेके घुटने पोर्टल पर फर्जी रिपोर्ट लगाने का आरोप

» डियूटी से गायब रजनी दूबे के खिलाफ कई बार खबर हो चुकी है प्रकाशित भी जांच पड़ताल के नाम पर हुई लीपापोती

» सचिव रजनी के डियूटी से गायब रहने के मामले को लेकर जिले में चल रही तरह- तरह की चर्चाएं

बस्ती। बस्ती जिले के खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज की लापरवाही से 1076 और आइजीआरएस पोर्टल पर होटल पर फर्जी रिपोर्ट लगाने दर्जनों प्रार्थना पत्र पर बिना जांच किया फर्जी रिपोर्ट लगाकर निर्धारण किया जाना जिले के जिलाधिकारी के लिए शर्म की बात है नहीं रह गया मुख्यमंत्री पोर्टल की कीमत फर्जी रिपोर्ट की छड़ी लग रहे हैं खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज उनके ऊपर कठोर कार्रवाई होना चाहिए विकासखण्ड कप्तानगंज में तैनात सचिव रजनी दूबे की मनमानी के आगे बीडीओ चन्द्रभान उपाध्याय और एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव ने घुटने टेक दिए हैं। जिले में चर्चा है कि मनमानी सचिव के आगे दोनों जिम्मेदार अधिकारी लाचार हैं। खंड विकास अधिकारी द्वारा आईजीआरएस तक पोर्टल पर फर्जी रिपोर्ट लगाने में माहिर जांच न करने तथा फर्जी रिपोर्ट लगाने कार्रवाई करने के बजाय फर्जी रिपोर्ट लगवाते हैं ऐसे खंड विकास अधिकारी के ऊपर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए

मीडिया पड़ताल में खुलासा

क्लस्टर आदेश की धज्जियांः बीडीओ व एडीओ पंचायत ने आदेश जारी किया कि प्रत्येक वृहस्पतिवार को सचिव रजनी दूबे को पूरा दिन ग्राम पंचायत तिलकपुर के पंचायत भवन पर बैठकर ग्राम पंचायतों की सभी समस्याओं का निस्तारण करना है।

ड्यूटी से गायबः दोपहर 12 बजे तक सचिव रजनी दूबे पंचायत भवन तिलक पुर नहीं पहुंचीं।

घर पर आरामः सूत्रों के अनुसार सचिव रजनी दूबे पंचायत भवन बैठने के बजाए घर पर बैठकर आराम फरमाती हुईहैं। नहीं डर हैअधिकारियों की मेहरबानीः

बीडीओ चन्द्रभान उपाध्याय व एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव की लापरवाही से सचिव मनमानी ड्यूटी करने में सफल हैं।

सीडीओ के लिए चुनौतीः तेज तर्रार सीडीओ सार्थक अग्रवाल के लिए क्लस्टर से गायब सचिव रजनी दूबे पर कार्रवाई करना चुनौती बन गया है। ड्यूटी से गायब रहने के बाद भी विभागीय अधिकारियों द्वारा कार्रवाई न होना जिले में चर्चा का विषय है। **नियम क्या कहता हैः** पंचायती राज विभाग के शासनादेश के अनुसार क्लस्टर पंचायत भवन पर सचिव की उपस्थिति सुबह 10 से शाम 5 बजे तक अनिवार्य है। लगातार अनुपस्थिति सीसीएस नियम के तहत कदाचार है और निलंबन तक की कार्रवाई हो सकती है। डीपीआरओ बस्ती पंचायत सचिव की अनुपस्थिति व आदेश की अवहेलना

डीएम बस्ती- बीडीओ चन्द्रभान उपाध्याय व एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव की लापरवाही की जांच आईजीआरएस पोर्टल/सीएम हेल्पलाइन 1076- 'कप्तानगंज में सचिव रजनी दूबे ड्यूटी से गायब, बीडीओ मौन कारण बी डी ओ मैनेज मैनेज होकर फर्जी रिपोर्ट लगाने का आप ही लगा जिला अधिकारी क्यों नहीं आइजीआरएस पोर्टल को संज्ञान में लेती है फर्जी रिपोर्ट लगाने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के ऊपर कार्रवाई क्यों नहीं होती है जरूरी सबूततिलकपुर पंचायत भवन का फोटो/वीडियो दोपहर 12 बजे के बाद बनाया गया है। उस समय पंचायत भवन तिलक पुर पर ताला लटक रहा था और सचिव रजनी दुबे डियूटी से गायब थी।

बड़ी बात यह है कि डियूटी से गायब रजनी दुबे की खबर दर्जनों पर प्रकाशित हो चुकी है लेकिन बीडीओ चन्द्र भान उपाध्याय व एडीओ पंचायत सुशील कुमार श्रीवास्तव ने सचिव रजनी दुबे के खिलाफ नोटिस जारी मुनासिब नही समझा है । इस प्रकार स्पष्ट है कि बीडीओ व एडीओ पंचायत की मिलीभगत से पंचायत भवन पर बैठने वाले कलस्टर को ठेंगा दिखाने में सचिव रजनी दुबे पूरी तरह सफल है जिससे रजनी दूबे के अधीन ग्राम पंचायतों में जन समस्याएं बढ़ रही है और ग्रामीण ग्राम पंचायत से लेकर ब्लाक मुख्यालय तक चक्कर लगाने के लिए मजबूर है। बीडीओ व एडीओ पंचायत एवं सचिव रजनी दूबे के मनमानी कार्यो से प्रदेश सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है। उक्त प्रकरण में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने जांच कर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त खबरें

अमरनाथ राय को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी, जनपद में खुशी की लहर

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ की प्रान्तीय कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक लखनऊ में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान जनपद बलरामपुर के ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष अमरनाथ राय को संगठन की नई प्रान्तीय कार्यकारिणी में प्रदेश उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। उनके मनोनयन की घोषणा होते ही जनपद बलरामपुर के ग्राम पंचायत अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। अमरनाथ राय लंबे समय से ग्राम पंचायत अधिकारियों की समस्याओं एवं उनके हितों के लिए सक्रिय रूप से कार्य करते रहे हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकुशलता एवं नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।झ उनके प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर जनपद के ग्राम पंचायत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पंचायत अधिकारियों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। अमरनाथ राय ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे तथा पंचायत अधिकारियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

मुख्यमंत्री आज देंगे विकास की सौगात, तुलसीपुर व गैसड़ी में करोड़ों की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

तुलसीपुर/बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के लिए आज का दिन विकास के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण रहने वाला है। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री आज तहसील तुलसीपुर अंतर्गत मधुपुर-चमरगोझिया मार्ग पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में विधानसभा क्षेत्र तुलसीपुर एवं गैसड़ी के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, यातायात, पेयजल, विद्युत, पार्किंग, साफ-सफाई एवं आगंतुकों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए आयुक्त देवीपाटन मंडल श्रीमती दुर्गाशक्ति नागपाल, आईजी देवीपाटन मंडल, जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन तथा मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। लोगों को उम्मीद है कि इन विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन से क्षेत्र में सड़क, आधारभूत सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को नई गति मिलेगी तथा तुलसीपुर एवं गैसड़ी विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई दिशा प्राप्त होगी।

जिओ टावर पर चढ़ा युवक, घंटों चला हाई-वोल्टेज ड्रामा; सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती/बस्ती जिले केथाना हरैया क्षेत्र के खमरिहा सुजात गांव में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गांव निवासी जय सिंह अचानक एक जिओ मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही हरैया थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू कर दिए। पुलिस के साथ स्थानीय ग्रामीण भी युवक को समझाने-बुझाने में जुटे रहे। समाचार लिखे जाने तक युवक के टावर पर चढ़ने के पीछे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका था।

मौके पर जुटी भीड़, पुलिस ने संभाला मोर्चा

टावर पर युवक के चढ़ने की खबर पूरे इलाके में तेजी से फैल गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए, जिससे वहां तनावपूर्ण माहौल बन गया। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस लगातार निगरानी बनाए हुए है और युवक को सुरक्षित नीचे उतारने का प्रयास कर रही है।

बार-बार हो रही घटनाओं ने खड़े किए सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। जिले और प्रदेश के कई हिस्सों में आए दिन लोग मोबाइल टावरों पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन, आत्महत्या की धमकी या अन्य कारणों से जान जोखिम में डालते नजर आते हैं। इसके बावजूद टावरों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दूरसंचार कंपनियां गंभीर दिखाई नहीं देतीं।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं तो टावरों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए जा रहे हैं। लोगों का कहना है कि टावरों के चारों ओर मजबूत घेराबंदी, सुरक्षित गेट, ताले और आवश्यकतानुसार सुरक्षा कर्मियों की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि कोई भी व्यक्ति आसानी से टावर पर न चढ़ सके।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दूरसंचार कंपनियों को टावर सुरक्षा के लिए सख्त दिशा-निर्देश दिए जाएं। उनका कहना है कि यदि किसी टावर पर सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित कंपनी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। फिलहाल पुलिस और स्थानीय प्रशासन की प्राथमिकता युवक को सुरक्षित नीचे उतारना है। पूरे घटनाक्रम पर क्षेत्रवासियों की नजर बनी हुई है और सभी उसकी सकुशल वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

चिकित्सा प्रतिपूर्ति के भुगतान की नई परंपरा बर्दाश्त नहीं- नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय

बस्ती। बस्ती जिले में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसियेशन का एक प्रतिनिधि मंडल पेंशनरों की समस्याओं को लेकर अधिशाषी अभियन्ता बाढ़ खण्ड से मिलने पहंचा। उनकी गैर मौजूदगी मे फोन पर हुई वार्ता के उपरान्त एसोसियेशन के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय के निर्देश पर प्रतिनिधि मंडल अधिशाषी अभियन्ता के प्रशासनिक अधिकारी तुलसीराम से मिला और समस्याओं से अवगत कराते हुये अविलम्ब समाधान की मांग की। श्री उपाध्याय ने बताया कि अधिशाषी अभियन्ता ने व्यस्तता का हवाला देते हुये मिलने से मना कर दिया। फिलहाल प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौपा गया है। नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने बताया कि बाढ़ खण्ड के अधिशाषी अभियन्ता इंजी. दिनेश कुमार सिचाई विभाग के आहरण वितरण अधिकारी हैं। उन्होने कुछ माह पूर्व एक पत्र जारी कर पेंशनरों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति के भुगतान हेतु दावा प्रस्तुत करने पर सर्वप्रथम उस चिकित्सक/चिकित्सालय को भेजकर परीक्षण कराते हुये सम्बन्धित प्राधिकारी को निर्देशित किया गया है। इस नई और शासनादेशों को दरकिनार कर बनाई गई व्यवस्था के चलते इलाज कराने के उपरान्त चिकित्सा प्रतिपूर्ति के भुगतान हेतु दर दर भटकना पड़ रहा है। माह फरवरी मे प्रतिनिधि मंडल ने मिलकर उनसे उपरोक्त संदर्भ मे वार्ता किया था। उन्होने आश्वासन दिया था कि भविष्य मे ऐसी शिकायत नही मिलेगी।

मोहर्रम को लेकर पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

» सौहार्द एवं शांति बनाए रखने की अपील

शांति व्यवस्था भंग करने वाले अथवा अफवाह फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध होगी कड़ी कार्रवाई - थाना अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। आगामी मोहर्रम पर्व को शासन की मंशा के अनुरूप शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना परिसर बाजार शुक्ल में थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा के नेतृत्व में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, हिंदू एवं मुस्लिम समुदाय के लोगों, मुस्लिम धर्मगुरुओं तथा जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता कर आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को मजबूत बनाए रखने पर बल दिया। बैठक को संबोधित करते हुए थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने कहा कि मोहर्रम आस्था और श्रद्धा का पर्व है, जिसे सभी लोग शांति एवं अनुशासन के साथ मनाएं। उन्होंने उपस्थित लोगों से प्रशासन का सहयोग करने, किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक सामग्री साझा न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसमें आमजन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बैठक में ताजिया जुलूस के मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने भी अपने सुझाव रखे और पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। मुस्लिम धर्मगुरुओं ने भी समुदाय के लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। थाना अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि शांति व्यवस्था भंग करने वाले अथवा अफवाह फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी हर गतिविधि पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन क्षेत्र में पूरी तरह सतर्क है और त्योहार के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे।बैठक का समापन आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता एवं क्षेत्र में शांति बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर दोनों समुदायों के अनेक सम्मानित नागरिक एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की प्रभारी मंत्री ने की समीक्षा, व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

● 5 से 21 जून 2026 तक आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। प्रदेश की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की राज्य मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने गुरुवार को अपने एक दिवसीय अमेठी दौरे के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने गौरीगंज स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ जिला कोर कमेटी की बैठक की तथा विकास भवन सभागार में जनपदीय अधिकारियों के साथ परिचयात्मक बैठक कर केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लिया। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा उन्हें सुनियोजित एवं प्रभावी ढंग से आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तर पर आयोजित मेलों में सभी विभाग अपने-अपने स्टॉल लगाकर जनसामान्य को सरकारी योजनाओं की जानकारी दें तथा पात्र व्यक्तियों का मौके पर ही पंजीकरण कर उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करें। उन्होंने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं आमजन की सहभागिता से व्यापक स्तर पर

पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही चौपाल कार्यक्रमों के लिए प्रत्येक ब्लॉक में 10 गांवों का चयन करने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों की सूची तैयार रखने को कहा, जिससे चौपाल के दौरान उनका सत्यापन किया जा सके। बैठक में बताया गया कि 5 जून से 21 जून तक विभिन्न जनजागरूकता, जनसंपर्क, स्वास्थ्य मेला, विकसित भारत संकल्प सम्मेलन, विकास प्रदर्शनी, प्राकृतिक खेती कार्यशाला तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक के उपरांत प्रभारी मंत्री ने विकास भवन परिसर में एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण किया एवं जनपद वासियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा अधिक से अधिक पौधरोपण करने की अपील की। बैठक में विधान परिषद सदस्य शैलेंद्र प्रताप सिंह, जिलाधिकारी संजय चौहान, मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) ज्योति सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भदोही की बेटी कोमल बिन्द ने जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल

जंगीगंज। कहते हैं कि अगर हौसले बुलंद हों तो मंजिलें खुद रास्ता बना लेती हैं। भदोही की ऐसी ही एक होनहार बेटी जिसने अपनी मेहनत, लगन और संघर्ष के दम पर पूरे जिले का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। भदोही जिले के गोपीगंज क्षेत्र के मदनपुर गांव की बेटी कोमल बिन्द ने प्रयागराज में आयोजित राज्य स्तरीय जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर यह साबित कर दिया है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। गांव की साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर खेल जगत में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाली कोमल आज हजारों युवाओं, खासकर बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। कोमल बिन्द अब तक राज्य स्तर पर तीन गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर चुकी हैं। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर भी दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीतकर उन्होंने प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। हाल ही में उन्होंने 46.50 मीटर जेवलिन थ्रो कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया और एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। सबसे बड़ी बात यह है कि कोमल ने यह मुकाम किसी बड़े शहर या आधुनिक सुविधाओं के सहारे नहीं, बल्कि गांव के मैदान से अपने सफर की शुरुआत करके हासिल किया है। वर्ष 2019 में शुरू हुआ उनका संघर्ष आज सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उनकी मेहनत और समर्पण यह संदेश देता है कि प्रतिभा सुविधाओं की मोहताज नहीं होती, उसे केवल अवसर और प्रोत्साहन की जरूरत होती है।

मुख्य विकास अधिकारी ने समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान की तैयारियों की समीक्षा की

● 05 जून से 21 जून तक जनपद में संचालित होगा विशेष जन-जागरूकता एवं जन-कल्याण अभियान

● कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में विभागीय अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा 05 जून 2026 से 21 जून 2026 तक संचालित किए जाने वाले समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के सफल आयोजन हेतु मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित करना, जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करना तथा विकास एवं सुशासन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए अभियान की गतिविधियों का प्रभावी एवं समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा प्रत्येक गतिविधि को जन-केंद्रित, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुख बनाया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप 'सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान' की भावना के साथ सभी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग पूर्ण जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करते हुए अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करें, जिससे अधिक से अधिक नागरिक लाभान्वित हो सकें।

इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी ने अभियान के दौरान शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के क्रम में विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून 2026), विशेष जनसंपर्क एवं जन जागरूकता कार्यक्रम (8 से 14 जून 2026), मीडिया सम्बोधन एवं संवाद (11 से 14 जून 2026), जन कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला (14 से 16 जून 2026) भारत विकसित संकल्प सम्मेलन (16 से 17 जून 2026) विकास प्रदर्शनी (तीन दिवसीय), प्राकृतिक खेती कार्यशाला (18/19 जून 2026), अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2026) तथा अभियान अवधि में रात्रि चौपाल का आयोजन कर शासकीय योजनाओं की समीक्षा एवं जन शिकायतों के निस्तारण का कार्यक्रम आयोजित होगा।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने अभियान के दौरान निर्धारित समस्त कार्यक्रमों से संबंधित तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बताया कि दिनांक 5 जून 2026 को प्रभारी मंत्री/कैबिनेट मंत्री, पंचायती राज तथा अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज विभाग उत्तर प्रदेश सरकार ओमप्रकाश राजभर द्वारा श्रवण धाम में वृक्षारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को अभियान के दौरान संचालित कार्यक्रमों की नियमित मॉनिटरिंग करने, व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा आयोजित गतिविधियों की फोटोग्राफी एवं रिपोर्टिंग समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से संबंधित प्रस्तावित कार्यक्रमों एवं कार्ययोजना की जानकारी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, डीसी मनरेगा, डीसी एनआरएलएम, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दक्ष प्रजापति एकता क्रिकेट क्लब का हुआ भव्य उद्घाटन

● खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं युवाओं को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से दक्ष प्रजापति एकता क्रिकेट क्लब का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रधान प्रतिनिधि प्रदीप कुमार चौधरी व प्रेस क्लब आफ मीडिया के मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार यादव जी रहे, जिन्होंने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार चौधरी ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त साधन है। उन्होंने युवाओं से खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

आयोजक विजयपाल प्रजापति 'विजय' ने सभी अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि क्लब का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को बेहतर मंच प्रदान करना है, जिससे युवा खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि भविष्य में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं एवं प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा।

उद्घाटन के प्रथम दिन प्रतियोगिता का रोमांचक मुकाबला मोतीपुर सेमरी एवं फोंगही टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः मोतीपुर सेमरी की टीम विजयी रही। मैच के दौरान दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिला और खिलाड़ियों का जमकर उत्साहवर्धन किया गया। समारोह के दौरान खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उपस्थित समाजसेवियों एवं वरिष्ठ जनों ने क्लब की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में एकता, भाईचारे और युवाओं के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में युवा, खिलाड़ी, समाजसेवी एवं क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पिपरी काजी में टीए ने 06 लाख रुपये का किया फर्जी एमबी - सूत्र

» फर्जी मस्टर रोल के सहारे फर्जी भुगतान कराने में सफल दिख रहे ग्राम प्रधान वीरेन्द्र कुमार चौधरीसचिव , टीए व मनरेगा एपीओ ने मुंह मांगा कमीशन लेकर फर्जी मस्टर रोल को भुगतान के लिए किया प्रमाणित- सूत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्तीजिले विकासखंड हरैया में पैसा फेंको तमाशा देखो की पुरानी कहावत चरितार्थ हो रही है। ग्राम पंचायत पिपरा काजी में ग्राम प्रधान वीरेन्द्र कुमार चौधरी ने पुरानी कहावत को चरितार्थ कर दिया है। ग्राम प्रधान वीरेन्द्र कुमार चौधरी ने मुंह मांगा कमीशन देकर सचिव , तकनीकी सहायक (जे ई) , मनरेगा एपीओ को मनरेगा कार्य के नाम पर आनलाइन पूर्ण फर्जी मस्टर रोल के फर्जी भुगतान के लिए लाचार कर दिया था जिससे लाचार तकनीकी सहायक/जे ई ने 06 लाख रुपए से अधिक का फर्जी एमबी कर दिया है और सचिव एवं मनरेगा एपीओ ने फर्जी एमबी किए गए कार्य के फाइल को प्रमाणित करके भुगतान के लिए भेज दिया है । सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पिपरा काजी में दो मनरेगा कार्यो के नाम पर ग्राम प्रधान वीरेन्द्र कुमार चौधरी ने आनलाइन मस्टर रोल जारी करवाया था जिस पर पुराने फर्जी फोटो को अपलोड करके ऑनलाइन मस्टर रोल को रोजगार सेवक विक्रम ने पूर्ण किया था अर्थात् फर्जी भुगतान कराने में रोजगार सेवक विक्रम ने अहम भूमिका निभाई है।

मीडिया टीम ने ग्राम पंचायत पिपरा काजी में चल मनरेगा कार्यो का धरातलीय पड़ताल किया था। मीडिया टीम के धरातलीय में खुलासा हुआ था कि मनरेगा कार्यो के नाम पर जारी आनलाइन फर्जी मस्टर रोल पूरी तरह से फर्जी है तब ग्राम पंचायत पिपरा

काजी के मनरेगा भ्रष्टाचार की खबर प्रमुखता से अनेक सम्मानित समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई थी लेकिन विकास खण्ड हरैया के जिम्मेदार सचिव, टीए व मनरेगा एपीओ ने मनरेगा भ्रष्टाचार की प्रकाशित खबर को नजर अंदाज करते हुए भुगतान के लिए सारी प्रक्रिया पूर्ण करने में सहयोग किया सभी के सहयोग से फर्जी भुगतान हेतु पूर्ण फर्जी मस्टर रोल ऑनलाइन फीड हो गया है। ग्राम पंचायत पिपरा काजी में भुगतान के लिए आनलाइन फीड मस्टर रोल को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही है कि तालाब खुदाई व सफाई कार्य हुआ ही नहीं है और न ही वर्तमान समय में कोई मनरेगा कार्य कराया गया है तब कैसे दो मनरेगा कार्यो के नाम पर 06 लाख रुपये से अधिक के भुगतान के लिए मस्टर रोल आनलाइन फीड हुआ है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों को विकास कार्यों से कोई मतलब नहीं रहता है मात्र उनको अपने कमीशन से मतलब रहता है। अब देखना यह है कि खंड विकास अधिकारी हरैया विनय कुमार द्विवेदी ग्राम पंचायत पिपरा काजी के भुगतान को रोक पाते हैं या नही? इस सम्बंध में तकनीकी सहायक (जेई) व सचिव से फोन के माध्यम से जानकारी लेना चाहा तो तकनीकी सहायक व सचिव ने फोन रिसीव नहीं किया। उक्त प्रकरण में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने जांच कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

सरकार की योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ नगर पंचायत स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में गुरुवार भाजपा शोहरतगढ़ मण्डल की मासिक बैठक मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा जनसम्पर्क अभियान को गति देना रहा। मुख्य अतिथि जिला महामंत्री/मण्डल प्रभारी फूलचंद जयसवाल ने कार्यकर्ताओं से संगठन की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।केन्द्र सरकार के सफलतम 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संकल्प के साथ सरकार की गरीब कल्याण, किसान और महिला उत्थान से जुड़ी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाएं। मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और इसकी ताकत इसके जमीनी कार्यकर्ता है। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्ण पाल चौधरी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, मनोनीत सभासद रविन्द्र कुमार वर्मा, जिला कार्यालय सह प्रभारी महेंद्र लोधी, मण्डल उपाध्यक्ष संजय दूबे,मण्डल मंत्री विजय कुमार गुप्ता, शक्ति केन्द्र संयोजक श्रीराम चौहान आदि भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और चुनौतियों पर होगा युवा संवाद

● गायत्री शक्तिपीठ अमेठी में 12 जून को आयोजन

● एआई के बढ़ते प्रभाव और संभावित खतरों पर होगी विशेषज्ञों की चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, यातायात, सुरक्षा, अनुवाद, सर्च इंजन तथा भविष्यवाणी जैसे अनेक क्षेत्रों में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। जहां एक ओर यह तकनीक मानव जीवन को सरल और सुविधाजनक बना रही है, वहीं दूसरी ओर इसके कारण रोजगार, व्यवसाय, अर्थव्यवस्था, निजता और नैतिक मूल्यों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंताएं भी बढ़ रही हैं।यह विचार गायत्री परिवार अमेठी के जिला समन्वयक डॉ. त्रिवेणी सिंह ने एक गोष्ठी के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि एआई की उपयोगिता और उससे जुड़ी भावी चुनौतियों को लेकर वर्तमान पीढ़ी तथा विशेष रूप से युवाओं के बीच गंभीर चर्चा होना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि तकनीक के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं से अवगत कराना आवश्यक है। शिक्षा, उद्योग, व्यवसाय और पारिवारिक जीवन से जुड़े लोग करेंगे विचार-विमर्श डॉ. सिंह ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विषय पर विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, उद्योग जगत से जुड़े लोगों, व्यवसायियों, तकनीकी विशेषज्ञों (टेक्नोक्रैट्स) तथा पारिवारिक और सामाजिक जीवन से जुड़े नागरिकों के बीच विचारों का आदान-प्रदान अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य को लेकर 12 जून को प्रातः 8:00 बजे से गायत्री शक्तिपीठ अमेठी में 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भावी चुनौतियां' विषय पर 'युवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में एआई के समाज, रोजगार, शिक्षा और मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही युवाओं को भविष्य की तकनीकी

चुनौतियों के लिए तैयार करने और एआई के नैतिक एवं जिम्मेदार उपयोग के विषय में भी मार्गदर्शन दिया जाएगा।गायत्री परिवार द्वारा कार्यक्रम में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। आयोजकों ने युवाओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, उद्यमियों तथा तकनीक में रुचि रखने वाले सभी नागरिकों से पंजीकरण कर कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

मंत्री राकेश सचान ने जनपद भ्रमण के दौरान किया वृक्षारोपण

रायबरेली:- मंत्री खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा तथा वस्त्रोद्योग विभाग उ0प्र0/प्रभारी मंत्री जनपद राकेश सचान ने आज जनपद भ्रमण के दौरान निरीक्षण भवन परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। मंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम है, बल्कि यह हमारी भावनात्मक जुड़ाव और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमजन से अपील की कि वे अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें तथा लगाए गए पौधों का संरक्षण भी सुनिश्चित करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण मिल सके। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। मंत्री ने निर्देश दिए कि जनपद में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जाए तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह अभियान जनभागीदारी के माध्यम से एक जन आंदोलन का रूप ले, यही सरकार की मंशा है। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी, विधायक सदर अदिति सिंह, विधायक सलोन अशोक कुमार, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल, जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार, डीएफओ प्रखर मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता सहित जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी में तीन PCS अधिकारियों का तबादला, योगी सरकार ने किया फेरबदल

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने तीन पीसीएस अधिकारियों की तैनाती में फेरबदल किया है। सृष्टि धवन का पिछले दिनों मुख्य राजस्व अधिकारी सुलतानपुर के पद पर किया गया तबादला निरस्त करते हुए उन्हें अब उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में उप निदेशक बना दिया गया है। संतोष कुमार राय अपर जिलाधिकारी (भू/अ) कानपुर को अब अपर आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बनाया गया है। इसी प्रकार उपजिलाधिकारी वाराणसी आनन्द मोहन उपाध्याय को अब अपर जिलाधिकारी (भू/अ) कानपुर के पद पर नई तैनाती दी गई है।

206 पीपीएस अधिकारियों के तबादले

इससे पहले सरकार ने विभिन्न जिलों में तैनात 206 पीपीएस अफसरों के तबादले किए थे। तबादला सूची में उन अधिकारियों की संख्या सबसे ज्यादा है जो लंबे समय से एक ही जगह पर तैनात थे। मुख्यमंत्री सुरक्षा में तैनात डीएसपी जितेन्द्र कुमार द्वितीय को शाहजहांपुर स्थानांतरित किया गया है। वहीं लखनऊ में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर तैनात विकास कुमार जायसवाल को मुख्यमंत्री की सुरक्षा टीम में तैनात किया गया है। साथ ही गौतमबुद्ध नगर से लखीमपुर खीरी स्थानांतरित किए गए एसीपी अरविन्द कुमार-द्वितीय का तबादला निरस्त कर दिया गया है। कन्नौज की चर्चित डीएसपी प्रियंका बाजपेयी और लखनऊ में तैनात वीरेन्द्र विक्रम को कानपुर नगर का सहायक पुलिस आयुक्त तैनात किया गया है। गोरखपुर में तैनात डीएसपी उदय प्रताप सिंह-द्वितीय, महोबा में तैनात गौरव उपाध्याय, कानपुर नगर में तैनात रंजीत कुमार और गौतमबुद्ध नगर में तैनात महेश त्यागी को लखनऊ का सहायक पुलिस आयुक्त तैनात किया गया है। वहीं मथुरा में तैनात आशीष शर्मा को एटीएस में तैनात किया गया है। इसके अलावा प्रयागराज के सहायक पुलिस आयुक्त राजीव कुमार यादव को प्रयागराज एयरपोर्ट का मुख्य सुरक्षा अधिकारी तैनात किया गया है।

लखनऊ के 332 गांवों में कृषि जमीन के सर्किल रेट में बंपर बढ़ोतरी, 1 करोड़ प्रति हेक्टेयर पहुंची कीमत

● लखनऊ के 332 ग्रामीण गांवों में कृषि भूमि के डीएम सर्किल रेट में 100-200% की वृद्धि हुई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में जिनके पास कृषक जमीनें हैं उनके लिए खुशखबरी। जिला प्रशासन ने शहरी क्षेत्र को छोड़कर 332 गांवों में कृषि योग्य जमीनों के डीएम सर्किल रेट सौ से दो सौ प्रतिशत तक बढ़ोतरी कर दी है। नई दरों के बाद पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, कानपुर रोड और बिजनौर रोड के आसपास गांवों में जमीन की दरें एक करोड़ रुपये से लेकर सवा करोड़ रुपये प्रति हेक्टेयर तक पहुंच गई हैं। जिला प्रशासन ने प्रचलित डीएम सर्किल रेट और बाजार दर के बीच अंतर को कम करने के लिए संशोधित दरों का प्रस्ताव दिया था।

सर्किल रेट बढ़ाने के लिए 29 मई को पेश किया गया था प्रस्ताव

संशोधित दरों के लागू होने के बाद जिन गांवों में डीएम सर्किल रेट प्रति हेक्टेयर बीस से चालीस लाख रुपये था वहां पर बढ़कर 50 लाख से एक करोड़ रुपये तक हो गया है। गुरुवार को आपत्तियों के निस्तारण के बाद संशोधित दरें लागू कर दी गईं। एक अगस्त 2025 को लखनऊ में एक दशक से अधिक अंतराल के बाद नया डीएम सर्किल रेट लागू किया गया था। जिसमें शहर से लेकर गांव तक कृषि, आवासीय और व्यवसायिक जमीनों के सर्किल रेट में बढ़ोतरी की थी। एक अगस्त को जो दरें लागू की गई थीं उनमें ही लखनऊ विकास प्राधिकरण के विस्तारित क्षेत्र और नगर निगम सीमा में आने वाले गांवों को छोड़कर शेष 332 गांवों में सर्किल रेट बढ़ाने के लिए 29 मई को प्रस्ताव पेश किया गया था। तीन जून तक आपत्तियों पर सुनवाई की गई जिसमें कुछ गांवों में दरों में और बढ़ोतरी की गई। एडीएम राजस्व राकेश कुमार सिंह के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार दर और डीएम सर्किल रेट के बीच काफी अंतर था एसडीएम और उपनिबंधकों के सर्वे में भी कृषि दरों में बाजार मूल्य एवं प्रचलित सर्किल दरों में भिन्नता पाई गई थी। इसी आधार पर दरों को बढ़ाने का फैसला किया गया।

दिल्ली में अचानक मौसम बिगड़ा, चार विमान लखनऊ एयरपोर्ट पर डायवर्ट

लखनऊ। दिल्ली का मौसम गुरुवार को दिन में अचानक खराब हो गया। आंधी और तेज बारिश के कारण वहां पर जनजीवन प्रभावित हो गया। आंधी और बारिश के कारण हवाई यातायात पर भी काफी असर पड़ा और वहां जा रहे विमानों को लखनऊ डायवर्ट कर दिया। इन विमानों की लैंडिंग चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक के बाद एक हुई। चारों विमानों को लखनऊ एयरपोर्ट पर होल्ड किया गया । मौसम ठीक होने के बाद यह विमान दिल्ली रवाना हो गए। दिल्ली में खराब मौसम के कारण अकासा एयरलाइन का विमान गोवा-दिल्ली क्यूपी 1814 लखनऊ एयरपोर्ट पर 160 यात्रियों के साथ दोपहर 3:09 बजे उतरा। इस विमान के 17 यात्री लखनऊ में ही उतर गए। विमान शाम 6:37 बजे रवाना हो सका। इसी तरह 86 यात्रियों के साथ मुंबई से दिल्ली जा रहा एयर इंडिया का विमान एआइ 2419 दोपहर 3:18 बजे लखनऊ उतरा। विमान शाम 4:51 बजे रवाना हो सका। बैंकाक से दिल्ली जा रहा इंडिगो एयरलाइन का विमान 6ई-1064 दोपहर 4:01 बजे 215 यात्रियों के साथ लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। यह विमान शाम 4:59 बजे रवाना हो सका। पूर्णिया से दिल्ली जा रहा विमान 6ई-6560 लखनऊ 176 यात्रियों के साथ दोपहर 3:53 बजे उतरा। लखनऊ से विमान 5:13 बजे उड़ान भर सका।

जीएसटी विभाग और व्यापारियों के बीच सीधा संवाद, व्यापारियों की समस्याओं का हुआ समाधान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल लालगंज के तत्वावधान में बुधवार को एक होटल में जीएसटी विभाग द्वारा व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों ने व्यापारियों को जीएसटी से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं और उनकी समस्याएं सुनीं। असिस्टेंट कमिश्नर शिखा गुप्ता एवं विवेक कुमार ने व्यापारियों से विभाग में अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने बताया कि ऐसा करने से विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देश, पोर्टल संबंधी सूचनाएं और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी सीधे मैसेज व ई-मेल के माध्यम से प्राप्त होती रहेगी। नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा ने कहा कि जीएसटी विभाग की ओर से पहली बार इस तरह का व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यदि ऐसे कार्यक्रम प्रत्येक तीन माह में तहसील स्तर पर होते रहें तो व्यापारी अधिक जागरूक होंगे और विभाग से उनका सीधा संवाद स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि व्यापार मंडल नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित कराने का प्रयास करेगा। जिला अध्यक्ष रोहित सोनी ने जीएसटी पंजीकरण के दौरान आने वाली समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखा। उन्होंने कहा कि कई व्यापारियों की दुकानें किराये की होती हैं, जिससे आवश्यक दस्तावेज न होने पर उन्हें जीएसटी नंबर प्राप्त करने में कठिनाई होती है। इस पर असिस्टेंट कमिश्नर विवेक कुमार ने बताया कि किरायानामा या अन्य वैध प्रमाण प्रस्तुत करने पर जीएसटी पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। अधिकारियों ने व्यापारियों को 10 लाख रुपये के दुर्घटना बीमा योजना की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में असिस्टेंट कमिश्नर अशोक श्रीवास्तव, अरविंद सिंह, अतिव मोहन, राजीव राय, रामनरेश सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

बिना फायर एनओसी के चल रहे एक दर्जन होटल और रेस्टोरेंट

● जांच में खुली सुरक्षा व्यवस्था की पोल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। दिल्ली में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड के बाद अग्निशमन विभाग ने लालगंज नगर में होटल और रेस्टोरेंट की सुरक्षा व्यवस्था की जांच शुरू कर दी है। बृहस्पतिवार को फायर विभाग की टीम ने नगर के कई होटल और रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। जांच के दौरान चौंकाने वाली स्थिति सामने आई। एक होटल को छोड़कर अधिकांश होटल और रेस्टोरेंट बिना फायर एनओसी के संचालित होते मिले। अग्निशमन विभाग की इस कार्रवाई से होटल संचालकों में हड़कंप मच गया। टीम ने प्रतिष्ठानों में लगे अग्निशमन यंत्रों और अन्य सुरक्षा उपकरणों की स्थिति का निरीक्षण किया। कई स्थानों पर सुरक्षा मानकों को लेकर कमियां भी मिलीं।अधिकारियों ने संचालकों को तत्काल आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। फायर स्टेशन प्रभारी मुकेश गिरी ने बताया कि नगर क्षेत्र के होटल और रेस्टोरेंट में आग से बचाव संबंधी तैयारियों की जांच की गई। संचालकों को आग लगने की स्थिति में अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी भी दी गई। उन्हें बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय तय प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है।बताया कि निरीक्षण के दौरान अधिकांश प्रतिष्ठानों ने अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त नहीं किया है। जबकि भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए सुरक्षा मानकों का पालन करना जरुरी माना जाता है। विभाग ने ऐसे संचालकों को जल्द से जल्द आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि होटल और रेस्टोरेंट में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते हैं। ऐसे में आग जैसी दुर्घटना की स्थिति में पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम होना बेहद जरूरी है। छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। फायर विभाग ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। आने वाले दिनों में भी निरीक्षण अभियान जारी रहेगा। नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

मौसी को परेशान करता था, समझाने पर नहीं माना तो मामा ने मार डाला; हत्यारोपी गिरफ्तार

लखनऊ। इटौंजा के अकबरपुर गांव में 22 वर्षीय युवक सचिन की हत्या रिश्ते में मामा बृजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ ब्रजेश ने प्लास्टिक की स्ट्रैप से गला कसकर की थी। ब्रजेश का आरोप है कि सचिन उसकी बहन को परेशान करता था, इसलिए हत्या कर दी। बुधवार को पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इटौंजा के अकबरपुर निवासी बृजेंद्र मड़ियांव के इंद्रपुरी कालोनी निवासी सचिन का रिश्ते में मामा लगता था। सोमवार को बृजेंद्र सचिन के घर गया और उसे अपने गांव ले आया था। मंगलवार की सुबह सचिन का शव अकबरपुर गांव में खेत में पड़ा मिला था। पिता रामशंकर ने बृजेंद्र पर हत्या का आरोप लगाते हुए इटौंजा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। बुधवार को पुलिस ने आरोपित को महोना नहर पुलिया के पास गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में बृजेंद्र ने बताया कि रिश्तेदारी के चलते सचिन का घर तक आना-जाना था। सचिन उसकी बहन पर गलत नजर रखता था। कई बार समझाने के बाद भी नहीं माना तो सोमवार को बहाने से उसे घर ले आया था। घर में शराब पिलाई फिर नशे की हालत में गला कसकर हत्या कर दी। शव केले के खेत में फेंक दिया था। थाना प्रभारी सोबरन सिंह ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

केजीएमयू में बच्चे का सफल कोलेडोकल सिस्ट ऑपरेशन

● लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से मिली नई जिंदगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पेडियाट्रिक सर्जरी विभाग की टीम ने दुर्लभ बीमारी का सफल उपचार किया। ऑपरेशन के बाद बच्चा स्वस्थ होकर डिस्चार्ज किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के पेडियाट्रिक सर्जरी विभाग में लेप्रोस्कोपिक तकनीक से कोलेडोकल सिस्ट का सफल ऑपरेशन कर एक 11 वर्षीय बच्चे को नई जिंदगी दी गई। मरीज गौरव, निवासी पलीलालपुर, कानपुर, लंबे समय से पेट दर्द और पीलिया जैसी समस्याओं से जूझ रहा था। मरीज को 5 मई 2026 को केजीएमयू के पेडियाट्रिक सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया, जहां जांच में कोलेडोकल सिस्ट नामक दुर्लभ बीमारी की पुष्टि हुई। यह बीमारी पित्त नलिकाओं (बाइल डक्ट्स) में असामान्य विस्तार के कारण होती है, जिससे पीलिया और संक्रमण जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. जेडी रावत के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने 26 मई 2026 को लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के माध्यम से सफल ऑपरेशन किया। इस प्रक्रिया में क्षतिग्रस्त पित्त नलिका को हटाकर बाइल के प्रवाह के लिए नया मार्ग बनाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, पारंपरिक ओपन सर्जरी की तुलना में लेप्रोस्कोपिक तकनीक से दर्द कम होता है, रक्तस्राव कम होता है और मरीज तेजी से स्वस्थ होता है। ऑपरेशन के बाद बच्चे की स्थिति लगातार बेहतर रही और 4 जून 2026 को उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस सफल सर्जरी में डॉ. सुमित सिंह, डॉ. धृति पटेल, डॉ. दक्षा गुप्ता, डॉ. अनुजा सिंह, एनेस्थीसिया विभाग की डॉ. आयुषी गुप्ता सहित नर्सिंग एवं रेजिडेंट डॉक्टरों की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रो. जेडी रावत ने बताया कि केजीएमयू का पेडियाट्रिक सर्जरी विभाग अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है और बच्चों की जटिल बीमारियों के उपचार में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने पूरी टीम को इस सफलता के लिए बधाई दी। केजीएमयू के पेडियाट्रिक सर्जरी विभाग ने एक बार फिर चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। डॉक्टरों की टीम ने 11 वर्षीय बच्चे के दुर्लभ कोलेडोकल सिस्ट का लेप्रोस्कोपिक तकनीक से सफल ऑपरेशन कर उसे नया जीवन दिया है। कानपुर निवासी 11 वर्षीय गौरव लंबे समय से पेट दर्द और पीलिया की समस्या से परेशान था। जांच में कोलेडोकल सिस्ट नामक दुर्लभ बीमारी सामने आई। केजीएमयू के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने आधुनिक लेप्रोस्कोपिक तकनीक से सफल सर्जरी कर मरीज को स्वस्थ किया। ऑपरेशन के बाद बच्चे को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। चिकित्सकों का कहना है कि यह तकनीक मरीज को कम दर्द और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है।

एसएमएस लखनऊ ने स्पोकन ट्यूटोरियल, एडूपिरामिड्स एवं साइन, आईआईटी बॉम्बे के साथ किया समझौता ज्ञापन (MoU)

● परिसर में स्थापित हुई स्पोकन ट्यूटोरियल स्किल एक्सेलरेटर लैब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जून 2026 तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस), लखनऊ ने स्पोकन ट्यूटोरियल, एडूपिरामिड्स एवं साइन (SINE), आईआईटी बॉम्बे के साथ एक प्रतिष्ठित समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों के तकनीकी कौशल का विकास करना तथा उन्हें उद्योगोन्मुखी एवं रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ना है। समझौता ज्ञापन पर एसएमएस लखनऊ की ओर से निदेशक डॉ. आशीष भटनागर तथा स्पोकन ट्यूटोरियल, एडूपिरामिड्स एवं साइन, आईआईटी बॉम्बे की ओर से रेनू सिंह, प्रशिक्षण प्रबंधक ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर एसएमएस परिसर में स्थापित स्पोकन ट्यूटोरियल स्किल एक्सेलरेटर लैब का उद्घाटन रेनू सिंह द्वारा किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में तकनीकी दक्षता और रोजगारपरक कौशल सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को ओपन-सोर्स प्रौद्योगिकियों के माध्यम से स्वयं को सशक्त बनाने और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार होने का आह्वान किया। समझौते के अंतर्गत स्पोकन ट्यूटोरियल द्वारा 125 से अधिक ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रमों एवं शिक्षण मॉड्यूल्स तक पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्र, शिक्षक एवं कर्मचारी संरचित प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रमों में भाग लेकर व्यावहारिक तकनीकी कौशल अर्जित कर सकेंगे। सफल प्रतिभागियों को आईआईटी बॉम्बे द्वारा प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे, जिससे उनकी रोजगार क्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी। समारोह के उपरांत अपने वक्तव्य में एसएमएस लखनऊ के सीईओ एवं सचिव शरद सिंह ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए संपूर्ण एसएमएस परिवार को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान उद्योग एवं समाज की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल, नवाचारी एवं सक्षम मानव संसाधन तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग विद्यार्थियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा। इस अवसर पर निदेशक डॉ. आशीष भटनागर ने कहा कि आईआईटी बॉम्बे जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के सहयोग से स्थापित यह पहल तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी नवाचार आधारित शिक्षण, व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं डिजिटल दक्षता को

बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सभा को संबोधित करते हुए डॉ. भरत राज सिंह, निदेशक जनरल (तकनीकी) ने विशेष रूप से ग्रामीण एवं अर्धशहरी पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों के लिए स्पोकन ट्यूटोरियल कार्यक्रमों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल, तकनीकी दक्षता एवं आत्मविश्वास को विकसित करने के साथ-साथ उन्हें भविष्य की व्यावसायिक एवं तकनीकी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए तैयार करेगी। कार्यक्रम में डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर, डॉ. पी. के. सिंह, डीन-स्टूडेंट वेलफेयर, मुख्य महाप्रबंधक, विभिन्न विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समापन डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, एसोसिएट डायरेक्टर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह सहयोग एसएमएस लखनऊ की गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का एक सशक्त उदाहरण है।

उमस और धूप भी नहीं रोक सकी हौसला

● टीजीटी परीक्षा में दिखा युवाओं का जोश

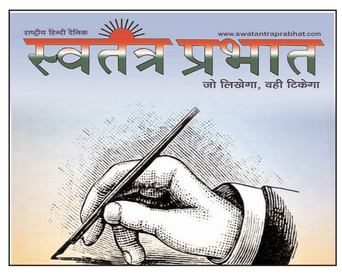

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) की लिखित परीक्षा बृहस्पतिवार को बैसवारा इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर आयोजित हुई। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह मुस्तैद रही। परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी लालगंज पहुंचे। लंबे समय से इस भर्ती परीक्षा का इंतजार कर रहे युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। परीक्षा केंद्र के बाहर सुबह से ही अभ्यर्थियों की आवाजाही बनी रही। लखनऊ से परीक्षा देने आई दीप्ति ने बताया कि वह काफी समय से तैयारी कर रही थीं। पेपर उनकी उम्मीद के अनुसार रहा। वहीं बाराबंकी से आई आरुषि ने कहा कि प्रश्नपत्र ठीक रहा हालांकि वास्तविक मूल्यांकन का पता परिणाम आने के बाद ही चलेगा। बाराबंकी से आए अभिषेक ने बताया कि उन्होंने लंबे समय से तैयारी की थी। परीक्षा उनके लिए संतोषजनक रही। उधर, उमस भरी गर्मी और तेज धूप ने परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों के साथ पहुंचे अभिभावकों की मुश्किलें बढ़ा दीं। कई अभिभावक छांव और ठंडे स्थान की तलाश में इधर उधर भटकते नजर आए। प्रथम पाली में टीजीटी की परीक्षा सम्पन्न हुई। इसके बाद दूसरी पाली में प्राविधिक कला विषय की परीक्षा आयोजित की गई। पूरे दिन परीक्षा केंद्र पर शांतिपूर्ण माहौल बना रहा।

यूपी में पर्यावरण महाकुंभ, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत लगेंगे 5 करोड़ पौधे

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुकरैल वन क्षेत्र से इसका शुभारंभ करेंगे। उनके नेतृत्व में पूरे राज्य में एक दिन में 5 करोड़ पौधरोपण किए जाएंगे। इसके लिए सभी विभागों व मंडलों के लक्ष्य निर्धारित कर दिए गए हैं। पर्यावरण दिवस पर वन विभाग की तरफ से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्य आयोजन होगा, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत कुकरैल वन क्षेत्र में वृहद पौधरोपण होगा।

सबसे पहले यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पौधरोपण करेंगे। यहां 200 से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में वन मंत्री अरुण सक्सेना, प्रभारी मंत्री, प्रमुख सचिव, विभागाध्यक्ष समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

पंचायत चुनाव पर हाई कोर्ट का सख्त रुख, राज्य सरकार से मांगी ओबीसी आयोग की रिपोर्ट

● इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने पंचायत चुनाव और प्रशासकों की नियुक्ति मामले में राज्य सरकार से ओबीसी आयोग की रिपोर्ट और राज्य निर्वाचन आयोग से संभावित चुनाव कार्यक्रम की जानकारी मांगी है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। पंचायत चुनाव और वर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किए जाने के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग से महत्वपूर्ण जानकारी तलब की है। अदालत ने पंचायत चुनावों से संबंधित पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश राज्य सरकार को दिया है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग से संभावित चुनाव कार्यक्रम के बारे में स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति एके चौधरी की अवकाशकालीन पीठ ने स्थानीय अधिवक्ता ओम प्रकाश प्रजापति की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी। याचिका में राज्य सरकार के 25 मई के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसके तहत वर्तमान ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त किया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम की धारा-12 के

अनुसार ग्राम प्रधान का कार्यकाल शपथ ग्रहण की तिथि से केवल पांच वर्ष का होता है। इसके बावजूद समय पर पंचायत चुनाव न कराकर मौजूदा प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया गया, जिससे उनका कार्यकाल अनिश्चितकाल तक बढ़ गया है। यह व्यवस्था कानून के विपरीत है। याचिकाकर्ता ने मांग की है कि यदि किसी कारण से समय पर पंचायत चुनाव नहीं कराए जा सकते, तो पूर्व व्यवस्था के अनुसार एडीओ पंचायत या किसी अन्य सरकारी अधिकारी को प्रशासक नियुक्त किया जाए। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने चुनाव तैयारियों और आरक्षण प्रक्रिया की स्थिति जानने के लिए ओबीसी आयोग की रिपोर्ट तलब की तथा निर्वाचन आयोग से संभावित चुनाव कार्यक्रम पर स्पष्ट जवाब मांगा है।

पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर वादा फाउंडेशन द्वारा निकाली गई जागरूकता रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर- पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर वादा फाउंडेशन ने बिसवां ब्लाक की ग्राम पंचायत मोजुद्दीनपुर में जागरूकता रैली निकाली। तत्पश्चात ग्राम प्रधान मोहम्मद नईम अंसारी की अध्यक्षता मे पर्यावरण चेतना चौपाल का आयोजन किया। संचालन वादा फाउंडेशन के संयोजक अंशुमान सिंह ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नागरिक अधिकार संगठन के संयोजक हरीशंकर गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सरकारों एवं संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा प्रत्येक परिवार अपने सदस्यों की संख्या के बराबर प्रतिवर्ष पौधारोपण करे और उन पौधों की देखभाल का संकल्प ले, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि देश में हरित क्षेत्र का अनुपात लगातार चुनौतीपूर्ण स्थिति में है, इसे जनसहभागिता से ही सुधारा जा सकता है। शिक्षक, समाजसेवी मोहम्मद आरिफ ने कहा कि ऑक्सीजन के सहारे मानव जीवन संभव है, उसका प्राकृतिक स्रोत पेड़-पौधे हैं। प्रदूषण और अंधाधुंध वृक्ष कटान के कारण वातावरण में प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। कि प्रकृति हमें जो शुद्ध हवा और ऑक्सीजन निःशुल्क प्रदान करती है। वही वामा संस्था की ज्योति ने कहा कि पर्यावरण

संरक्षण के अभियान में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाएं अपने घर, मोहल्ले और गांव में लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण का आंदोलन जन-आंदोलन बन सकता है। प्रमुख समाजसेवी फिरोज खान ने कहा कि सरकार द्वारा निःशुल्क पौधों का वितरण किया जाता है, जिसका लाभ उठाते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर, खेत, विद्यालय मे पौधारोपण करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन कर रहे वादा फाउंडेशन के संयोजक अंशुमान सिंह ने जल संरक्षण, वन संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान और प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में जल संरक्षण, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को जन-आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। अंत मे कार्यक्रम की अहध्यक्षता कर रहे ग्राम प्रधान मोहम्मद नईम ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों एवं गांव में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाने और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या उपस्थिति जन समुदाय ने पर्यावरण संरक्षण, जल बचाओ, वृक्ष लगाओ तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर श्रीराम यादव,पुत्ती लाल, रामप्रसाद, शर्मावती, रूबी आदि प्रमुख रहे।

विकास मॉडल बनाम मानव अस्तित्व

मानव इतिहास में शायद पहली बार ऐसा समय आया है जब सभ्यता की सबसे बड़ी उपलब्धियाँ ही उसके अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा संकट बनती दिखाई दे रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति, औद्योगिक विस्तार, वैश्विक व्यापार और तेज आर्थिक विकास को आधुनिक युग की सफलता माना गया, लेकिन इसी विकास मॉडल ने पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। वर्ष 2026 का अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक वैश्विक आयोजन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के आत्ममंथन का अवसर है। अब प्रश्न केवल पेड़ बचाने या प्रदूषण कम करने का नहीं रहा; प्रश्न यह है कि क्या वर्तमान विकास मॉडल भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पृथ्वी छोड़ पाएगा।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम, विश्व मौसम संगठन और विभिन्न जलवायु संस्थाओं की रिपोर्टें लगातार यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी तेजी से जलवायु अस्थिरता की ओर बढ़ रही है। वैश्विक तापमान औद्योगिक क्रांति के बाद से लगभग 1.1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है। पहली नजर में यह वृद्धि सामान्य लग सकती है, लेकिन इसके प्रभाव अत्यंत गंभीर हैं। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, समुद्र स्तर बढ़ रहा है, जैव विविधता घट रही है और मौसम की पारंपरिक संरचना टूटती जा रही है। भारत जैसे देश के लिए यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी है। भारत विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है, जहाँ विकास की आवश्यकता भी विशाल है और संसाधनों पर दबाव भी अत्यधिक है। लेकिन समस्या केवल जनसंख्या नहीं है। वास्तविक समस्या वह विकास मॉडल है जो संसाधनों के अनियंत्रित दोहन को प्रगति का पर्याय मानता है।

दिल्ली, लखनऊ, कानपुर और मुंबई जैसे शहरों में वायु प्रदूषण अब मौसमी समस्या नहीं, बल्कि स्थायी सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रदूषित वायु से लाखों लोगों की समयपूर्व मृत्यु होती है। विडंबना यह है कि प्रदूषण से सबसे अधिक प्रभावित वही वर्ग होता है जिसके पास सुरक्षा के साधन सबसे कम हैं। मजदूर, रिक्शा चालक, निर्माण श्रमिक और सड़क किनारे रहने वाले परिवार जहरीली हवा में जीवन बिताने को मजबूर हैं, जबकि संपन्न वर्ग एयर प्यूरीफायर और बंद परिसरों में स्वयं को सुरक्षित कर लेता है। इस दृष्टि से पर्यावरणीय संकट सामाजिक असमानता का भी प्रश्न है।

भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में संकट का स्वरूप और अधिक गंभीर है। बुंदेलखंड, मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों में लगातार जल संकट ने कृषि अर्थव्यवस्था को कमजोर किया है। अनियमित मानसून और भूजल के अत्यधिक दोहन ने किसानों की निर्भरता बढ़ा दी है। हरित क्रांति ने उत्पादन बढ़ाया, लेकिन रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग ने मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित किया। लंबे समय तक कृषि नीति केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित रही, जबकि मिट्टी, जल और जैव विविधता की स्थिरता पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। वास्तविकता यह है कि आधुनिक अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा 'अधिक उत्पादन और अधिक उपभोग' के सिद्धांत पर आधारित है। वैश्विक बाजार व्यवस्था लगातार नई आवश्यकताएँ पैदा करती है। मोबाइल फोन से लेकर कपड़ों और वाहनों तक, उपभोग को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है। परिणामस्वरूप इलेक्ट्रॉनिक कचरा, प्लास्टिक प्रदूषण और ऊर्जा खपत अभूतपूर्व स्तर तक पहुँच गई है। विडंबना यह है कि टिकाऊ विकास की बात करने वाले समाज स्वयं अत्यधिक उपभोक्तावादी जीवनशैली अपनाए हुए हैं। आज पर्यावरणीय विमर्श की सबसे बड़ी समस्या यह है कि इसे अक्सर भावनात्मक अभियान बनाकर प्रस्तुत किया जाता है, जबकि यह मूलतः आर्थिक और राजनीतिक संरचना का विषय है। जब कोई उद्योग जंगल काटता है, नदी प्रदूषित करता है या खनन के नाम पर स्थानीय समुदायों को विस्थापित करता है, तब वह केवल पर्यावरणीय नुकसान नहीं करता; वह सामाजिक असंतुलन और आर्थिक असुरक्षा भी पैदा करता है।

हिमालयी क्षेत्रों में अनियोजित निर्माण इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में लगातार बढ़ते भूस्खलन, बाढ़ और भू-क्षरण केवल प्राकृतिक घटनाएँ नहीं हैं। सड़कों, सुरंगों, होटल निर्माण और अवैज्ञानिक पर्यटन मॉडल ने पर्वतीय पारिस्थितिकी को अस्थिर बना दिया है। लेकिन विकास की बहस में इन प्रश्नों को अक्सर 'प्रगति विरोधी सोच' कहकर खारिज कर दिया जाता है। एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि पर्यावरणीय संकट का प्रभाव वैश्विक राजनीति को भी प्रभावित कर रहा है। जल संकट, खाद्य असुरक्षा और जलवायु आधारित विस्थापन आने वाले दशकों में अंतरराष्ट्रीय संघर्षों को बढ़ा सकते हैं। अफ्रीका और एशिया के अनेक क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन पहले ही आर्थिक अस्थिरता और पलायन को प्रभावित कर रहा है। भविष्य में यह समस्या राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ सकती है।

भारत में पर्यावरण नीति की सबसे बड़ी कमजोरी क्रियान्वयन की कमी है। पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्टें अक्सर औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाती हैं। नगरों में कचरा प्रबंधन योजनाएँ घोषित तो होती हैं, लेकिन अधिकांश शहरों में वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन अब भी अधूरा है। नदियों की सफाई के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं, फिर भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना रहता है। इसका कारण केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नीति दृष्टि का अभाव है।

पर्यावरणीय संकट को केवल सरकारों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। समाज की जीवनशैली में परिवर्तन भी उतना ही आवश्यक है। सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, ऊर्जा बचत, जल संरक्षण और सीमित उपभोग जैसी आदतों को सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को केवल परीक्षा विषय की तरह नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन कौशल की तरह पढ़ाया जाना चाहिए। इसके साथ ही स्थानीय समुदायों और पारंपरिक ज्ञान को भी महत्व देना आवश्यक है। राजस्थान के पारंपरिक जल संरक्षण मॉडल, पूर्वोत्तर के सामुदायिक वन प्रबंधन और ग्रामीण भारत की जैविक कृषि पद्धतियाँ आज भी टिकाऊ विकास के उपयोगी उदाहरण हैं। आधुनिक नीति निर्माण ने अक्सर इन अनुभवों को नजरअंदाज किया है। तकनीकी समाधान निश्चित रूप से आवश्यक हैं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और हरित अधोसंरचना भविष्य के महत्वपूर्ण विकल्प हो सकते हैं। लेकिन यह समझना होगा कि केवल तकनीक पर्यावरणीय संकट का पूर्ण समाधान नहीं दे सकती। यदि उपभोग और संसाधन दोहन की वर्तमान गति जारी रही, तो हरित तकनीक भी सीमित प्रभाव ही डाल पाएगी।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या मानव समाज विकास की अपनी परिभाषा बदलने के लिए तैयार है? आज विकास को मुख्यतः जीडीपी वृद्धि, निर्माण और उपभोग से मापा जाता है। लेकिन यदि आर्थिक विकास के साथ प्रदूषण, जल संकट, स्वास्थ्य समस्याएँ और सामाजिक असमानता भी बढ़ रही हो, तो उस विकास की स्थिरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारत 'विकसित भारत 2047' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक है, लेकिन यदि विकास का मॉडल प्रकृति विरोधी रहा, तो भविष्य की आर्थिक उपलब्धियाँ भी अस्थिर हो जाएँगी। विकसित राष्ट्र केवल ऊँची इमारतों, एक्सप्रेस-वे और औद्योगिक उत्पादन से नहीं बनते; वे टिकाऊ संसाधन प्रबंधन, स्वच्छ पर्यावरण और सामाजिक संतुलन से बनते हैं।

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस 2026 मानव सभ्यता के लिए स्पष्ट चेतावनी है। अब यह बहस का विषय नहीं कि पर्यावरण संरक्षण आवश्यक है या नहीं। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या सरकारें, उद्योग और समाज अल्पकालिक लाभ से ऊपर उठकर दीर्घकालिक अस्तित्व को प्राथमिकता देने के लिए तैयार हैं। यदि उत्तर नकारात्मक रहा, तो आने वाले वर्षों में जलवायु संकट केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं रहेगा; वह वैश्विक अर्थव्यवस्था, राजनीतिक स्थिरता और मानव सुरक्षा का सबसे बड़ा संकट बन जाएगा। इसलिए अब समय केवल प्रतीकात्मक अभियानों का नहीं, बल्कि कठोर और वैज्ञानिक निर्णयों का है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कोई वैकल्पिक विचार नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन चुका है।

अवनीश कुमार गुप्ता

होटलों में आग के तांडव से कब मिलेगी निजात

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

दिल्ली के मालवीय नगर में होटल में लगी आग ने सभी के दिल को दहला दिया है। इस वीभत्स घटना में 21 लोगों की जान चली गई। सरकार और प्रशासन बस देखते रह गये। इस होटल के पास केवल छह कमरे बनाने की अनुमति थी लेकिन होटल मालिक ने इसमें 33 कमरे बना दिये। आखिर ये किसकी कमी थी। यदि छह कमरों की अनुमति डीडीए ने दी थी तो उन अधिकारियों पर गाज क्यों नहीं गिरी जिनके पास इसे देखने की जिम्मेदारी थी। देश के अधिकांश होटलों में अब भी ऐसा ही है। अनुमति कम की होती है लेकिन कमरे उससे चार गुना ज्यादा बना दिए जाते हैं। घटना घटी है 21 लोगों की जान गई है। कुछ दिन इस पर दुःख प्रकट होगा उसके बाद सब कुछ वैसा ही चलता रहेगा जैसा वर्षों से चलता आया है। कोई इमरजेंसी गेट नहीं को इमरजेंसी सीढ़ी नहीं बस जैसे चल रहा है चलता रहे। हर कुछ महीनों में अखबार की हेडलाइन एक ही बात चीखती हैः 'होटल में आग, कई जिंदा जले'। दिल्ली का करोल बाग, मुंबई का पॉश इलाका, या पहाड़ी कस्बे का सस्ता लॉज- आग नहीं देखती कि होटल 5 स्टार है या बैकपैकर वाला। सवाल वही है ये सिलसिला कब रुकेगा?

अब सवाल यही उठता है कि आग क्यों लग रही है बार-बार- बिल्डिंग कोड का मजाक- ज्यादातर पुराने होटल रिहायशी इमारतों को तोड़-मरोड़कर बनाए गए हैं। संकीर्ण सीढ़ियाँ, एक ही निकास, और तहखाने में रेस्तरां। फायर एनओसी कागजों में तो है, पर हकीकत में स्प्रिंकलर बंद, फायर अलार्म की बैटरी डेड। सस्ती सामग्री, महंगा हादसा- फॉल्स सीलिंग में ज्वलनशील प्लाईवुड, बिजली की वायरिंग ओवरलोड, और किचन में बिना फायर सप्रेशन सिस्टम के गैस सिलेंडर। लागत बचाने के चक्कर में सुरक्षा बिक जाती है। स्टाफ को ट्रेनिंग नहीं दी जाती है, आग लगी तो ज्यादातर कर्मचारी खुद भाग खड़े होते हैं। मेहमानों को निकालने का प्रोटोकॉल, फायर एक्सटिंग्यूशर चलाना, स्मोक अलार्म पहचानना – ये सब किताबों में रह जाता है।

निगरानी का ढीलापन- फायर डिपार्टमेंट इंस्पेक्शन होता है, जुर्माना भरते ही फाइल बंद। होटल मालिक के लिए एनओसी रिन्यू करना साल में एक बार की रस्म है, रोज की जिम्मेदारी नहीं। निजात का रास्ता क्या है इस पर कोई ध्यान नहीं देता। निजात तभी मिलेगी जब 'हो गया' वाली मानसिकता बदले।

रियल-टाइम ऑडिट, कागजी नहीं फायर सेफ्टी को सालाना चेकअप से निकालकर क्वार्टरली, अनाउंस्ड इंस्पेक्शन में लाना होगा। हर होटल में क्यूआर कोड हो जिसपर स्कैन करते ही लाइव फायर एनओसी स्टेटस, आखिरी ड्रिल की डेट, और स्प्रिंकलर की टेस्ट रिपोर्ट दिखे। मेहमान को बुकिंग से पहले ये देखने का हक हो। डिजाइन में सुरक्षा, बाद में नहीं- नए होटलों को मंजूरी तभी मिले जब कम से कम 2 अलग निकास, प्रेशराइज्ड सीढ़ियाँ, और कमरों में स्मोक डिटेक्टर मैंडेटरी हों। पुराने होटलों के लिए 2 साल का ग्रेस पीरियड, उसके बाद लाइसेंस कैंसल। सख्ती बुरी लगती है, पर जिंदा रहने से बुरी नहीं। स्टाफ और मेहमान दोनों को जिम्मेदार बनाओ नहीं तो ये हादसे नहीं रुकने वाले। हर होटल स्टाफ को हर 6 महीने में फायर मॉक ड्रिल करनी होगी, जिसका वीडियो अपलोड करना होगा। चेक-इन पर मेहमान को 30 सेकंड का वीडियो दिखाया जाएः 'आपका निकास यहाँ है, अलार्म ये है'। छोटा लगता है, पर घबराहट में यही 30 सेकंड जान बचा सकते हैं। आग लगने के बाद मुआवजा, जांच कमेटी, और 15 दिन की हेडलाइन – ये रूटीन बन गया है। निजात तब मिलेगी जब हम हादसे के बाद नहीं, हादसे से पहले डरेंगे। जब एक मेहमान कमरे में घुसते ही ये पूछेः 'फायर एक्सिट कहाँ है?' और होटल वाला गर्व से बताए, शरमाए नहीं

दिल्ली, मुंबई, कोलकाता चेन्नई के अलावा देश के तमाम बड़े शहरों में गली कूचों में होटल भरे पड़े हैं। उनका कोई मानक नहीं है। बस कमरे बनाये और होटल चल निकला। ज्यादातर होटलों में खाना बेसमेंट में बनता है और उसमें भी जाने आने का केवल एक ही रास्ता होता है। बाहर निकलने वालें रास्तों में बिजली का जंक्शन होता है। यदि शार्ट सर्किट हुआ तो वहां से निकलना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन हो जाता है और लोग फंस जाते हैं। आखिर सरकारें और प्रशासन कब जागेगा। या यूं ही सिलसिला चलता रहेगा। इतनी घटनाएं होने के बाद भी प्रशासन नहीं जागता है या यूं कहिए कि जानबूझकर ये सब चलने दिया जाता है।

परदेस से आई उम्मीदें, दिल्ली की आग में राख हो गईं

[एक और अग्निकांड, एक और जांच, एक और भूला हुआ सबक]

[बचाई जा सकती थीं ये जिंदगियाँ, अगर नियम सिर्फ कागजों पर न होते]

कुछ त्रासदियाँ सिर्फ जानें नहीं लेतीं, वे इंसानियत की चेतना को भी झकझोर देती हैं। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे बी एंड बी (लैमन ग्रीन रेस्टोरेंट) में 3 जून 2026 की सुबह लगी आग ऐसी ही एक त्रासदी बन गई। कुछ ही घंटों में 21 लोगों की जिंदगी बुझ गई, जिनमें 17 विदेशी नागरिक शामिल थे। नाइजीरिया, मोजाम्बिक, बांग्लादेश और लाइबेरिया से आए मेडिकल टूरिस्ट और उनके परिजन यहां ठहरे थे। आग बेसमेंट के रेस्टोरेंट से शुरू हुई और देखते ही देखते पूरी इमारत में फैल गई। केवल एक निकास मार्ग और संभावित ऑक्सीजन सिलेंडरों के विस्फोट ने हालात को और भयावह बना दिया। लोग बचने के लिए खिड़कियों की ओर भागे, लेकिन कई के लिए कोई रास्ता नहीं बचा। यह हादसा केवल आग की घटना नहीं, बल्कि लापरवाही, अव्यवस्था और सुरक्षा नियमों की अनदेखी की दर्दनाक कीमत है।

इस त्रासदी की जड़ आग नहीं, बल्कि वर्षों से जमा होती आ रही लापरवाही और नियमों की खुली अनदेखी थी। होटल को केवल 6 कमरों की अनुमति मिली थी, लेकिन वह 25 कमरों के साथ अवैध रूप से संचालित हो रहा था। न फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र था, न आपातकालीन निकास की व्यवस्था। पूरे पांच मंजिला भवन की सुरक्षा एक संकरे रास्ते के भरोसे छोड़ दी गई थी। मेडिकल टूरिज्म की आड़ में विदेशी मरीजों और उनके परिजनों को ठहराया तो गया, लेकिन उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाई नहीं गई। आग भड़कने के बाद बचावकर्मियों को घने धुएँ, भीषण गर्मी और सिलेंडर विस्फोटों के बीच राहत अभियान चलाना पड़ा, जिसमें 10 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। यह घटना केवल एक होटल की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है जहाँ सुरक्षा नियम अक्सर कागजों में दर्ज रहते हैं, जमीनी हकीकत में नहीं। हादसे बदलते हैं, लेकिन व्यवस्था की प्रतिक्रिया नहीं। हर बड़ी आग के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट तैयार होती है, कुछ गिरफ्तारियाँ होती हैं और फिर मामला धीरे-धीरे फाइलों में दफन हो जाता है। उपहार सिनेमा अग्निकांड, करोल बाग, अनाज मंडी, मुंडका और अब मालवीय नगर– हर त्रासदी एक जैसी चेतावनी देती है, फिर भी नतीजे वही रहते हैं। राष्ट्रीय भवन निर्माण संहिता (एनबीसी) और फायर सेफ्टी नियमों की चर्चा तो होती है, लेकिन उनका पालन शायद ही दिखता है। होटल मुख्य मालिक लवकेश बजाज (टिंकू) फरार हैं, पुलिस गैर-इरादतन हत्या की धाराओं में जांच कर रही है, मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं और प्रधानमंत्री ने मुआवजे की घोषणा की है। मगर सबसे बड़ा सवाल वही है–क्या इससे व्यवस्था बदलेगी? पिछले अनुभव बताते हैं कि अधिकांश मामलों में जवाब 'नहीं' ही रहा है।

इलाज की तलाश में भारत आने वाले कई विदेशी नागरिक शायद यह नहीं जानते कि अस्पताल तक का सफर सुरक्षित हो सकता है, लेकिन ठहरने की जगह नहीं। मालवीय नगर की त्रासदी ने मेडिकल टूरिज्म के उस कमजोर और अनदेखे पक्ष को उजागर किया है, जहाँ सुरक्षा अक्सर मुनाफे के पीछे छूट जाती है। अवैध बीएंडबी, बिना फायर ऑडिट वाले होटल और सुरक्षा मानकों की अनदेखी मरीजों व उनके परिजनों को लगातार जोखिम में डाल रही है। विदेशी नागरिकों की मौत भारत की वैश्विक छवि पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है, लेकिन इससे बड़ा सवाल उन भारतीय परिवारों की सुरक्षा का है, जो रोज ऐसे भवनों में ठहरते हैं। क्या इस बार भी जवाब मुआवजे और संवेदनाओं तक सीमित रहेगा, या व्यवस्था वास्तव में कोई सबक सीखेगी? इस संकट की असली वजह संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि नियमों के पालन का अभाव है। दिल्ली समेत कई राज्यों के पुराने भवन आज भी फायर स्प्रिंकलर, अलार्म सिस्टम और वैकल्पिक निकास जैसी बुनियादी सुरक्षा सुविधाओं से वंचित हैं। निरीक्षण व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण लाइसेंस मिल जाते हैं, भवनों में अवैध विस्तार होता रहता है और इसकी कीमत आम लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है। हर वर्ष हजारों अग्निकांड होने के बावजूद होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में सुरक्षा नियमों का कठोर पालन सुनिश्चित करने की गंभीर इच्छा नहीं दिखती। बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन ने जोखिम को और बढ़ा दिया है, लेकिन तैयारी और जवाबदेही अब भी बेहद कमजोर है। यदि हर हादसे के बाद सिर्फ शोक, मुआवजा और आश्वासन ही मिलते रहें, तो अगली त्रासदी केवल समय का इंतजार बन जाती है। जरूरत तात्कालिक प्रतिक्रियाओं की नहीं, ऐसी व्यवस्था की है जो जोखिम को पहले ही रोक दे। सभी बड़े शहरों में नियमित फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य हों, अवैध निर्माणों पर तत्काल कार्रवाई हो और फायर एनओसी के बिना किसी भवन को संचालन की अनुमति न मिले। नियमों की अनदेखी करने वाले मालिकों के साथ जिम्मेदार अधिकारियों की भी जवाबदेही तय हो। स्कूलों, कॉलेजों और होटलों में नियमित फायर ड्रिल व सुरक्षा प्रशिक्षण अनिवार्य हों, साथ ही जन-जागरूकता अभियान लगातार चलाए जाएँ। मालवीय नगर हादसे के बाद शुरू हुई जांचें स्वागतयोग्य हैं, लेकिन उनका महत्व तभी है जब वे सुर्खियों से निकलकर स्थायी सुधारों में बदलें। पीछे छूट गया धुआँ भले ही समय के साथ छंट जाए, लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी कई सवाल अनुत्तरित छोड़ गई है। यह केवल 21 जिंदगियों के बुझ जाने की कहानी नहीं, बल्कि उन खतरनाक खामियों का आईना है जिन्हें वर्षों से नजरअंदाज किया जाता रहा है। जब तक नियमों की अनदेखी, अवैध निर्माण और प्रशासनिक लापरवाही पर कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक ऐसी आगें केवल इमारतों को नहीं, परिवारों के सपनों और भविष्य को भी निगलती रहेंगी। अब समय संवेदनाओं और आश्वासनों से आगे बढ़ने का है। सरकार, प्रशासन और समाज– सभी को मिलकर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बनानी होगी। क्योंकि किसी भी त्रासदी के बाद सबसे कठिन काम मलबा हटाना नहीं, बल्कि उन जिंदगियों की कमी को भरना होता है जो कभी लौटकर नहीं आतीं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

शिक्षा का बाजारीकरण और छात्रों का भविष्य

भारत में शिक्षा अब केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं रह गई है। यह धीरे धीरे एक विशाल व्यापार में बदल चुकी है। इस व्यापार का सबसे चमकदार और सबसे खतरनाक चेहरा निजी प्रतियोगी शिक्षण उद्योग है। शहरों की दीवारों से लेकर चलभाष पटल तक हर जगह सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की मुस्कान, चयनित विद्यार्थियों की तस्वीरें और सफलता के बड़े बड़े दावे दिखाई देते हैं। ऐसा माहौल बना दिया गया है कि बिना इन संस्थानों के सफलता असंभव लगने लगती है। लाखों परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ऊपर उठकर बच्चों को इन केंद्रों में भेज रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यही उनके भविष्य का एकमात्र रास्ता है। सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार आज भारत में लगभग 27 से 33 प्रतिशत छात्र किसी न किसी प्रकार की निजी शिक्षा ले रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में यह संख्या और अधिक है। दिल्ली जैसे शहरों में लगभग 39 प्रतिशत छात्र इन संस्थानों से जुड़े हुए पाए गए हैं। यह आंकड़ा केवल शिक्षा की स्थिति नहीं बताता बल्कि उस मानसिक दबाव को भी दिखाता है जिसमें समाज जी रहा है। विद्यालयों और महाविद्यालयों पर भरोसा कम हुआ है और इन व्यापारिक केंद्रों को सफलता का संक्षिप्त मार्ग मान लिया गया है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस उद्योग का बड़ा हिस्सा शिक्षा से ज्यादा विपणन पर टिका हुआ है। आज आभासी माध्यमों से छात्रों को जोड़ने का काम बड़े स्तर पर किया जा रहा है। एक प्रतिवेदन के अनुसार लगभग 62 प्रतिशत प्रवेश अब अंतर्जाल आधारित प्रचार के माध्यम से हो रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि शिक्षा अब विज्ञापन और पहचान निर्माण के उसी प्रतिरूप पर चल रही है जिस पर कोई बड़ा व्यावसायिक प्रतिष्ठान चलता है। फर्क केवल इतना है कि यहां उत्पाद कोई वस्तु नहीं बल्कि छात्रों का भविष्य है। इन संस्थानों की सबसे बड़ी चाल उनका चयन प्रदर्शन होता है। हजारों और लाखों छात्रों की भीड़ में यदि 5 या 10 छात्रों का चयन हो जाए तो वही चेहरे हर विज्ञापन पट्ट पर दिखाई देने लगते हैं। ऐसा माहौल तैयार किया जाता है कि हर छात्र को लगे कि अगला चेहरा उसी का होगा। लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि बाकी हजारों छात्रों का क्या हुआ। वे छात्र जो वर्षों तक शुल्क भरते रहे, जो किराये के कमरों में रहकर तैयारी करते रहे, जिनके परिवार कर्ज में डूब गए, उनका संघर्ष किसी विज्ञापन में जगह नहीं पाता। यहां सबसे बड़ा खेल संख्या का है। कुछ संस्थान कम शुल्क रखकर गरीब और मध्यमवर्गीय छात्रों की भारी भीड़ जुटाते हैं। 1000 या 2000 रुपये का शुल्क सुनकर छात्रों को लगता है कि उन्हें बहुत बड़ा अवसर मिल रहा है। लेकिन जब ऐसे लाखों छात्र जुड़ते हैं तो वही छोटी रकम करोड़ों का कारोबार बना देती है। कम शुल्क का मतलब सेवा भावना नहीं होता। कई बार यह भीड़ इकट्ठा करने की रणनीति होती है। जितनी बड़ी भीड़, उतना बड़ा मुनाफा और उतनी ही बड़ी सफलता की कहानी। विडंबना यह है कि छात्र मेहनत अपनी करते हैं लेकिन श्रेय पूरा संस्थान ले जाता है। यदि कोई छात्र सफल हो जाए तो संस्था कहती है कि यह उसकी शिक्षा का परिणाम है। लेकिन यदि लाखों छात्र असफल हो जाएं तो उसकी जिम्मेदारी कोई नहीं लेता। असफल छात्र को कहा जाता है कि उसने पर्याप्त मेहनत नहीं की। इस तरह सफलता संस्थान की और असफलता छात्र की बना दी जाती है। आज इस उद्योग ने छात्रों की मानसिकता भी बदल दी है। पहले शिक्षा का उद्देश्य समझ विकसित करना होता था। अब शिक्षा केवल परीक्षा पास करने तक सीमित। **महेन्द्र तिवारी**

दैनिक राशिफल

मेष आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः लाल 7 **शुभ अंकः** 9

वृषभ धैर्य और समझदारी से काम लें। खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।
शुभ रंगः सफेद 7 **शुभ अंकः** 6

मिथुन करियर में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं। मित्रों से लाभ होगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। यात्रा का योग बन सकता है।
शुभ रंगः हरा 7 **शुभ अंकः** 5

कर्क कार्यस्थल पर मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें।
शुभ रंगः सिल्वर 7 **शुभ अंकः** 2

सिंह भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। व्यापार में लाभ के संकेत हैं।
शुभ रंगः सुनहरा 7 **शुभ अंकः** 1

कन्या अनावश्यक विवादों से बचें। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। नौकरी और व्यवसाय में स्थिरता बनी रहेगी।
शुभ रंगः हरा 7 **शुभ अंकः** 7

तुला दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। साझेदारी के कार्यों में सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।
शुभ रंगः गुलाबी 7 **शुभ अंकः** 6

वृश्चिक कामकाज में व्यस्तता बढ़ेगी। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं।
शुभ रंगः मरून 7 **शुभ अंकः** 9

धनु विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए दिन अच्छा है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 3

मकर घर-परिवार से जुड़ी खुशखबरी मिल सकती है। संपत्ति संबंधी मामलों में सफलता मिलने के योग हैं।
शुभ रंगः नीला 7 **शुभ अंकः** 8

कुंभ संचार और संपर्क से लाभ मिलेगा। छोटी यात्राएं लाभदायक हो सकती हैं। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।
शुभ रंगः आसमानी 7 **शुभ अंकः** 4

मीन आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।
शुभ रंगः पीला 7 **शुभ अंकः** 3

धरती का दर्द आँकड़ों में नहीं, महिलाओं की ज़िंदगी में दिखता है

स्त्री और प्रकृति : मौन संघर्ष की दो जीवित आवाज़ें

स्त्री की दृष्टि से देखिए, पर्यावरण का असली संकट समझ आएगा

जब धरती बीमार पड़ती है, उसकी पहली आह एक स्त्री सुनती है। उसे पर्यावरण संकट समझने के लिए वैज्ञानिक आँकड़ों की ज़रूरत नहीं, क्योंकि वह इसे रोज़ महसूस करती है– घटती हरियाली, बदलते मौसम, धुएँ भरी हवा और बढ़ती गर्मी में। एक बच्चे ने माँ से पूछा, 'माँ, अब गर्मी इतनी ज़्यादा क्यों लगती है?' माँ शब्दों में भले न समझा सकी, लेकिन वह बदलती प्रकृति का सच जानती थी। 05 जून को दुनिया विश्व पर्यावरण दिवस मनाती है, पर एक महिला के लिए पर्यावरण रोज़ का संघर्ष है। वह इसे महँगी रसोई, घटते पानी और बच्चों की बिगड़ती सेहत में जीती है। शायद इसलिए पर्यावरण संकट की सबसे गहरी चोट स्त्री पर दिखाई देती है, क्योंकि प्रकृति और स्त्री–दोनों जीवन देती हैं, सँभालती हैं और बचाने की कोशिश करती हैं। जिस प्रकृति ने सदियों से मानव जीवन को सँभाला, आज वही इंसानी लालच से घायल है। 'प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए।' – विश्व पर्यावरण दिवस 2026 का यह विषय आने वाले संकट की चेतावनी है। प्रकृति हमेशा संतुलन सिखाती रही है–पेड़, नदियाँ और धरती निस्वार्थ जीवन देती हैं। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में इंसान ने प्रकृति को केवल संसाधन समझा। नतीजा सामने है–उजड़ते जंगल, प्रदूषित नदियाँ, ज़हरीली हवा और बढ़ती गर्मी। इसकी सबसे गहरी मार उन पर पड़ रही है, जिन्होंने यह संकट पैदा नहीं किया–खासतौर पर महिलाओं पर। तपती धूप में दूर से पानी लाती एक स्त्री केवल घर नहीं सँभालती, बल्कि बिगड़ते पर्यावरण का भार भी उठाती है।

गाँव की महिलाएँ भले ही 'पर्यावरण विशेषज्ञ' न कहलाएँ, लेकिन प्रकृति की भाषा सबसे गहराई से वही समझती हैं। मिट्टी की गंध से वह बारिश पहचान लेती है और पेड़ों की हालत देखकर मौसम का बदलता स्वभाव समझ जाती है। उसके लिए जंगल सिर्फ लकड़ी नहीं, जीवन का आधार हैं। रिपोर्टें कहती हैं कि जलवायु परिवर्तन की सबसे गहरी मार महिलाओं और बच्चों पर पड़ती है, लेकिन इसका सबसे सच्चा प्रमाण वे चेहरे हैं, जो सूखे कुओं और बंजर खेतों के बीच भी परिवार की उम्मीद बचाए रखते हैं। शहरों में भी महिलाएँ प्रदूषण, बढ़ती गर्मी, प्लास्टिक से घिरा जीवन और मानसिक तनाव से जूझ रही हैं। धुएँ भरी हवा में बच्चे को बाहर भेजती एक माँ का डर किसी आँकड़े से कहीं अधिक वास्तविक होता है।

इतिहास गवाह है कि जब-जब प्रकृति पर संकट आया, सबसे पहले महिलाओं ने ही उसके पक्ष में आवाज़ उठाई। चिपको आंदोलन इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ उत्तराखंड की ग्रामीण महिलाएँ पेड़ों से इस तरह लिपट गईं, मानो अपने बच्चों की रक्षा कर रही हों। उनके लिए जंगल केवल लकड़ी नहीं, बल्कि पानी, हवा और जीवन का आधार थे। इसी सोच को वंगारी मथाई ने लाखों पेड़ लगाकर नई शक्ति दी। आज भी भारत के कई गाँवों में महिलाएँ बीज संरक्षण, वर्षा जल संचयन और जैविक खेती के जरिए चुपचाप धरती को बचाने में जुटी हैं। विडंबना यह है कि जिन्हें समाज अक्सर 'कमज़ोर' कहता है, वही पर्यावरण की सबसे मज़बूत प्रहरी बनकर उभरती हैं।

आज संकट केवल प्रकृति के उजड़ने का नहीं, इंसानी संवेदनाओं के मरने का भी है। कभी बच्चे मिट्टी में खेलते थे, आज स्क्रीन पर प्रकृति खोजते हैं। जो आँगन कभी पेड़ों की छाँव से जीवित थे, अब सीमेंट में कैद हैं और जो बारिश कभी सुकून थी, वही अब डर बन चुकी है। आधुनिकता ने सुविधाएँ दीं, लेकिन मनुष्य को प्रकृति से दूर कर दिया। विडंबना यह है कि हम एयर कंडीशनर में बैठकर ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता करते हैं, जबकि वही सुविधाएँ धरती का ताप बढ़ा रही हैं। इस सच को महिलाएँ सबसे गहराई से समझती हैं, क्योंकि उनका जीवन पानी, हवा और घर की ज़रूरतों से जुड़ा है। वे जानती हैं कि जिस दिन साँस और पानी भी बिकने लगेंगे, सबसे पहले गरीबों का जीवन संकट में पड़ेगा। इसलिए पर्यावरण संरक्षण केवल हरियाली का नहीं, मानव अस्तित्व और सामाजिक न्याय का प्रश्न भी है।

धरती को बचाने की लड़ाई बड़े भाषणों से नहीं, घर की छोटी आदतों से जीती जाएगी। और इसकी सबसे मजबूत शुरुआत एक स्त्री कर सकती है। एक माँ यदि बच्चे को पानी बचाना, भोजन की कद्र करना, पौधों से प्रेम करना और प्लास्टिक से दूरी रखना सिखा दे, तो वह केवल आदतें नहीं, आने वाली पीढ़ियों की सोच बदल देती है। यही 'प्रकृति से प्रेरित' जीवनशैली है, जिसकी ओर विश्व पर्यावरण दिवस 2026 दुनिया को लौटाना चाहता है। विकास केवल ऊँची इमारतों और चौड़ी सड़कों का नाम नहीं। सच्चा विकास वही है, जहाँ नदियाँ स्वच्छ हों, हवा साँस लेने लायक हो और बच्चे प्रकृति के बीच खुलकर साँस ले सकें। क्योंकि जो विकास प्रकृति को मिटाकर खड़ा होगा, वह अंततः मानवता को भी मिटा देगा।

आज मानवता एक गहरे विरोधाभास में खड़ी है। इंसान मंगल पर जीवन खोज रहा है, जबकि पृथ्वी पर जीवन बचाना कठिन होता जा रहा है। यह बताता है कि हमने प्रगति तो की, लेकिन संतुलन खो दिया। प्रकृति सिखाती है कि संतुलन टूटे, तो विनाश तय है। इस सच को स्त्रियाँ सबसे सहज समझती हैं, क्योंकि उनका जीवन रिश्तों, जिम्मेदारियों और संवेदनाओं का संतुलन सँभालते बीतता है। वे जानती हैं कि जीवन केवल संसाधनों से नहीं, सहअस्तित्व और संवेदनाओं से चलता है। इसलिए यदि दुनिया को भविष्य बचाना है, तो उसे पर्यावरण को महिलाओं की दृष्टि से देखना सीखना होगा। क्योंकि स्त्री प्रकृति को संसाधन नहीं, जीवन का साथी मानती है।

भविष्य की सबसे बड़ी विरासत धन या तकनीक नहीं, बल्कि बची हुई धरती होगी। 05 जून केवल पर्यावरण दिवस नहीं, मानवता के सामने खड़ा एक कठोर प्रश्न है–क्या हम सचमुच भविष्य बचा रहे हैं? यदि जवाब 'हाँ' चाहिए, तो हमें अपनी सोच, आदतें और विकास की दिशा बदलनी होगी। जिस दिन समाज स्त्री और प्रकृति–दोनों का सम्मान करना सीख जाएगा, उसी दिन सच्चा विकास संभव होगा। क्योंकि धरती और स्त्री में एक गहरी समानता है–दोनों निस्वार्थ जीवन देती हैं, दोनों सबसे अधिक सहती हैं, और जब दोनों घायल होती हैं, तब मानवता का भविष्य भी डगमगा उठता है। इसलिए इस विश्व पर्यावरण दिवस पर केवल संकल्प नहीं, बदलाव को जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

कृति आरके जैन

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों पर आयुक्त की नजर, चकरौत में किया निरीक्षण

गोंडा। मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने मुख्यमंत्री जी के गोण्डा की कर्नलगंज तहसील के चकरौत में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत आईजी अमित पाठक एवं डीएम प्रियंका निरंजन के साथ पहुंचकर वहां की जा रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए निर्धारित समय सीमा में व्यवस्थाएं पूर्ण करें।इसके उपरांत मंडलायुक्त ने पंचायत भवन पैरौरी तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कर्नलगंज का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएम की लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कई अहम निर्देश जारी किए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कर-करेत्तर, राजस्व वसूली, चकबंदी, आबकारी, आईजीआरएस एवं अन्य विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में डीएम ने शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष जोर दिया। आईजीआरएस प्रकरणों में संतोषजनक निस्तारण न मिलने पर अधिशासी अभियंता विद्युत एवं जिला खनन अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए जबकि गौरीबाजार नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस रैंकिंग प्रभावित होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीएम ने लंबित आरसी प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण और शत-प्रतिशत वसूली के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले माह भी किसी नगर निकाय की वसूली 70 प्रतिशत से कम रही तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पुराने राजस्व वादों के समयबद्ध निस्तारण, सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटाने और चकबंदी मामलों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

हत्या के प्रयास के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

देवरिया, 4 जून। जनपद की कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सोनूघाट के पास से सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। कोतवाली थाना पर दर्ज मुकदमा संख्या 362/2026 में धारा 191(2), 109(1), 115(2), 352 एवं 351(2) बीएनएस के तहत नामजद अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। गिरफ्तार अभियुक्तों में मोहन प्रजापति निवासी परसिया भंडारी, सोनू रंगवा निवासी चकसराय बदल दास सोनूघाट, चम्पा देवी निवासी परसिया भंडारी तथा सलेहरा देवी निवासी परसिया भंडारी शामिल हैं।

गोरखपुर: फोटो वायरल करने की धमकी से सहमा परिवार, युवती से अभद्रता के आरोप में तीन पर मुकदमा

● एक साल से परेशान करने का आरोप, पिता की तहरीर पर हरपुर-बुदहट पुलिस ने दर्ज किया केस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरपुर बुदहट/गोरखपुर जिले के हरपुर-बुदहट थाना क्षेत्र के तुर्कवलिया गांव में एक युवती को सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने की धमकी देने, अभद्र टिप्पणियां करने और परिवार को जान-माल की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद परिवार में भय और आक्रोश का माहौल है। पुलिस को दी गई तहरीर में युवती के पिता ने आरोप लगाया है कि गांव निवासी शिवम शर्मा पिछले लगभग एक वर्ष से उनकी बेटी को लगातार परेशान कर रहा था। आरोप है कि उसने किसी तरह युवती का फोटो प्राप्त कर लिया और उसे इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी देने लगा। इतना ही नहीं, युवती के घर से बाहर निकलने या कहीं आने-जाने पर वह अशोभनीय टिप्पणियां करता था तथा फोन के माध्यम से भी परेशान करता रहा।

परिजनों के अनुसार, युवती लंबे समय तक इस उत्पीड़न को सहती रही, लेकिन जब स्थिति असहनीय हो गई तो उसने पूरी बात अपने परिवार को बताई। इसके बाद परिवार ने मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने और आरोपी पक्ष को समझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि बीती 30 मई 2026 की रात करीब साढ़े नौ बजे शिवम शर्मा, उसका भाई निगम शर्मा तथा एक अज्ञात व्यक्ति पीड़ित परिवार के पास पहुंचे। वहां तीनों ने कथित रूप से गाली-गलौज की और विरोध करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। आरोपियों ने युवती का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की चेतावनी भी दी, जिससे परिवार की चिंता और बढ़ गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हरपुर-बुदहट पुलिस ने शिकायत के आधार पर शिवम शर्मा, निगम शर्मा (दोनों पुत्र संजय शर्मा, निवासी तुर्कवलिया) तथा एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 352, 351(3) तथा आईटी एक्ट की संबंधित धारा 67 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार पाठक ने बताया कि पीड़िता के पिता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। सभी आरोपों की गहनता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

टीजीटी परीक्षा केंद्रों का सीआरओ और एडीएम ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

देवरिया। प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) भर्ती परीक्षा के दौरान गुरुवार को मुख्य राजस्व अधिकारी वी.के. सिंह और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) रामशंकर ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। टीजीटी की लिखित परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक संपन्न हुई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने एसएसबीएल इंटर कॉलेज, गोरखपुर रोड तथा अशोक इंटर कॉलेज, डुमरी, रामपुर कारखाना का जायजा लिया। दोनों परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेट मौजूद मिले। अधिकारियों ने परीक्षा कक्षों, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संचालित होती पाई गई।

मुख्यमंत्री से मिले राजेन्द्र सेठ, खजनी की बदहाल सड़कों, जाम और सुरक्षा व्यवस्था का उठाया मुद्दा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी क्षेत्र की वर्षों पुरानी जनसमस्याओं को लेकर पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र सेठ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान उन्होंने खजनी क्षेत्र में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं, यातायात अव्यवस्था, सुरक्षा और शिक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग की। राजेन्द्र सेठ ने मुख्यमंत्री को दिए गए पत्र में बताया कि छताई पुल पर सुरक्षा व्यवस्था की कमी के कारण मूर्ति विसर्जन और घने कोहरे के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। उन्होंने पुल के दोनों ओर मजबूत जाली लगाने तथा वहां पुलिस प्रशासन की नियमित तैनाती सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि रात्रि में व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

मुलाकात के दौरान हिंदूवादी नेता हृदय नारायण पांडेय व बिमल गुप्ता ने भी खजनी मार्ग की गंभीर समस्या मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि खानीपुर टोल प्लाजा से बचने के लिए भारी ट्रक और डंपर बड़ी संख्या में खजनी मार्ग का उपयोग करते हैं, जिससे घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है। भारी वाहनों के दबाव के कारण आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार जिला प्रशासन को पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसके अलावा खजनी बाजार स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय को आधुनिक मॉडल विद्यालय में परिवर्तित करने की मांग भी उठाई गई, ताकि क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध हो सके। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से जनहित में सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि इस पहल से खजनी के विकास और जनसुविधाओं को नई गति मिलेगी।

गोरखपुर में सनसनी: मिट्टी में दबा मिला युवक का शव, बाहर निकली टांग देख मचा हड़कंप

● गुलरिहा थाना क्षेत्र के भटहट-दलाल चौराहे के पास निर्माण कार्य स्थल पर दर्दनाक हादसा, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। जनपद के गुलरिहा थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब भटहट-दलाल चौराहे के समीप निर्माणाधीन स्थल पर मिट्टी में दबे एक युवक का शव बरामद हुआ। शव की एक टांग मिट्टी से बाहर दिखाई देने पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान तरकुलहा क्षेत्र निवासी मिंटू पुत्र जनार्दन के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस स्थान पर घटना हुई वहां डिवाइडर निर्माण का कार्य चल रहा था और मिट्टी का पटान किया जा रहा था। आशंका जताई जा रही है कि युवक रात में उसी स्थान पर सो गया था। इसी दौरान निर्माण कार्य के लिए डाली गई मिट्टी के नीचे वह दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

स्थानीय लोगों के मुताबिक सुबह जब मजदूर और मशीन चालक मिट्टी को समतल करने का कार्य कर रहे थे, तभी मिट्टी के ढेर से एक व्यक्ति की टांग बाहर दिखाई दी। यह देखकर सभी के होश उड़ गए। तत्काल कार्य रोककर पुलिस को सूचना दी गई। कुछ ही देर में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सावधानीपूर्वक मिट्टी हटवाकर शव को बाहर निकलवाया। घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। मृतक के परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष गुलरिहा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रथम दृष्टया मामला मिट्टी में दबने से हुई मौत का प्रतीत हो रहा है, हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। इस दर्दनाक घटना ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

जनता दर्शन में पहुंचे जरूरतमंदों के बने राशन कार्ड, डीएम को दिया धन्यवाद

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी के समक्ष गुरुवार को आयोजित जनता दर्शन में राशन कार्ड न बनने की समस्या लेकर पहुंचे दो जरूरतमंदों की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने दोनों के राशन कार्ड बनवा दिए। राशन कार्ड मिलने पर लाभार्थियों ने खुशी जताते हुए जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। बैतालपुर विकासखंड की निवासी विमला देवी ने जनता दर्शन में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह आर्थिक रूप से कमजोर हैं और राशन कार्ड न होने के कारण सरकारी खाद्यान्न योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। वहीं गरुलपार की निवासी सविता वर्मा ने बताया कि उनके पति अस्वस्थ हैं तथा परिवार की आर्थिक स्थिति भी कमजोर है, लेकिन राशन कार्ड न होने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिलाधिकारी ने दोनों मामलों को गंभीरता से लेते हुए जिला पूर्ति अधिकारी को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पात्रता के आधार पर दोनों लाभार्थियों के राशन कार्ड बनवाए गए। राशन कार्ड बनने के बाद दोनों महिलाओं ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए जिलाधिकारी को धन्यवाद दिया।

गोला: मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर हेरफेर का आरोप, 115 लोगों के नाम काटे जाने पर मचा बवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

● ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने एसडीएम से की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला गोरखपुर। गोला तहसील क्षेत्र के विकास खंड गगहा अंतर्गत ग्राम पंचायत बैकुंठपुर में मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुनील कुमार यादव ने मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी गोला को शिकायती पत्र सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार ग्राम पंचायत बैकुंठपुर में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान पहले 51 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए थे, लेकिन बाद में यह संख्या बढ़कर 115 तक पहुंच गई। आरोप है कि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उनमें अधिकांश ग्रामीण वर्षों से गांव में निवास कर रहे हैं और उनके आधार कार्ड समेत अन्य आवश्यक दस्तावेज भी उपलब्ध हैं। इसके बावजूद उनके नाम मतदाता सूची से गायब कर दिए गए।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सुनील यादव ने आरोप लगाया है कि संबंधित बीएलओ सुशीला देवी तथा गांव के ही एक व्यक्ति की मिलीभगत से मतदाता सूची में हेरफेर किया गया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शिकायत पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि ऑनलाइन आईडी और पासवर्ड का दुरुपयोग कर मतदाताओं के नाम हटाए गए तथा फीडिंग प्रक्रिया में भी गंभीर अनियमितताएं बरती गईं। सुनील यादव ने मांग की है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए, पात्र मतदाताओं के नाम पुनः मतदाता सूची में शामिल किए जाएं और दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

एसडीएम कार्यालय पहुंचे प्रतिनिधिमंडल

के साथ भाजपा नेता संतोष राय भी मौजूद रहे। उन्होंने भी मामले को गंभीर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया से किसी भी पात्र मतदाता को वंचित नहीं किया जाना चाहिए। इस संबंध में उपजिलाधिकारी गोला अमित कुमार जायसवाल ने कहा कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले में लगाए गए आरोपों की जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी का यह मामला अब प्रशासनिक जांच के दायरे में आ गया है, जिस पर ग्रामीणों की निगाहें टिकी हुई हैं।

गोरखपुर: खजनी तहसील की कार्यप्रणाली पर अधिवक्ताओं का सवाल, जिलाधिकारी से की निष्पक्ष जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। खजनी तहसील की न्यायिक एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर अधिवक्ताओं और तहसील प्रशासन के बीच विवाद गहराता जा रहा है। गुरुवार को खजनी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्य प्रकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी दीपक मीणा से मुलाकात कर तहसीलदार धुवेश कुमार सिंह की कार्यशैली और न्यायालय संचालन से जुड़े विभिन्न मामलों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को एक विस्तृत प्रार्थना पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया कि तहसील में न्यायिक कार्यों के संचालन में स्थापित विधिक प्रक्रियाओं का समुचित पालन नहीं किया जा रहा है। अधिवक्ताओं का कहना है कि कई मामलों में न्यायालयीन प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिससे वादकारियों और अधिवक्ताओं में असंतोष का माहौल बना हुआ है।

बार एसोसिएशन ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि तहसीलदार के कार्यकाल के दौरान तहसील का वातावरण लगातार तनावपूर्ण बना रहा है। अधिवक्ताओं ने दावा किया कि पूर्व तैनाती के दौरान पत्रकारों और कर्मचारियों के प्रति कथित अभद्र भाषा के प्रयोग का एक ऑडियो भी वायरल हुआ था, जिसके बाद उनका स्थानांतरण लेखपाल प्रशिक्षण महाविद्यालय गोरखपुर में किया गया था। हालांकि बाद में उनकी तैनाती खजनी तहसील में कर दी गई, जहां भी विवादों का सिलसिला जारी रहने का आरोप लगाया गया है। ज्ञापन में फर्जी नक्शा शासन को भेजे जाने के कथित प्रकरण का भी उल्लेख किया गया। अधिवक्ताओं के अनुसार इस मामले को लेकर उपजिलाधिकारी कार्यालय के एक पेशकार और तहसीलदार के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई थी, जिसे कर्मचारी संगठनों ने भी प्रमुखता से उठाया था। इसके बाद न्यायालयीन कार्यों के संचालन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर कई अस्थायी व्यवस्थाएं लागू करनी पड़ीं।

बार एसोसिएशन ने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान में न्यायालय से जुड़े कुछ कार्य नियमित कर्मचारियों के बजाय अन्य माध्यमों से कराए जा रहे हैं। कंप्यूटर ऑपरेटरों से

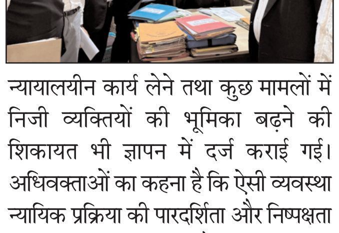

न्यायालयीन कार्य लेने तथा कुछ मामलों में निजी व्यक्तियों की भूमिका बढ़ने की शिकायत भी ज्ञापन में दर्ज कराई गई। अधिवक्ताओं का कहना है कि ऐसी व्यवस्था न्यायिक प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। प्रतिनिधिमंडल में दीवानी न्यायालय अध्यक्ष उमापति उपाध्याय, मंत्री अनुज अस्थाना, कलेक्ट्रेट बार मंत्री चंद्र प्रकाश मिश्रा, खजनी बार मंत्री चंद्रमौली शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ईश्वर सिंह और पूर्व अध्यक्ष रामप्रीत यादव सहित कई अधिवक्ता शामिल रहे। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं, खबर लिखे जाने तक तहसील प्रशासन की ओर से आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

डीएम ने स्वच्छता, पर्यावरण और पशुपालन विभाग के योजनाओं की किया समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वच्छता समिति, जिला वन एवं पर्यावरण समिति, पशुपालन विभाग तथा विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन गंभीरता, जवाबदेही और तन्मयता के साथ करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और सभी विभाग अपने लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले वृक्षारोपण कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी विभागों को समन्वय के साथ अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही विकास खंड एवं नगर निकाय स्तर पर जनप्रतिनिधियों को भी पौधरोपण कार्यक्रमों से जोड़ने को कहा।

जिलाधिकारी ने पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण पर जोर देते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को रोकने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। स्वच्छता समिति की समीक्षा में उन्होंने व्यक्तिगत शौचालयों के सत्यापन का कार्य एक सप्ताह में पूरा करने तथा सामुदायिक शौचालयों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उन्होंने 15वें वित्त आयोग की धनराशि का उपयोग विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा स्वास्थ्य केंद्रों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने में प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। साथ ही दो माह बाद इन कार्यों का ऑडिट कराने की बात कही। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान डीएम ने गौवंश संरक्षण, चारागाह विकास और पशु चिकित्सा सेवाओं की प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने पशु चिकित्साधिकारियों को गौशालाओं का नियमित निरीक्षण करने और चारागाह भूमि पर हरे चारे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने और एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जनता दर्शन की शिकायत में लापरवाही पर बीडीओ पथरदेवा को प्रतिकूल प्रविष्टि

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर कड़ा रुख अपनाया है। एक प्रकरण में अनावश्यक विलंब और उदासीनता पाए जाने पर उन्होंने खंड विकास अधिकारी पथरदेवा को प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने के निर्देश दिए हैं। पथरदेवा विकासखंड के ग्राम धर्मचौरा निवासी प्रमोद साहनी ने जनता दर्शन में उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2022 में मत्स्य पालन के लिए तालाब का पट्टा आवंटित किया गया था, लेकिन अब तक मत्स्य पालन का कार्य शुरू नहीं हो सका है। फरियादी ने बताया कि वह इस संबंध में पूर्व में भी कई बार जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्या रख चुका है, लेकिन समाधान नहीं हुआ। मामले की समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिलाधिकारी द्वारा कई बार निर्देश दिए जाने के बावजूद खंड विकास अधिकारी पथरदेवा ने प्रकरण के निस्तारण में अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई और मामला लगातार लंबित रखा गया। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारी के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि की कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कहा कि जनता दर्शन में आने वाली शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मालवीय नगर अग्निकांड: विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने अस्पतालों का दौरा कर घायलों से की मुलाकात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने नई दिल्ली के मालवीय नगर में हुए दुखद अग्निकांड में घायल लोगों, जिनमें कई विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, का हालचाल जानने के लिए साकेत स्थित मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल तथा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा किया।अस्पताल में भर्ती पीड़ितों से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि वह सभी उपचाराधीन घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। साथ ही जिन परिवारों ने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति उन्होंने गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय संबंधित दूतावासों के साथ लगातार संपर्क में है और प्रभावित विदेशी नागरिकों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने डॉक्टरों, नर्सों तथा अस्पताल के कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी समय पर और उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं के कारण अनेक लोगों की जान बचाई जा सकी है तथा घायलों का प्रभावी उपचार सुनिश्चित हो रहा है।

विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि हमारे जांबाज पुलिसकर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना आग में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का साहसिक कार्य किया। सरकार उनकी देखभाल और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती लोगों में बांग्लादेश, नेपाल, अफ्रीकी देशों

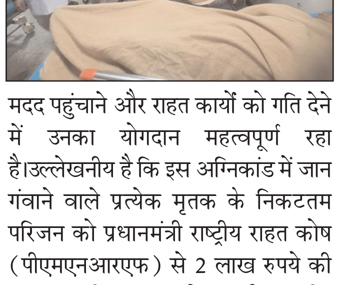

तथा भारत के नागरिक शामिल हैं। उन्होंने स्वयं अस्पताल में भर्ती पीड़ितों से मुलाकात की है और सरकार उनकी समुचित चिकित्सा एवं देखभाल के लिए लगातार प्रयासरत है। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय विधायक सतीश उपाध्याय तथा भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों में दी गई त्वरित सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रभावित लोगों तक तत्काल मदद पहुंचाने और राहत कार्यों को गति देने में उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा है।उल्लेखनीय है कि इस अग्निकांड में जान गंवाने वाले प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

ग्राम पंचायतों में विकास पर ब्रेक, प्रशासक बनने के बाद भी नहीं शुरू हुए कार्य

» ग्राम पंचायतों में विकास पर ब्रेक, प्रशासक बनने के बाद भी नहीं शुरू हुए कार्य
26 मई को प्रधानों का कार्यकाल समाप्त, सरकार ने सौंपी थी प्रशासक की जिमेदारी
एक सप्ताह बाद भी 16 विकास खंडों में विकास कार्य ठप, ग्रामीणों में बढ़ी चिंता

गोंडा। ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा ग्राम प्रधानों को प्रशासक की जिम्मेदारी सौंपे जाने के बावजूद जनपद की 1192 ग्राम पंचायतों में विकास का पहिया थमा हुआ नजर आ रहा है। 26 मई को ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद शासन ने तत्काल प्रभाव से प्रधानों को ही ग्राम पंचायतों का प्रशासक नियुक्त कर दिया था, ताकि गांवों में विकास कार्य प्रभावित न हों। लेकिन एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जनपद के सभी 16 विकास खंडों में अधिकांश विकास कार्य धरातल पर शुरू नहीं हो सके हैं। ग्राम पंचायतों में इंटरलॉकिंग सड़क, खड़ंजा निर्माण, नाली निर्माण एवं मरम्मत, पंचायत भवन से जुड़े कार्य तथा अन्य विकास योजनाएं ठप पड़ी हुई हैं। इससे ग्रामीणों में नाराजगी के साथ-साथ चर्चाओं का दौर भी तेज हो गया है। लोगों का कहना है कि सरकार ने विकास कार्यों को रुकने से बचाने के लिए प्रशासक व्यवस्था लागू की थी, लेकिन गांवों में इसका अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा है।

बरसात का मौसम निकट होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और जल निकासी से जुड़े कार्यों को लेकर चिंता बढ़ गई है। कई ग्राम पंचायतों में पूर्व स्वीकृत कार्य भी अब तक शुरू नहीं हो पाए हैं, जिससे विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते निर्माण कार्य शुरू नहीं हुए तो बरसात के दौरान समस्याएं और बढ़ सकती हैं। पंचायती राज विभाग के सूत्रों के अनुसार शासन स्तर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन की प्रक्रिया चल रही है। इस संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी लाल जी दुबे ने बताया कि शासन का आदेश जारी हो चुका है। उन्होंने कहा कि, 'जो भी निर्देश प्राप्त होंगे, उसी क्रम में कार्य कराए जाएंगे। 'फिलहाल जनपद की 1192 ग्राम पंचायतों के लाखों ग्रामीणों की निगाहें शासन और प्रशासन पर टिकी हैं। लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही आवश्यक निर्देश जारी होने के बाद रुके हुए विकास कार्य शुरू होंगे और गांवों में विकास की रफ्तार फिर से पटरी पर लौटेगी।

जिला अध्यक्ष प्रधान संघ के बोल

जिला अध्यक्ष, प्रधान संघ के उमापति त्रिपाठी ने बताया कि ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाए जाने संबंधी शासनादेश का पत्र जनपद स्तर पर प्राप्त हो चुका है। साथ ही, ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों को पूर्ववत संचालित किए जाने हेतु माननीय जिलाधिकारी द्वारा जिला स्तरीय पत्र भी जारी कर दिया गया है।सभी प्रशासक साथी शासनादेश एवं जिलाधिकारी के निर्देशों का पूर्ण अनुपालन करते हुए अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करेंगे। विकास कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए तथा जनहित के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता जुगल किशोर ने बाबा गौरीशंकर मंदिर सौंदर्यीकरण कार्यों का किया निरीक्षण

बेहजम खीरी। विकासखंड बेहजम स्थित पौराणिक बाबा गौरीशंकर मंदिर पर विधायक सौरभ सिंह सोनू की निधि से कराए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद जुगल किशोर ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण और विकास सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। मंदिर परिसर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए। इसके बाद जुगल किशोर विकासखंड कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने ब्लॉक प्रमुख से मुलाकात कर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन बनाने के लिए युवाओं ने बढ़ाया कदम, पुलिस प्रशासन का मिला सहयोग

कुकरा खीरी। सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने और यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'नेकी की दीवार' एनजीओ के समन्वयक, संस्थापक एवं अध्यक्ष गुरमिल सिंह के मार्गदर्शन में 30 दिवसीय समर इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी,बरेली के 11 छात्र-छात्राओं ने क्षेत्राधिकारी पीलीभीत आकृति पटेल एवं टीआई राघवेन्द्र सिंह चौहान के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में आगामी शनिवार एवं रविवार को आयोजित होने वाले विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। अभियान के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों के पालन, हेलमेट के नियमित उपयोग तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके तहत जनसंपर्क अभियान, जागरूकता संदेशों का प्रसार एवं हेलमेट वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। सामाजिक संस्था नेकी की दीवार के कार्यक्रम संयोजक रिजवान अंसारी ने बताया कि क्षेत्राधिकारी आकृति पटेल एवं टीआई राघवेन्द्र सिंह चौहान ने कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराने तथा अभियान में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। युवाओं की ऐसी सकारात्मक पहल समाज में जागरूकता बढ़ाने और दुर्घटनाओं में कमी लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बैठक में सलोनी यादव,रुद्र अग्रवाल, गुरलीन कौर, खुशप्रीत कौर,विशेष जायसवाल, विशाल कुमार, मोहम्मद फैजान, वंश सक्सेना, रणतेज सिंह, अमृतपाल सिंह एवं मोहम्मद मुनाफ सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस दौरान पुलिस प्रशासन एवं युवाओं ने सड़क सुरक्षा को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए संयुक्त प्रयासों पर बल दिया। उपशीर्षक: हेलमेट उपयोग और यातायात नियमों के पालन को लेकर चलेगा विशेष जागरूकता अभियान, युवाओं और पुलिस की संयुक्त पहल।

फिरोजाबाद में छह माह के मासूम की संदिग्ध परिस्थिति में मृत्यु, मौसी पर पटक कर मारने का आरोप

फिरोजाबाद। डेढ़ साल के मासूम को गली में पटक-पटक कर मार डालने का मामला अभी लोग भुला नहीं पाए थे कि एक और मासूम की मौत हो गई। पिता ने बच्चे की मौसी पर ही हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना उत्तर क्षेत्र में पुराना डाकघर चौराहा के पास ननिहाल से बुधवार रात 11.30 बजे छह महीने के तनवीर उर्फ मुन्ना को उसके पिता गंभीर हालत में लेकर सरकारी ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। कासगंज निवासी ई रिक्शा चालक पिता ने साली पर पटक कर मारने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पत्नी का साली से विवाद हुआ था। इससे गुस्से में आकर साली ने छत पर सो रहे बच्चे की जमीन पर पटक कर हत्या कर दी। फिलहाल मामले में तहरीर नहीं दी गई है।

सरकारी जमीन पर डॉक्टर का अवैध कब्जा

● आखिर किसके संरक्षण में जंगल झाड़ी के नाम दर्ज सरकारी जमीन पर हो रहा पक्का निर्माण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फरधान खीरी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का निर्देश साफ है कि अपराधी और माफिया को मिट्टी में मिला देंगे।' लेकिन लखीमपुर के तहसील सदर क्षेत्र के कस्बा फरधान की हकीकत बाबा के इन दावों पर कालिख पोत रही है। यहाँ मिट्टी में माफिया नहीं मिल रहे, बल्कि दबंग सरकारी जमीनों पर अवैध तरीके से कब्जा करके लाखों-करोड़ों की काली कमाई कर रहे हैं।

सिस्टम को कथित दबंग डॉक्टर का 'चढ़ावा' या कानून की विफलता?

लखीमपुर में कानून का डंडा अब कथित भू-माफियाओं के सामने 'बोना' साबित हो रहा है। स्थानीय चर्चाओं और सूत्रों की मानें तो कथित 'भू माफ़िया का साम्राज्य इस कदर फैला है कि प्रशासन की चुप्पी अब संदेह के घेरे में है। सुत्रो के अनुसार लेखपाल से तहसील दफ्तर तक 'महीना': खबर है कि दबंग डॉक्टर- खुलेआम दावा कर रहें है कि 'नीचे से ऊपर तक हिस्सा पहुँचता है।' क्या यही वजह है कि कानूनगो, नायब तहसीलदार तहसीलदार और एस. डी. एम. सदर को दिन के उजाले में भी ये अवैध कब्जा नजर नहीं आता? राजस्व विभाग सरकारी जमीनों की जानकारी गाटा सहित सार्वजनिक करने से क्यों कतरा रहा है? अगर सब कुछ वैध है, तो विवरण जनता के सामने क्यों नहीं? सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर कथित दबंग कब्जा धारकों का आतंक है परगना खीरी के स्थानीयकस्बा सहितकई गावों का इलाका कथित दबंगों का 'एपिसेंटर' बन चुका है। आरोप है कि राजस्व की सरेआम लूट ने सरकार के खजाने में जाने वाला पैसा आज भ्रष्ट अधिकारियों और माफियाओं की जेबें गरम कर रहा है।? जिससे आम जनता का जीना मुहाल है।

जनप्रतिनिधियों के दोहरे मापदंड

एक तरफ जहां सभी अवैध कब्जों पर कार्रवाई की बात की जाती हैं दूसरी तरफ भू माफियाओं का स्पष्ट कहना है कि साहब के पास तक पहुंच रहीं है कमाई की तयशुदा हिस्सेदारी उन्ही का अभयदान है और एक उच्च अधिकारी ने मूक सहमति दी है साथ ही यह भी बोल रहे है भाई साहब ने मेरे साथ जाकर मौका का मुआयना किया है।साथ में अवैध कब्जा धारक के भी होने की चर्चा जोर पर है।

अब निर्णायक कार्रवाई की बारी

यह केवल अवैध कब्जा ही नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध है। लखीमपुर की जनता अब जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की ओर देख रही है। ?क्या इन माफियाओं के खिलाफ 'बुलडोजर' वाली कार्रवाई होगी या फिर भ्रष्टाचार का यह सिंडिकेट ऐसे ही कानून का मजाक उड़ाता रहेगा? 'जब रक्षक ही भक्षक की भूमिका में मौन समर्थन देने लगे, तो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को आवाज उठानी ही होगी। '

कृषक समाज इंटर कॉलेज मे पर्यावरण जागरूकता गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी- ड्रीम एंड फन समर कैंप कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला खीरी में विकास परिषद शाखा छोटी काशी के द्वारा पर्यावरण जागरूकता गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्पण कर पूजा अर्चना करने के पश्चात किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ विवेक सिंह विभागाध्यक्ष (राजनीति शास्त्र) सी जी एन पीजी कॉलेज गोला ने पर्यावरण जागरूकता पर जोर देते हुए सिंगल यूज़ पॉली बैग, प्लास्टिक का प्रयोग पर्यावरण के लिए हानिकारक है, उनका प्रयोग नहीं किया जाए। अत्यधिक पौधों का रोपण किया जाए पानी बचाया जाए आदि विषयों पर जोर देते हुए, बच्चों को जागरूक किया। पर्यावरण गतिविधि सहप्रमुख कमलेश सिंह ने कार्यक्रम की योजना और आवश्यकता पर विचार दिए। परिषद के अध्यक्ष अनुज खरे जल संरक्षण एवं पौधारोपण पर विचार दिए साथी सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।सचिव मनोज वर्मा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर जिला समन्वयक रामसागर वर्मा, कोषाध्यक्ष पटेल सुशील वर्मा (डायरेक्टर न्यू पैरामाउंट कंपटीशन क्लासेस गोला गोकर्णनाथ खीरी) एवं सदस्य आलोक गुप्ता, शैलेन्द्र वर्मा, अजय गुप्ता, अरुण शर्मा समर कैंप संचालक कुंवर आनंद वर्मा, शहवाज एवं प्रशिक्षक रवि चौधरी, अंकित कुमार, रुखसार, जीशान, समरा और मानसी गुप्ता सहित विद्यार्थी एवं प्रशिक्षार्थी मौजूद रहे।

सपा की पीडीए महापंचायत, में भाजपा सरकार पर जमकर बरसे वक्ता

● अल्पसंख्यक दलित पिछड़ों के सहयोग से प्रदेश में सपा की सरकार बनेगी जिला अध्यक्ष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्योलड़िया। समाजवादी पार्टी (सपा) की पीडीए पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक महापंचायत का आयोजन गुरुवार को भौआ बाजार में किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय लोगों ने भाग लिया। पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार ने महापंचायत को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में चलाई गई जनहितकारी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने आईटीआई कॉलेज सहित शिक्षा, रोजगार और विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी, और कहा कि समाजवादी सरकार ने हमेशा आम जनता के हितों को प्राथमिकता दी। वहीं, सपा जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार को घेरा। यादव ने आगामी चुनावों में समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाने का आह्वान भी किया। महापंचायत में वक्ताओं ने पीडीए समाज की एकता और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष को और मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव और पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार रहे। इस दौरान कलीमुद्दीन, डॉ. मुस्ताक अहमद, शफीक अहमद जादूगर, विधानसभा अध्यक्ष अनिल गंगवार, राष्ट्रीय सचिव छेदा लाल दिवाकर पूर्व ब्लाक प्रमुख नरोत्तम दास मुन्ना पूर्व ब्लाक प्रमुख देवकीनन्दन पुरुषोत्तम गंगवार मुनेंद्र गंगवार हर प्रसाद सिंह सुरेंद्र कुमार सिंह असलम खान, डॉ. नवाब हुसैन, मोइनुद्दीन सिद्दीकी और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि नवाब अंसारी सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

सीआरपीएफ जवानों के सामान की आड़ में गांजा तस्करी का मामला , एस टी एफ ने 4 अंतरराज्यीय तस्करों को दबोचा

लखनऊ/देवरिया। उत्तर प्रदेश एसटीएफ को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसटीएफ ने देवरिया जिले में कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 4.03 कुंतल गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 1.20 करोड़ रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों में मध्य प्रदेश के सतना निवासी आशीष पांडेय और संदीप कोल के साथ देवरिया जिले के गौरा बरहज निवासी रितेश जायसवाल तथा आदर्श जायसवाल शामिल हैं। एसटीएफ ने इनके पास से गांजे के अलावा एक महिंद्रा पिकअप वाहन, छह मोबाइल फोन, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, नगदी और इलेक्ट्रॉनिक तराजू समेत अन्य सामान भी बरामद किया है। एसटीएफ के अनुसार गिरोह सीआरपीएफ जवानों के घरेलू सामान की ढुलाई की आड़ में गांजा तस्करी करता था। आरोपियों ने पिकअप वाहन पर सीआरपीएफ लिखकर और लोहे के बक्सों में सामान दिखाकर पुलिस जांच से बचने की कोशिश की। पूछताछ में मुख्य आरोपी रितेश जायसवाल ने बताया कि वह असम के तस्कर नेटवर्क के संपर्क में था और वहीं से गांजा मंगाकर देवरिया व आसपास के जिलों में सप्लाई करता था। ड्राइवर संदीप कोल ने स्वीकार किया कि उसे गांजा पहुंचाने के एवज में 20 हजार रुपये किराया तय हुआ था।

युवा संगम के तहत अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल से मिले मोहित शर्मा

● युवाओं को मिला राष्ट्र निर्माण का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/ भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के अंतर्गत आयोजित युवा संगम फेज-6 में उत्तर प्रदेश राज्य के प्रतिनिधियों का प्रतिनिधित्व कर रहे युवा समाजसेवी एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्राप्त मोहित शर्मा को अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल के.टी. परनायक से मिलने और उनके साथ संवाद करने का विशेष अवसर प्राप्त हुआ। यह संवाद लोकभवन, ईटानगर में आयोजित किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश से आए युवा प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक विविधता है। उन्होंने युवाओं से देश के विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति, परंपराओं, भाषाओं और जीवन मूल्यों को समझने तथा उन्हें सम्मान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा ही राष्ट्र के भविष्य के निर्माता हैं और उनके विचार, ऊर्जा तथा नवाचार भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर मोहित शर्मा ने राज्यपाल को सम्मानित करते हुए पटका, विवेकानंद जी की प्रतिमा एवं उत्तर प्रदेश राज्य की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी द्वारा रचित पुस्तक भेंट की और अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय परंपराओं, युवाओं की भूमिका तथा राष्ट्रीय एकता के विषय में चर्चा की। उन्होंने बताया कि युवा संगम कार्यक्रम ने उन्हें भारत की विविधता को निकट से समझने का अवसर दिया है। उत्तर प्रदेश से हजारों किलोमीटर दूर स्थित अरुणाचल प्रदेश की संस्कृति, लोककला, रीति-रिवाज, खान-पान और प्राकृतिक सौंदर्य ने उन्हें अत्यंत प्रभावित किया। मोहित शर्मा ने कहा कि युवा संगम कार्यक्रम केवल एक शैक्षणिक भ्रमण नहीं, बल्कि देश के युवाओं को भावनात्मक रूप से जोड़ने वाला एक राष्ट्रीय अभियान है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न राज्यों के युवा एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा और जीवन शैली को समझते हैं, जिससे राष्ट्रीय एकता और आपसी भाईचारे की भावना और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने बताया कि युवा संगम के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों, स्थानीय उद्योगों तथा विकास परियोजनाओं का भ्रमण किया। इसके साथ ही स्थानीय समुदायों के साथ संवाद कर पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को निकट से जानने का अवसर मिला। इस अनुभव ने प्रतिभागियों को यह समझने में सहायता की कि भारत की विविधता ही उसकी वास्तविक शक्ति है। राज्यपाल के साथ हुई मुलाकात को मोहित शर्मा ने अपने जीवन का एक अविस्मरणीय और प्रेरणादायक क्षण बताया।

उन्होंने कहा कि राजभवन में राज्यपाल से प्राप्त मार्गदर्शन उन्हें समाज सेवा, युवा सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। मोहित शर्मा ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के लोगों का स्नेह, आतिथ्य और अपनापन सदैव उनकी स्मृतियों में रहेगा। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर भारत को समझना भारत की आत्मा को समझने के समान है। यहां की संस्कृति, प्रकृति और परंपराएं भारतीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, युवा संगम कार्यक्रम के आयोजकों एवं मेजबान संस्थान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर सीखने, समझने और नेतृत्व विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। युवा संगम वास्तव में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को धरातल पर साकार करने वाला एक प्रभावशाली मंच है। मोहित शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यक्रम से प्राप्त अनुभव और सीख उन्हें भविष्य में समाज और राष्ट्र के लिए और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करेंगे।

योगी सरकार के तालाब बचाओ अभियान को पलीता?

● पट्टी रामदास तालाब पर कार्रवाई के बजाय हीलाहवाली के आरोप

सीमांकन में जद में आए मकानों को नोटिस देने से क्यों बच रहे नगर पंचायत और राजस्व विभाग के जिम्मेदार?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खीरी टाउन। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार तालाबों, पोखरों और जलाशयों को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा उनके पुनर्जीवन पर जोर दे रहे हैं। प्रदेश भर में तालाबों को बचाने के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन कस्बा खीरी के मोहल्ला पट्टी रामदास स्थित तालाब का मामला सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा सवाल बनकर उभर रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि तालाब की खुदाई शुरू तो कराई गई, लेकिन महज एक दिन मशीन चलने के बाद काम ठप पड़ गया। इसके बाद न तो खुदाई दोबारा शुरू कराई गई और न ही सीमांकन में जद में आए निर्माणों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई दिखाई दी। इससे लोगों में यह चर्चा तेज है कि आखिर तालाब पुनर्जीवन की प्रक्रिया को किसके इशारे पर धीमा किया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल सीमांकन को लेकर उठ रहा है। बताया जाता है कि राजस्व विभाग द्वारा किए गए सीमांकन में कुछ निर्माण जद में आए हैं, लेकिन इसके बावजूद संबंधित लोगों को अब तक नोटिस जारी नहीं किए गए। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर नगर पंचायत और राजस्व विभाग कार्रवाई करने से क्यों बच रहे हैं? यदि सीमांकन सही है तो नोटिस क्यों नहीं दिए जा रहे और यदि सीमांकन में कोई त्रुटि है तो प्रशासन स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं कर रहा? लोगो का कहना है कि तालाब की भूमि को लेकर लंबे समय से शिकायतें होती रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से निर्णायक कदम नहीं उठाए गए। इससे यह धारणा बन रही है कि मामले को जानबूझकर लंबित रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप यदि तालाबों को अतिक्रमण मुक्त कर पुनर्जीवित करना प्राथमिकता है, तो पट्टी रामदास तालाब के मामले में अब तक प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यह सवाल स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के सामने भी खड़ा है। अब लोगों की निगाहें जिलाधिकारी पर टिकी हैं। क्षेत्रवासियों का मानना है कि उच्च स्तर से निष्पक्ष जांच कराई जाए तो यह स्पष्ट हो सकता है कि तालाब की खुदाई क्यों रुकी, सीमांकन के बाद भी नोटिस क्यों नहीं दिए गए और कार्रवाई में देरी के पीछे वास्तविक कारण क्या हैं।

सवाल ये है कि एक दिन बाद तालाब की खुदाई क्यों रोक दी गई सीमांकन में जद में आए निर्माणों को नोटिस क्यों नहीं दिए गए नगर पंचायत और राजस्व विभाग कार्रवाई से क्यों बच रहे हैं। मुख्यमंत्री की तालाब संरक्षण नीति पट्टी रामदास में क्यों नहीं दिख रही। क्या जिम्मेदार अधिकारी किसी दबाव में काम कर रहे हैं या फिर यह महज प्रशासनिक लापरवाही है पट्टी रामदास तालाब प्रकरण में कौन-कौन हैं जिम्मेदार, किस विभाग की क्या भूमिका और अब तक क्या-क्या कार्रवाई हुई?

भाकियू चढूनी के आवाहन पर ट्रंप का पुतला फूंक किसानों ने फ्री ट्रेड डील का विरोधकर सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी- भारतीय किसान यूनियन चढूनी के जिला अध्यक्ष बलकार सिंह के नेतृत्व में सैकड़ो किसानों ने नरगढ़ी फार्म पर ट्रंप का पुतला फूंक कर फ्री ट्रेड डील का विरोध जताते और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम गोला के माध्यम से सौंपा, जिला अध्यक्ष ने बताया कि यह डील देश के किसानों, छोटे व्यापारियों, रोजगार, एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भविष्य में गंभीर संकट उत्पन्न करने जैसी डील है पूरे देश के किसान मजदूर छात्र एवं युवा संगठनों सहित तमाम सामाजिक संगठनों ने भी एकजुट होकर इसका विरोध किया है देश के किसानों युवाओं और बेरोजगारों की मांग है कि इसे किसी भी कीमत लागू नहीं होने दिया जाएगा यदि देश में फ्री ट्रेड डील का प्रस्ताव लागू हो जाता है तो देश की अर्थव्यवस्था रोजगार और कृषि को गंभीर खामियाजा भुगतना पड़ेगा जिला अध्यक्ष बलकार सिंह की अगवाई में सैकड़ो किसानों ने तहसील गोला पहुंचकर विरोध प्रदर्शन करते हुए एस डी एम गोला(प्रतीक्षा त्रिपाठी) को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन सौंपने वालों में गुरजीत सिंह, गुरविंदर सिंह,गुरदीप सिंह ,सुखराज सिंह ,मनमोहन सिंह ,बलबीर सिंह ,सतनाम सिंह ,गुरदेव सिंह लाठी, गेंदनलाल ,मोनू भदौरिया, तारा सिंह, अमरजीत सिंह ,गुरु लाल सिंह ,चरणजीत सिंह, हरप्रीत सिंह नवजोत सिंह जसवंत सिंह ,जितेंद्र पटेल, अध्यक्ष अकरम यादव,आकाश यादव, भूपराम, अखिल, गुरदेव सिंह, अनु यादव, लवप्रीत, रवि कुमार ,मोदी, शमशेर मोहम्मद,सलमान मोहम्मद, कुलवंत सिंह, गुरु साहब सिंह, तरसेम सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

धौरहरा क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा, 2 की मौत, 2 गंभीर रूप से घायल

धौरहरा खीरी- कोतवाली क्षेत्र के सिसैया धौरहरा रोड स्थित टॉपरपुरवा के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मौके पर ही अफरा-तफरी मच गई।इस दर्दनाक सड़क हादसे में देवी दीन पुरवा निवासी दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं लखाई के रहने वाले दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल धौरहरा सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री योजना में करोड़ों के घोटाले का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- जिले में मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। मुख्य विकास अधिकारी को भेजी गई शिकायत में सहायक अभियंता लघु सिंचाई श्याम सुन्दर यादव पर सरकारी धन के दुरुपयोग और नियमों की अनदेखी करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार मध्यम गहरी बोरिंग योजना में किसानों को 140 से 160 फीट तक ही बोरिंग कराई गई, जबकि भुगतान 200 फीट तक का दर्शाया गया। आरोप है कि जांच में भी कई मामलों में अनियमितताएं सामने आई थीं, इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उथले नलकूप योजना में भी घटिया गुणवत्ता के पाइपों की आपूर्ति कर सरकारी धन की बंदरबांट किए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक किसानों को मानकों के विपरीत सामग्री उपलब्ध कराई गई। सबसे गंभीर आरोप ट्रायल टेस्टिंग के नाम पर कथित वित्तीय खेल का है। शिकायत में कहा गया है कि ड्रिल एजेंसियों द्वारा ट्रायल टेस्टिंग कराए बिना ही प्रति बोरिंग लगभग 3000 रुपये का भुगतान निकाल लिया गया, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचा। शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि विभाग में काम करने वाली कई फर्में अधिकारियों, कर्मचारियों, ड्राइवरों और रिश्तेदारों के नाम से संचालित की जा रही हैं। आरोप है कि जीएसटी अनियमितताओं में चिन्हित फर्मों को भी लगातार सरकारी कार्य दिए जाते रहे। शिकायत में यह भी कहा गया है कि मध्यम गहरे बोरिंग में लगाए जाने वाले सबमर्सिबल पंप एक ही फर्म से खरीदे गए, जिससे खरीद प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं। अब सवाल यह है कि यदि शिकायत में लगाए गए आरोप सही हैं तो मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजनाओं का पैसा आखिर किन जेबों में जा रहा है? किसानों के नाम पर होने वाले खर्च का लाभ किसानों को मिल रहा है या फिर योजनाएं कुछ लोगों के लिए कमाई का जरिया बन गई हैं? मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज हो गई है। शिकायत पर प्रशासन क्या कार्रवाई करता है, इस पर जिले की निगाहें टिकी हैं।

सनशाइन हॉस्पिटल में आज लगेगा भव्य नि:शुल्क आयुष्मान शिविर, पात्रों के बनेंगे नए कार्ड

गोला गोकर्णनाथ खीरी। स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम कर रही सरकार की अति महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना के तहत नई वाईपास रोड स्थित सनशाइन हॉस्पिटल पर डॉ कौशल वर्मा के निर्देशन में कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए नि:शुल्क कैंप लगेगा। कैंप में आयुष्मान कार्ड बनाने से लेकर उसके प्रयोग करने समेत तमाम जानकारियां दी जाएंगी। डॉक्टर कौशल वर्मा ने बताया कि ओपीडी सेवाओं को छोड़कर अस्पताल में होने वाले अधिकांश बड़े और जटिल उपचार आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पूरी तरह से नि:शुल्क किए जाएंगे। इसका मुख्य उद्देश्य पैसे के अभाव में कोई जरूरत मंद पात्र व्यक्ति बेहतर स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रह सके। आयुष्मान योजना का लाभ लेने और कार्ड बनवाने के लिए अपने साथ राशन कार्ड पात्र गृहस्थी एवं अंत्योदय कार्ड एवं आधार कार्ड व आधार कार्ड में लगा सक्रिय मोबाइल नंबर साथ लाना होगा।हॉस्पिटल में आर्थोपेडिक सर्जरी,यूरोलॉजी सर्जरी,इमरजेंसी एंड ट्रामा केयर,जनरल सर्जरी, मैक्सिलोफेशियल सर्जरी,जनरल मेडिसिन व डायलिसिस की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

रॉयल्टी की आड़ में रात तक दौड़ रहे मिट्टी भरे डंपर, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

● बरखेरा गांव में देर शाम तक जारी खनन, उड़ती धूल और तेज रफ्तार वाहनों से हादसे का खतरा बढ़ा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहम्मदी खीरी। मोहम्मदी तहसील क्षेत्र में इन दिनों मिट्टी खनन का कार्य तेजी से चल रहा है। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर मिट्टी से भरे डंपर और ट्रालियां बिना किसी रोक-टोक के दौड़ते दिखाई दे रहे हैं, जबकि जिम्मेदार अधिकारी इस पर खामोश नजर आ रहे हैं। हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन पर सख्ती और चौकसी बरतने संबंधी निर्देश जारी किए गए थे, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर भी रही। इसके बावजूद क्षेत्र में खनन कार्य लगातार जारी रहने से प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार मोहम्मदी क्षेत्र के ग्राम बरखेरा में पिछले तीन दिनों से बड़े पैमाने पर मिट्टी खनन किया जा रहा है। ग्रामीण राजेश, रमेश, महेश, पंकज और प्रमोद समेत कई लोगों का कहना है कि खनन कार्य शाम 5 बजे के बाद भी जारी रहता है और रात करीब 8 बजे तक डंपर चलते रहते हैं। मामले में नायब तहसीलदार बालकराम से संपर्क किए जाने पर उन्होंने बताया कि उन्हें खनन की सूचना मिली थी, जिसके बाद वह मौके पर गए थे। वहां संबंधित लोगों ने खनन की अनुमति होने की बात कही थी। हालांकि ग्रामीणों का सवाल है कि यदि अनुमति निर्धारित समय तक ही है तो शाम 5 बजे के बाद भी खनन कार्य किस आधार पर जारी रहता है। ग्रामीणों का आरोप है कि मिट्टी से भरे डंपरों और ट्रालियों के आवागमन से सड़कों पर भारी मात्रा में धूल उड़ती है। इससे राहगीरों को काफी परेशानी होती है और कई बार धूल आंखों में चले जाने से दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। उनका कहना है कि हाईवे पर चलने वाले दोपहिया वाहन चालक विशेष रूप से प्रभावित होते हैं। इसके अलावा नगर क्षेत्र

में प्रवेश करते ही कई डंपर और ट्रालियां तेज रफ्तार से दौड़ती हैं, जिससे सड़क हादसों की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं इस संबंध में उप जिलाधिकारी मोहम्मदी से संपर्क किए जाने पर उन्होंने कहा कि मामला संज्ञान में आने पर तत्काल अधिकारियों को मौके पर भेजकर जांच कराई जाएगी। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

16 लोग शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार, 194 वाहनों का चालान

भदोही। जनपद पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए चलाए गए अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों से 16 व्यक्तियों को शांति भंग की आशंका में गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 194 वाहनों का चालान तथा तीन वाहनों को सीज किया गया। पुलिस के अनुसार, धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत थाना गोपीगंज क्षेत्र में एक व्यक्ति, थाना सुरियावां क्षेत्र में पांच व्यक्ति, थाना औराई क्षेत्र में एक व्यक्ति, थाना ऊंज क्षेत्र में तीन व्यक्ति तथा थाना चौरी क्षेत्र में छह व्यक्तियों को गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय में पेश किया गया।

यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान 170 दोपहिया एवं 24 चारपहिया वाहनों सहित कुल 194 वाहनों का चालान किया गया। साथ ही तीन वाहनों को सीज कर दिया गया। चालान की कार्रवाई से कुल एक लाख 95 हजार 800 रुपये का समन शुल्क निर्धारित किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई है।

लरछुट के प्राचीन शिव मंदिर में हुआ सुंदरकांड पाठ

सीखड़ क्षेत्र के लरछुट स्थित प्राचीन शिव मंदिर में गोपीनाथ मिश्रा के तत्वावधान में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंडित नंदू दूबे एवं सहयोगियों द्वारा विधिवत सुंदरकांड का पाठ किया गया। पाठ के दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम और हनुमान जी के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर शीतलेश्वर प्रसाद पाठक,शिवा शर्मा राकेश श्रीवास्तव जितेंद्र श्रीवास्तव रतन पांडेय, अंकित दुबे, सतीश शुक्ला, गुड्डू शुक्ला, सुभाष शुक्ला, मनोज तिवारी, गौरव मिश्रा, सत्येंद्र मिश्रा, नरेंद्र नाथ मिश्रा, गोलू मिश्रा, आशा राम, राजीव मिश्रा, सत्यम मिश्रा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

फर्जी अधिवक्ताओं की पहचान हेतु चलाया गया अभियान

स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

चुनार, मीरजापुर। फर्जी अधिवक्ताओं की पहचान के लिए बुधवार को चुनार तहसील में अभियान चलाकर अधिवक्ताओं के परिचय पत्र की जांच की गई। टीम ने अधिवक्ताओं के चैंबर, सीट पर पहुंचकर वकालत कार्य कर रहे अधिवक्ताओं के परिचय पत्र की जांच किया। इस दौरान कुछ व्यक्ति जो अधिवक्ता के वेश भूषा में फर्जी तौर पर कार्य कर रहे थे वे परिसर छोड़कर भाग गए। बार के अध्यक्ष शिवशंकर सिंह ने अधिवक्ताओं से कहा कि संदिग्ध लोगों की पहचान कर बार को सूचित करें जिससे कि फर्जी तौर अधिवक्ता के रूप में कार्य कर रहे व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित किया जा सकें, साथ ही अधिवक्ताओं से अनुरोध किया है निर्धारित वेशभूषा में तहसील आएं और साथ में अपना परिचय पत्र अवश्य लाएं। जांच अभियान टीम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राममूरत यादव, महामंत्री, रामबिलास सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता,पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील कुमार,पूर्व अध्यक्ष मुन्नू प्रसाद गुप्ता,रामनिहाल सिंह, शिवशंकर सिंह यादव ,गुरुदास आदि शामिल रहे।

बेलन बरौधा मे चल रही है अवैध तरीके से हॉस्पिटल व लैब

● जिनके पास खुद नहीं है कोई वैध डिग्री दूसरे डॉक्टर के नाम पर चला रहे हैं अवैध हॉस्पिटल

झोलाछाप डॉक्टरो के ऊपर बड़े-बड़े सफेद पोस का है हाथ प्रबंधक की कुर्सी संभाल रहे हैं झोलाछाप डॉक्टर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। लालगंज क्षेत्र के बेलन बरौधा मे अवैध तरीके से चल रही है हॉस्पिटल व लैब जिनके पास खुद की नहीं है कोई वैध डिग्री दूसरे डॉक्टर के नाम पर चला रहे हैं अवैध हॉस्पिटल अपने आप को हॉस्पिटल का प्रबंधन बता कर मरीजो का करते हैं शोषण प्राइवेट अस्पताल के प्रबंधकों के द्वारा लगाए गए हैं बड़े-बड़े दलाल दलालों के द्वारा अस्पताल में पहुंचते हैं मरिज तब प्रबंधक जमकर करते हैं मरीजों का शोषण यहां तक की तमाम प्रकार का ऑपरेशन की भी सुविधा झोलाछाप डॉक्टरों के अस्पताल में रखी गई है जबकि खुद करते हैं झोलाछाप डॉक्टर ऑपरेशन दूसरे डॉक्टरछ का बताते हैं नाम यहां तक की मरीज ने बताया कि मोटी रकम लेकर झोलाछाप डॉक्टर करते हैं इलाज दलालों के माध्यम से आते हैं मरिज कितनी बार मरीजों के द्वारा प्रार्थना पत्र लेकर जिले के आलाअधिरीयो के दरबार में लगाते हैं हाजिरी लेकिन नहीं होता कोई कार्रवाई क्योंकि कहीं ना कहीं जिले के अधिकारी भी सम्मिलित हैं झोलाछाप डॉक्टरों के साथ मरीज ने बताया कि अस्पताल में बड़े-बड़े सफेद पोस का होता है दर्शन जिससे झोलाछाप डॉक्टर को मिल रहा है संरक्षक नहीं होगा झोलाछाप डॉक्टर के ऊपर कारवाई ग्रामीणों ने भी बताया कि कई एक बार अस्पताल के अंदर तमाम केस हुई लेकिन सब बड़े-बड़े नेताओं और अधिकारियों के द्वारा दबा दिया गया नहीं हुआ एक भी झोलाछाप डॉक्टरो के उपर कार्रवाई ग्रामीणों ने और मरीजो ने जिला प्रशासन से मांग करना चाहते हैं कि ऐसे भ्रष्ट झोलाछाप डॉक्टरों की जांच की जाए और दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ कड़ी कड़ी कार्रवाई की जाए जो गरीब मरीजों के साथ शोषण का धंधा बना रखे हैं और दलालों की चला रहे हैं रोजी-रोटी इसको खत्म किया जाए।

साइबर हेल्प डेस्क की तत्परता से युवक को मिले 8 हजार रुपये, पीड़ित ने जताया आभार

भदोही। साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां की तत्परता से साइबर ठगी का शिकार हुए एक युवक के 8 हजार रुपये वापस कराए गए। धनराशि खाते में वापस मिलने पर पीड़ित ने भदोही पुलिस का आभार व्यक्त किया। जानकारी के अनुसार, सुरियावां थाना क्षेत्र के नागमलपुर निवासी सागर की इंस्टाग्राम आईडी हैक कर साइबर अपराधियों ने धोखाधड़ी से 8 हजार रुपये निकाल लिए थे। पीड़ित द्वारा ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद साइबर हेल्प डेस्क ने एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से त्वरित कार्रवाई की। पुलिस के प्रयासों से ठगी गई पूरी 8 हजार रुपये की धनराशि वापस पीड़ित के खाते में स्थानांतरित करा दी गई।

पीएम सुनिधि के 6 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पंचायत सुरियावा द्वारा लोक कल्याण मेले का किया गयाआयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुरियावा 4 -6-2026 गुरुवार को नगर पंचायत सुरियावा द्वारापीएम स्वनिधि योजना के, 6 वर्ष पूर्ण होने पर नगर पंचायत द्वारा लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जिसमें योजनांतर्गत स्ट्रीट वेंडर्स को योजना से लाभान्वित किया जाना है । पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय ऋण के लिए आवेदन कराया जा रहा है साथ ही साथ ऋण पूर्ण कर चुके लाभार्थियों को क्रेडिट कार्ड सुविधा से आच्छादित किया जा रहा हैं। अधिशासी अधिकारी द्वारा बताया गया कि पीएम सुनिधि योजना के तहत 15 से 25 000 और 50000 तक के ऋण डिजिटल पेमेंट का प्रशिक्षण स्ट्रीट फूड वेंडर्स के लिए एफ एसएसएआई के सहयोग से स्वच्छता तथा खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण तथा आठ कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा जिसमें पीएम सुरक्षा बीमा योजना पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना पीएम श्रम योगी मान धन योजना पीएम जन धन योजना वन नेशन वन राशन कार्ड योजना जननी सुरक्षा

योजना बीबीडब्ल्यू के तहत पंजीकरण पीएम मातृ वंदना योजना एवं क्रेडिट कार्ड सहित नगर पंचायत सुरियावा के सभी वार्डों में पात्र स्ट्रीट वेंडर्स को योजना से लाभान्वित कराया जाएगा इस मौके पर नगर के प्रधानलिपिक विजय उपाध्याय आलोक मिश्रा परियोजना विश्लेषक शुभम सिंहकंप्यूटर ऑपरेटर रतन बाबू यादव संदीप मिश्रा सहित नगर पंचायत कर्मी उपस्थित रहे।

हरदुआ में फायरिंग, बमबाजी और मारपीट के छह आरोपी गिरफ्तार, नौ देसी बम व तमंचा बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। दुर्गागंज थाना पुलिस ने हरदुआ गांव में हुई मारपीट, फायरिंग और बमबाजी की घटना में बड़ी कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नौ अवैध देसी बम, एक तमंचा 315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में चलाए गए अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट के दौरान आरोपियों ने अवैध असलहे लहराते हुए फायरिंग की थी तथा जान से मारने की धमकी दी थी। मामले में थाना दुर्गागंज में मुकदमा संख्या 49/2026 एवं 50/2026 दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही थी।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर सर्वेन्द्र गिरी (23), धीरज कुमार (19), लकी गिरी (21), दीप यादव (22), राजकुमार गिरी उर्फ बमबम गिरी (20) तथा विकास सरोज (28) को गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपी हरदुआ एवं आसपास के क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि 22 मई को हुए एक विवाद के बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर 24 मई की रात हरदुआ गांव में दहशत फैलाने और विरोधियों को सबक सिखाने के उद्देश्य से फायरिंग, बमबाजी और मारपीट की थी। घटना के दौरान कई देसी बमों का प्रयोग किया गया था। स्थानीय लोगों के एकत्र होने पर सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल नौ अवैध देसी बम, एक अवैध तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रणजीत सिंह, उपनिरीक्षक रमेश कुमार, मुख्य आरक्षी दीपक मिश्रा, मुख्य आरक्षी नंदलाल गौड़, आरक्षी मनीष गौड़ एवं आरक्षी प्रदीप चौरसिया शामिल रहे।

जंगली जानवर के हमले में मृत बालक का शव कब्र से निकलवाकर जांच शुरू

सुरियावां। क्षेत्र के ग्राम सभा बिसही हरिहरपुर में जंगली जानवर के हमले में मृत पांच वर्षीय बालक के मामले में प्रशासन ने जांच प्रक्रिया तेज कर दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर बुधवार को प्रशासनिक टीम ने कब्र से शव निकलवाकर आवश्यक विधिक एवं चिकित्सकीय कार्रवाई शुरू कराई। बताया जाता है कि बालक की मौत के बाद मंगलवार को परिजनों ने शव को दफना दिया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी के आदेश पर प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में शव को कब्र से बाहर निकाला गया। मौके पर तहसीलदार अजय कुमार, नायब तहसीलदार विजय कुमार, चिकित्सा अधिकारी डॉ. विपिन यति, राजस्व निरीक्षक हरिश्चंद्र प्रसाद, क्षेत्रीय लेखपाल अजय सिंह तथा थाना प्रभारी अश्वनी त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। प्रशासन की निगरानी में शव को कब्जे में लेकर अग्रिम जांच एवं चिकित्सकीय परीक्षण की प्रक्रिया पूरी कराई गई। अधिकारियों ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

बाल श्रम के खिलाफ विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर एवं सेन्सटाइजेशन कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) एवं मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान वाराणसी और श्रम विभाग से संबंधित विभागों के संयुक्त तत्वावधान में 'बाल श्रम के खिलाफ विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर (चिन्हीकरण, पृथक्करण एवं पुनर्वास)' विषय पर एक सेन्सटाइजेशन कार्यशाला का आयोजन कार्यालय सहायक श्रमायुक्त ज्ञानपुर भदोही में किया गया। मुख्य अतिथि पी सी उपाध्याय अध्यक्ष बाल कल्याण समिति भदोही रहे उन्होंने कार्यशाला का उद्देश्य बाल श्रम की रोकथाम, पीड़ित बच्चों की पहचान, उन्हें जोखिमपूर्ण परिस्थितियों से पृथक कर सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना तथा उनके पुनर्वास हेतु विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना था तथा लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी), चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), पैरालीगल वालंटियर्स (PLV), श्रम विभाग, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू), जिला प्रोबेशन कार्यालय (डीपीओ कार्यालय), आदि विभागों का समन्वय स्थापित किया गया । इस अवसर पर श्री संदीप कुमार दुबे एडवोकेट द्वारा अपने विचार व्यक्त करते हुए लोगों से अपील किया गया कि बाल श्रम को रोकने के लिए सबको सहयोग करना पड़ेगा। इसी क्रम में डिस्ट्रिक टास्क फोर्स सदस्य ,मनोज कुमार पाल, एवं हरीलाल पाल एडवोकेट ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर गैर-सरकारी संगठन से अजय कुमार (एनजीओ) के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे इंद्रजीत तिवारी द्वारा

कार्यशाला में बताया गया कि बाल श्रम न केवल बच्चों के अधिकारों का हनन है, बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक एवं शैक्षिक विकास में भी गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। इस दौरान बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 (संशोधित 2016), किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015, बंधुआ मजदूरी प्रथा (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 तथा बच्चों की सुरक्षा से संबंधित अन्य कानूनों की जानकारी प्रदान की गई।

बैठक में इस बात पर विशेष बल दिया

गया कि यदि कहीं भी बाल श्रम, बाल तस्करी अथवा बच्चों के शोषण की सूचना प्राप्त होती है तो संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे तथा बच्चों के शिक्षा एवं पुनर्वास की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयास करने तथा जन-जागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर इंद्र भूषण यादव प्रभारी एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग पुलिस टीम भदोही, आनंद कुमार सिंह पीएलवी रीता पाण्डेय पीएलवी ,दीपक मौर्य रामविलास बिंद वीरेंद्र प्रसाद यादव दीपक सोनकर , अजय कुमार रविंद्र कुमार शिव शंकर मौर्य, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

नाद प्रवाह ग्रीष्मकालीन शास्त्रीय गायन कार्यशाला का भव्य समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्ज़ापुर। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा आयोजित 'नाद प्रवाह' ग्रीष्मकालीन शास्त्रीय गायन कार्यशाला का समापन समारोह बुधवार को प्लेवे स्कूल, बल्ली का अड्डा, मिर्ज़ापुर में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में कला, संस्कृति एवं संगीत जगत से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं नगर पालिका परिषद मिर्ज़ापुर के पूर्व अध्यक्ष माननीय श्री मनोज जायसवाल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव तथा प्लेवे स्कूल की निदेशिका श्रीमती जयश्री जैन उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता काशी प्रांत संस्कार भारती के अध्यक्ष डॉ. गणेश प्रसाद अवस्थी ने की। कार्यक्रम का संयोजन श्री सोमेश्वरपति त्रिपाठी द्वारा किया गया तथा मंच संचालन संस्कार भारती मिर्ज़ापुर के जिला महामंत्री श्री शिवराम शर्मा ने प्रभावपूर्ण ढंग से संपन्न किया।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की विधिवत शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने का दायित्व प्रसिद्ध संगीतज्ञ प्रो. नम्रता मिश्रा ने निभाया। प्रो. नम्रता मिश्रा पद्म विभूषण स्वर्गीय पंडित छन्नूलाल मिश्र की सुपुत्री हैं तथा उन्होंने कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को शास्त्रीय संगीत की विविध विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया। समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों एवं अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्बोधन में भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों तथा युवा पीढ़ी में संगीत के प्रति बढ़ती रुचि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों में कला संस्कारों का विकास करने के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

समापन अवसर पर कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने उन्हें निरंतर संगीत साधना करते रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत सांगीतिक कार्यक्रम रहा। विद्यार्थियों ने कार्यशाला में अर्जित ज्ञान एवं प्रशिक्षण का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ठुमरी, दादरा तथा खयाल की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। उनकी सधी हुई गायकी एवं सुरों की मधुर अभिव्यक्ति ने उपस्थित श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया तथा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। अंत में प्रो. नम्रता मिश्रा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, आयोजकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगीत साधना जीवन को संस्कारित एवं समृद्ध बनाती है तथा निरंतर अभ्यास ही सफलता का आधार है। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

अवैध खनन और परिवहन पर प्रशासन सख्त, नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने स्पष्ट किया है कि सामान्य मिट्टी का खनन केवल वैध अनुज्ञा पत्र एवं निर्धारित शर्तो के अनुसार ही किया जा सकेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों, पुलिस अधिकारियों एवं खनन विभाग के अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि खनन कार्य केवल स्वीकृत क्षेत्र में तथा निर्धारित गहराई और स्वीकृत मात्रा के भीतर ही किया जाएगा।

प्रशासन ने प्रत्येक खनन स्थल पर 3म4 फीट का सूचना पट्ट या बैनर लगाना अनिवार्य किया है, जिसमें खनन स्थल, स्वीकृत मात्रा, अनुज्ञा पत्र और परिवहन परमिट संबंधी जानकारी अंकित होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि खनन कार्य केवल सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक ही किया जा सकेगा। रात्रि में किसी भी प्रकार का खनन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। यदि कहीं अवैध खनन या अवैध परिवहन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनपद में अवैध खनन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

संकट मोचन मंदिर में शुक्रवार 5 जून को होगा हनुमान जी का श्रृंगार व सुंदर कांड

चुनार, मीरजापुर। नगर के गंगेश्वर नाथ इलाहाबाद बैंक के सामने गली में स्थित प्राचीन संकट मोचन मंदिर में शुक्रवार 5 जून को सायं 7 बजे हनुमान जी का श्रृंगार व सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया जाएगा। भक्तों से अनुरोध है कि उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंच कर प्रसाद ग्रहण कर पुण्य के भागीदार बनें।

ड्रमडगंज थाने पर सुनवाई न होने पर महिला ने पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर को दिया प्रार्थना पत्र लगाई न्याय की गुहार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात
www.swatantraprabhat.com
जो लिखेगा, वही टिकेगा
पुलिस 112 आपात सेवाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। ड्रमडगंज थाना क्षेत्र की एक गांव निवासी महिला ने पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि अनुसूचित जाति की महिला हु विपक्षी कहीं से मेरा मोबाइल नंबर पा गया। और प्रार्थिनी को आए दिन गंदे गंदे मैसेज करने लगा और तरह-तरह की गंदी-गंदी बातें करने लगा और जब प्रार्थिनी ने विरोध किया तो वह मेरे पति व मुझे जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि धर्म परिवर्तन करके मुसलमान बनकर हमसे निकाह कर लो नहीं तो तुम्हारे परिवार को जान से मार देंगे प्रार्थिनी ने इनकार कर दिया तो 03/06/2026 शाम 5:30 प्रार्थिनी को टी0एन0टी0 स्कूल के पास सड़क पर प्रार्थिनी को जबरन रोक लिया और मुझे जाति सूचक अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली देते हुए जाति सूचक का प्रयोग किया मुझे मुसलमान बना रहे हैं तो नहीं मान रही हो मैने शोर मचाया तो वह मुझे मारते हुए जमीन पर पटक कर मेरे कपड़े फाड़ दिए और मेरे साथ अश्लील हरकत करने लगा तभी मेरे पति व अन्य कई लोग आकर मेरी जान बचाए वहीं महिला ने आरोप लगाते हुए कहा कि मेरा एफआईआर थाने पर दर्ज नहीं किया जा रहा है। जिससे मैंने पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर से न्याय की गुहार लगाने आई हूं।

पंजीकृत अभियोग से संबंधित वांछित एक अपचारी सहित एक अभियुक्त गिरफ्तार

थाना चौरी पर आवेदक परवेज पुत्र शाह मोहमद निवासी ग्राम कोल्हण थाना चौरी जनपद भदोही द्वारा सूचित किया गया कि मेरा भतीजा मो0 आरिफ पुत्र इसमाइल उम्र लगभग 18 वर्ष रोटहां गांव में अपना खुद का टेन्ट रामायण के पूजा में सरजू यादव के यहा लगाया था टेन्ट का समान लेने के लिये दिनांक 26.05.026 को अपने स्कूल के साथी निजान पुत्र खन्झाटी निवासी वेदमनपुर थाना चौरी जनपद भदोही साथ चौरी बाजार जा रहा था कि परसीपुर स्टेशन के पास समय शाम सात 7 बजे निजान से स्कूल के विवाद को लेकर मो0 अर्स पुत्र खुरदन निवासी चौरी बाजार थाना चौरी जिला भदोही अपने साथी राजा मंसूरी पुत्र नानक निवासी चौरी बाजार के साथ चाकू लेकर मां बहन की भद्दी-भद्दी गाली गुप्ता देते हुए मेरे भतीजे मो0 आरिफ को मारपीट कर घायल कर दिये। प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं00 77/2026 धारा 115(2)/352/351(3) बीएनएस थाना चौरी जनपद भदोही स्कॉर्पियो पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई।

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान का शुभारंभ

● नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का किया आह्वान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर जनपद मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान का शुभारंभ प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा द्वारा पौधरोपण कर किया गया। इस अवसर पर मा. जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, मा. विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे, मा. भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, मा. पूर्व विधायक रविन्द्रनाथ त्रिपाठी, जिलाधिकारी शैलेष कुमार तथा पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माता के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी स्वयं निभाए। पौधरोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधे वृक्ष बनकर पर्यावरण को समृद्ध करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 05 जून, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में पांच करोड़ वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस महाअभियान के अंतर्गत जनपद भदोही में दो लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं तथा विभिन्न विभागों को लक्ष्य आवंटित कर दिए गए हैं।

ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन के आधार हैं। वे न केवल शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक दायित्व के रूप में स्वीकार करने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि जनपद में विश्व पर्यावरण दिवस के सफल आयोजन एवं वृक्षारोपण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। पौधरोपण स्थलों का चयन, पौधों की उपलब्धता तथा उनकी सुरक्षा एवं देखरेख की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ''एक पेड़ माँ के नाम'' लगाने तथा उसकी नियमित देखभाल कर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। सभी ने यह संदेश दिया कि 'पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा' और हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

पाक्सो एक्ट के वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बहरिया/प्रयागराज। पुलिस टीम ने न्यायालय द्वारा जारी वारंट के आधार पर एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मा. न्यायालय ASJ POCSO-I, प्रयागराज द्वारा जारी वारंट के अनुपालन में थाना बहरिया पुलिस ने अभियुक्त विकास विश्वकर्मा (24 वर्ष) पुत्र नरेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा निवासी रेजई का पूरा, थाना सरायममरेज, जनपद प्रयागराज को उसके घर के सहन से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के विरुद्ध मु.नं. 217/2022 में धारा 294, 504, 506 आईपीसी तथा 11/12 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज है। वह 4 जून 2026 को निर्धारित न्यायालयी पेशी में वांछित चल रहा था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी गुरुवार सुबह लगभग 9:30 बजे की गई। गिरफ्तार वारंटी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त गंगानगर एवं सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी मानवेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को हंडिया पुलिस ने दबोचा

प्रयागराज। हंडिया थाना पुलिस ने नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को थाना क्षेत्र के भावापुर गांव स्थित पुलिया के पास से दबोचकर न्यायिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार थाना हंडिया में मु0अ0सं0-262/2026 के तहत धारा 65(2), 115(2), 351(2) भारतीय न्याय संहिता तथा 5रू6 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में आरोपी प्रिन्स मौर्या पुत्र अशोक मौर्या निवासी ग्राम बनपुरवा सरायपीथा, थाना हंडिया, कमिश्नरेट प्रयागराज की तलाश की जा रही थी। बताया गया कि मुकदमा वादी ने अपनी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किए जाने तथा घटना की शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच और मुखबिर की सूचना के आधार पर हंडिया पुलिस टीम ने गुरुवार को अभियान चलाकर आरोपी प्रिन्स मौर्या को थाना क्षेत्र के ग्राम भावापुर स्थित पुलिया के निकट से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की गई और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की कार्रवाई की गई।

शादी का झांसा देकर नाबालिग को भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार, पीड़िता सकुशल

बरामद प्रयागराज। होलागढ़ थाना पुलिस ने अपहरण के एक मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मुकदमे से संबंधित नाबालिग पीड़िता को भी सकुशल बरामद कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार थाना होलागढ़ में मु0अ0सं0-58/26 के तहत धारा 137(2)/87 भारतीय न्याय संहिता में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में वांछित अभियुक्त सूरज पाल पुत्र रामदीन पाल निवासी ग्राम घाटमपुर, थाना नवाबगंज, कमिश्नरेट प्रयागराज की तलाश की जा रही थी। गुरुवार को होलागढ़ पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सूरज पाल को थाना क्षेत्र के मालापुर स्थित गंगा एक्सप्रेसवे अंडरपास के समीप से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके साथ मौजूद मुकदमे से संबंधित पीड़िता/अपहृता को भी सकुशल बरामद कर लिया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने थाना क्षेत्र के सराय नन्दन उर्फ समसपुर गांव की रहने वाली एक नाबालिग युवती को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया था। युवती के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर होलागढ़ थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद से पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त की उम्र लगभग 20 वर्ष है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पीड़िता को मेडिकल परीक्षण एवं अन्य कानूनी प्रक्रियाओं के लिए संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

अपर मुख्य सचिव गृह ने अदालत की शक्ति को कमतर दिखाने का किया प्रयास: इलाहाबाद हाई कोर्ट

● इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद पर अदालत की शक्ति को कमतर आंकने का आरोप लगाया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद के खिलाफ गंभीर टिप्पणी की है। कहा कि उन्होंने अदालत की शक्ति को कमतर दिखाने का जानबूझकर सुनियोजित प्रयास किया। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकलपीठ ने झांसी निवासी मेघा रैकवार की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका निस्तारित करते हुए एसीएस (गृह) की फाइल केंद्रीय कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग को भेजने का आदेश दिया है। पीठ ने कहा कि एसीएस गृह ने फरवरी 2026 में बताया था कि 'सुभाष चंद्र बनाम राज्य' (2025) मामले में हाई कोर्ट के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) के माध्यम से चुनौती दी जाएगी, लेकिन अब तक वहां सुनवाई का कोई आदेश, स्टे या रिकार्ड पेश नहीं किया गया। हाई कोर्ट तक को पता नहीं कि एसएलपी सुप्रीम कोर्ट में लिस्ट हुई भी अथवा नहीं? एसीएस का यह तर्क कि एसएलपी की वजह से हाई कोर्ट को आदेश पर अनुपालन रोक देनी चाहिए, भरोसे लायक नहीं लगता। कोर्ट के अनुसार ऐसा लगता है कि एसएलपी को अनुपालन की जांच टालने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल किया गया न कि सुप्रीम कोर्ट से जल्द फैसला लेने की नीयत से।

साफ है कि एसीएस गृह ने खुद जिस उपाय यानी एसएलपी का हवाला देकर हाई कोर्ट के निर्देशों पर अमल रोकने की मांग की थी, उसको ही आगे बढ़ाने में कोई तत्परता नहीं दिखाई।कोर्ट ने यह भी कहा कि वह किसी अधिकारी की मंशा पर अनुमान नहीं लगाएगी, लेकिन घटनाक्रम से यह चिंता जायज है कि एसीएस गृह जांच के मानक सुधारने और कोर्ट का निर्देश लागू करने में हिचक दिखा रहे हैं।

ऐसा रवैया रहा तो पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने वाले सुधार बाधित होंगे। कोर्ट ने केंद्रीय कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग को सिफारिश की है कि वरिष्ठ अधिकारियों को उनके अधीनस्थों के कार्यों के लिए जवाबदेह बनाने हेतु श्रेष्ठ उत्तरदायित्व के सिद्धांत का कानूनी ढांचा तैयार किया जाए। चार्जशीट के कालम-16 में जांच का पूरा विवरण अनिवार्य हो। चार्जशीट दाखिल करने से पहले अभियोजन अधिकारी उसकी समीक्षा करें। एसएसपी/सीपी मासिक अनुपालन रिपोर्ट डीजीपी को दें। कोर्ट ने लालफीताशाही का भी जिक्र किया। कहा, मनमानी पर कोर्ट मूकदर्शक नहीं बनी रह सकती। मुकदमे से जुड़े तथ्य यह हैं कि याची ने अपनी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी की तलाशी के लिए याचिका दायर की थी। याची के अनुसार उसकी बेटी को 10 जून 2025 को आरोपित कल्लू बहला-फुसलाकर ले गया था। झांसी के थाना सिपरी बाजार में प्राथमिकी दर्ज हुई। एक आरोपित गिरफ्तार हुआ, लेकिन बिना असली आरोपित पकड़े 13 अगस्त 2025 को चार्जशीट दाखिल कर दी गई। न्यायालय ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी और उनकी टीम की भी सराहना की जिसने लड़की को सकुशल बरामद कर परिवार से मिलवाया।

फूलपुर थाना क्षेत्र के बाबूगंज बाजार के पास हुआ हादसा

● टीजीटी परीक्षा देकर लौट रहे अभ्यर्थी नीरज सरोज की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फूलपुर/प्रयागराज। प्रयागराज जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में टीजीटी परीक्षा देकर घर लौट रहे एक अभ्यर्थी की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को अस्पताल भिजवाया, लेकिन उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत के अनुसार मृतक की पहचान जौनपुर जिले के सिकरारा थाना क्षेत्र स्थित पुरनी मछली शहर निवासी नीरज सरोज (35) पुत्र लाल बहादुर सरोज के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नीरज गुरुवार को मोटरसाइकिल से प्रयागराज टीजीटी परीक्षा देने आया था। परीक्षा समाप्त होने के बाद वह अपने घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान फूलपुर थाना क्षेत्र के बाबूगंज बाजार के समीप उसकी मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसा इतना गंभीर था कि नीरज को सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही फूलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय भेजा। हालांकि अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। चिकित्सकों ने अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी प्रयागराज पहुंच गए। युवक की असमय मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर बाइक के अनियंत्रित होकर गिरने से हादसा होना बताया जा रहा है, हालांकि दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

'यूपी पंचायत चुनाव की तारीख बताए सरकार', प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाए जाने पर हाई कोर्ट का कड़ा रुख

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव कराने को लेकर रस्साकशी जारी है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। लखनऊ हाई कोर्ट ने सूबे में मौजूदा ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह महीने के लिए आगे बढ़ाने के राज्य सरकार के फैसले पर नाराजगी जताई है। साथ ही राज्य निर्वाचन आयोग पर तीखे सवाल उठाए हैं। हाई कोर्ट ने चुनाव आयोग को साफ निर्देश दिया है कि सरकार अदालत को बताए कि उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव किस तारीख को कराए जाएंगे। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने ग्राम प्रधानों का कार्यकाल छह महीने बढ़ाए जाने पर सख्त रुख अपनाया। इसके अलावा कोर्ट ने पंचायत चुनाव की तारीख को लेकर सवाल उठाया। हाई कोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग से चुनाव तारीख बताने को कहा है। 10 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई पर ओबीसी आयोग की रिपोर्ट कोर्ट में पेश करने का निर्देश सरकार को दिया है। उत्तर प्रदेश में प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को खत्म हो चुका है, लेकिन सरकार ने चुनाव देरी से होने के कारण प्रधानों का कार्यकाल अगले 6 महीने के लिए बढ़ा दिया है। ग्राम प्रधान अब प्रशासनिक कार्यों के लिए प्रशासक के रूप में काम रहे हैं।

राहुल गांधी का बड़ा हमला, 'बीजेपी और RSS आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन से करना चाहते हैं बेदखल'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि बीजेपी और आरएसएस आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन के अधिकारों से वंचित रखना चाहते हैं। पार्टी के आदिवासी प्रकोष्ठ द्वारा कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह टिप्पणी की। उन्होंने 'आदिवासी प्रोफेशनल्स कॉन्क्लेव 2026' में बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने के बाद सभा को संबोधित किया और आदिवासियों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। आदिवासी प्रकोष्ठ के प्रमुख विक्रांत भूरिया ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को पारंपरिक आदिवासी टोपी भी भेंट की। राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट किया, ''आदिवासी भारत के पहले

मालिक हैं जिनमें भारत की ऐतिहासिक चेतना और ज्ञान समाया हुआ है, यही सच्चाई है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और आरएसएस की आदिवासी विरोधी मानसिकता आपको 'वनवासी' का नाम देकर आपके जल, जंगल, जमीन के अधिकारों से वंचित रखना चाहती है। राहुल गांधी ने कहा, ''कांग्रेस पार्टी और मैं आपके अधिकारों का सम्मान करते हैं तथा उनकी रक्षा के लिए हर कदम उठाने को, हर लड़ाई लड़ने को तैयार हैं। डीके शिवकुमार ने हाथ में संविधान लेकर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, खड़गे और राहुल गांधी भी रहे मौजूद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर, के एच मुनियप्पा, के जे जॉर्ज, एम बी पाटिल और रामलिंगा रेड्डी ने मंत्री पद की शपथ ली। इनके अलावा कांग्रेस विधायकों सतीश जारकीहोली, कृष्णा बायरे गौड़ा, प्रियंक खड़गे और यू टी खादर ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

कर्नाटक: डीके शिवकुमार ने हाथ में संविधान लेकर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली खड़गे और राहुल गांधी भी रहे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज- कर्नाटक में आज कांग्रेस नेता डी. के. शिवकुमार ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शिवकुमार को लोक भवन के 'ग्लास हाउस' में आयोजित एक सादे समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। डी के शिवकुमार ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। डीके शिवकुमार के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी परमेश्वर ने शिवकुमार मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। उनके बाद कांग्रेस विधायकों-- के एच मुनियप्पा, के जे जॉर्ज, एम बी पाटिल और रामलिंगा रेड्डी ने मंत्री पद की शपथ ली। इनके अलावा कांग्रेस विधायकों सतीश जारकीहोली, कृष्णा बायरे गौड़ा, प्रियंक खड़गे और यू टी खादर ने भी मंत्री पद की शपथ ली। ईश्वर खंड्रे, यतींद्र सिद्धारमैया, बिरथी सुरेश और डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने मंत्री पद की शपथ ली। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और पार्टी के राज्य प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ पूर्व सीएम सिद्धारमैय्या समेत कई अन्य नेता शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। शपथ लेने से पहले डीके शिवकुमार ने सभी नेताओं का मंच पर गुलदस्ता देकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही आठ बार के विधायक डी.के. शिवकुमार का वह वह सपना साकार हो गया, जिसके लिए उन्होंने लंबे समय तक राजनीतिक संघर्ष किया। सिद्धरमैया ने कांग्रेस आलाकमान के निर्देश के बाद बीते 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और उनके इस कदम से दक्षिण भारत में पार्टी के संकटमोचक माने जाने वाले शिवकुमार के लिए यह पद ग्रहण करने का रास्ता साफ हुआ।

योगी जी, हमें माफ कर दो अब कोई गुनाह नहीं करेंगे..., गाजियाबाद में 150 अपराधियों ने अपराध छोड़ने की ली शपथ

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com जो लिखेगा, वही टिकेगा
ब्रेकिंग न्यूज़

गाजियाबाद में मंगलवार को आपराधिक रिकॉर्ड वाले लगभग 150 लोगों ने हाथ उठाकर शपथ ली और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से माफी मांगने वाले पोस्टर लहराए, और पुलिस पुनर्वास पहल के तहत अपराध का जीवन छोड़ने का संकल्प लिया। पुनर्वास कार्यक्रम के तहत, युवा और मध्यम आयु वर्ग के पुरुषों ने हाथ उठाकर शपथ ली, जिसमें कहा गया कि हम शपथ लेते हैं कि हम भविष्य में कभी कोई अपराध नहीं करेंगे या किसी भी गलत गतिविधि में शामिल नहीं होंगे।

मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत 14 बच्चों को वितरित किए गए लैपटॉप

देवरिया। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) के अंतर्गत आच्छादित बच्चों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से गुरुवार को विकास भवन स्थित गांधी सभागार में लैपटॉप वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर योजना से लाभान्वित 14 बच्चों को लैपटॉप वितरित किए गए। ये सभी बच्चे कक्षा 9 अथवा उससे ऊपर की कक्षाओं में अध्ययनरत हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डिजिटल संसाधनों का बेहतर उपयोग कर छात्र अपनी शिक्षा को नई दिशा दे सकते हैं और भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं। जिला प्रोबेशन विभाग ने बताया कि जनपद में मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) के अंतर्गत कुल 439 बच्चे आच्छादित हैं, जिन्हें शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन जिला बाल संरक्षण इकाई के संरक्षण अधिकारी जय प्रकाश तिवारी ने किया।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य के खिलाफ अधिवक्ताओं प्रदर्शन

● प्रतीकात्मक शव यात्रा निकालकर जताया विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य के खिलाफ गुरुवार को अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने एकत्र होकर प्रधानाचार्य के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की और उनके विरोध में प्रतीकात्मक शव यात्रा निकालकर अपना आक्रोश जताया। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने प्रशासन से मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में शामिल अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मेडिकल कॉलेज प्रशासन के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। अधिवक्ताओं का आरोप था कि संबंधित मामले में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई, जिससे अधिवक्ता समुदाय में रोष व्याप्त है। इसी के विरोध में अधिवक्ताओं ने प्रतीकात्मक शव

यात्रा निकालकर अपना संदेश देने का प्रयास किया। शव यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गई। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर अपनी मांगों को उठाया तथा प्रशासन से निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। अधिवक्ताओं का कहना था कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर न्यायिक कार्यों का बहिष्कार और बड़े स्तर पर विरोध कार्यक्रम भी आयोजित किए जा सकते हैं।

चौपाल, प्रमुख सचिव सहकारिता ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

● पात्रों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने पर दिया जोर, अधिकारियों को मौके पर ही निस्तारण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज, बहरिया। उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव सहकारिता एवं प्रयागराज के नोडल अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने गुरुवार को विकास खंड बहरिया की ग्राम पंचायत किराव में आयोजित जन चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागीय अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी फूलपुर अविनाश यादव भी उपस्थित रहे। जन चौपाल का शुभारंभ प्रमुख सचिव अजय कुमार शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया तथा सर्वोदय स्मृति वाटिका में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टालों का अवलोकन किया और अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। चौपाल में ग्रामीणों को पेंशन योजनाएं, राशन कार्ड, जल जीवन मिशन, आयुष्मान कार्ड, आईसीडीएस, फार्मर रजिस्ट्री, मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, महिला सुरक्षा, निराश्रित महिला पेंशन तथा दिव्यांग पेंशन सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं और शिकायतों को सुनकर उनके समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अपने संबोधन में प्रमुख सचिव अजय कुमार शुक्ला ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की मंशा है कि सभी पात्र लाभार्थियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिले। इसके लिए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने,

पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दिया जा सकता है। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी जी.पी. कुशवाहा, खंड विकास अधिकारी बहरिया कविता तिवारी, ग्राम प्रधान सीमा मौर्य सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। जन चौपाल के माध्यम से शासन और ग्रामीणों के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ, जिससे लोगों को अपनी समस्याएं रखने और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला।

छतनाग रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा: सड़क पार कर रहे युवक की मौत

● बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झूंसी/प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र के त्रिवेणीपुरम के निकट छतनाग रोड के सामने गुरुवार शाम हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में सड़क पार कर रहे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एकत्र हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुरुवार शाम लगभग 4:30 बजे एक युवक सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक मोटरसाइकिल ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं बाइक सवार भी संतुलन खोकर सड़क पर गिर पड़ा और उसे भी गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना

मिलते ही झूंसी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने सड़क पार कर रहे युवक को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल बाइक सवार का उपचार जारी है। हादसे के बाद कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारु कराया और दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया। मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तेल पर खेल, भारत-वेनेजुएला की बड़ी बैठक

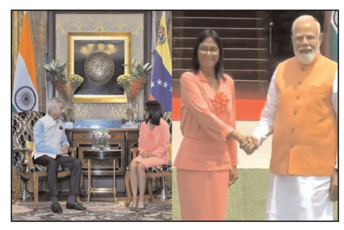

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को नई दिल्ली में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात की और भारत और वेनेजुएला के बीच साझेदारी को मजबूत करने के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की। विदेश मंत्री ने आशा व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रोड्रिगेज़ की मुलाकात से द्विपक्षीय सहयोग में और अधिक वृद्धि होगी। मुलाकात के बाद, विदेश मंत्री जयशंकर ने प्रस्थान किया। रोड्रिगेज़ प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक करेंगे, जिसमें भारत-वेनेजुएला संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा होगी और ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्रों में आगे सहयोग के रास्ते तलाशे जाएंगे।

सीबीआई के जाल में फंसे डाक विभाग के अधिशासी अभियंता, डेढ़ लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

● प्रधान डाकघर प्रयागराज में हुई कार्रवाई, विभाग में मचा हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बृहस्पतिवार को प्रयागराज में बड़ी कार्रवाई करते हुए डाक विभाग के अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) आशीष अग्रवाल को कथित तौर पर डेढ़ लाख रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई प्रधान डाकघर परिसर में की गई, जिससे पूरे विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, सीबीआई को अधिशासी अभियंता द्वारा सुविधा शुल्क मांगने की शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत के सत्यापन और आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद सीबीआई ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। गुरुवार को जैसे ही रिश्वत की रकम का लेनदेन हुआ, पहले से तैनात सीबीआई टीम ने तत्काल छापा मारकर अधिकारी को पकड़ लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार्रवाई के दौरान प्रधान डाकघर परिसर में अचानक हलचल बढ़ गई। सीबीआई अधिकारियों ने मौके पर ही आरोपी अधिकारी से प्रारंभिक पूछताछ की और रिश्वत के रूप में ली गई रकम को अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद कई घंटों तक कार्यालय में जांच-पड़ताल चलती रही।

दस्तावेज खंगाले, कर्मचारियों से भी पूछताछ

सीबीआई टीम ने कार्रवाई के दौरान संबंधित अभिलेखों और दस्तावेजों की भी जांच की।

मामले से जुड़े तथ्यों की पुष्टि के लिए विभाग के कई अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की गई। जांच एजेंसी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रिश्वतखोरी का यह मामला किसी एक व्यक्ति तक सीमित है या इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क सक्रिय है।

औपचारिकताएं पूरी कर आरोपी को साथ ले गई टीम

पूछताछ और आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद सीबीआई की टीम आरोपी अधिशासी अभियंता को अपने साथ ले गई। सूत्रों के मुताबिक आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज

कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विभागीय गलियारों में चर्चा तेज

प्रधान डाकघर में हुई इस कार्रवाई के बाद डाक विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच पूरे दिन चर्चा का माहौल बना रहा। सरकारी विभाग में इतने वरिष्ठ अधिकारी की गिरफ्तारी ने विभागीय कार्यप्रणाली और पारदर्शिता को लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

सीबीआई करेगी नेटवर्क की जांच

सीबीआई अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि कथित रिश्वत की मांग किन परिस्थितियों में की गई थी और क्या इस प्रकरण में अन्य अधिकारी या कर्मचारी भी किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व विधायक बेनी प्रसाद गुप्ता के निधन पर पूर्व विधायक अकील अख्तर जताया गहरा शोक

पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अकील अख्तर ने पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ जननेता बेनी प्रसाद गुप्ता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बेनी प्रसाद गुप्ता के निधन से पाकुड़ सहित पूरे क्षेत्र ने एक अनुभवी, जनप्रिय एवं समर्पित जनप्रतिनिधि को खो दिया है। पूर्व विधायक अकील अख्तर ने अपने शोक संदेश में कहा कि बेनी प्रसाद गुप्ता ने अपने राजनीतिक जीवन में सदैव जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी तथा क्षेत्र के विकास एवं सामाजिक उत्थान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, जनसेवा के प्रति समर्पण तथा सभी वर्गों के लोगों के प्रति आत्मीय व्यवहार उन्हें जनता के बीच विशेष पहचान दिलाता था। उन्होंने कहा कि बेनी प्रसाद गुप्ता का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा तथा उनके द्वारा किए गए जनहित के कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे। पूर्व विधायक अकील अख्तर ने शोकाकुल परिजनों एवं उनके शुभचिंतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

सोलर जलमिनार ठीक होने से लोगों को मिली राहत

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- आखिरकार मध्य विद्यालय नारायणपुर के समीप खराब जलमिनार की मरमत हो गई तथा लोगों को यहां से पानी मिलना आरंभ हो गया है। गौरतलब है कि पिछले दिनों जल मिनार खराब होने के कारण यहां से लोगों को पानी मिलना बंद हो गया था, जिसकी खबर दैनिक जागरण ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी। खबर का असर हुआ है तथा पंचायत के मुखिया मुनि मरांडी और पंचायत समिति सदस्य पवन पोद्दार की पहल पर खराब जल मिनार को ठीक किया गया है। इस भीषण गर्मी में लोगों को यहां से पानी मिलाना आरंभ हो गया है, जिससे लोगों को राहत मिली है। इस जलमिनार से पानी के लिए नारायणपुर बस स्टैंड, महतोडीह , नारायणपुर बाजार के कई टोला, मोहल्ले के लोग पानी के लिए पूरी तरह से जलमिनार निर्भर थे। इसके अलावे मध्य विद्यालय नारायणपुर और राहगीरों को भी यहां से पानी मिलता है। यहां का पानी काफी स्वच्छ है जो पूरे नारायणपुर में सबसे बेहतर माना जाता है। दूर दराज से भी लोग यहां पानी लेने आते हैं ताकि इसका उपयोग दाल बनाने में किया जा सके। सकारात्मक पहल के लिए यहां के लोगों ने पंचायत प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया है। यहां बताते चले कि करीब 10 वर्ष पूर्व 14 वें वित्त आयोग की राशि से नारायणपुर मध्य विद्यालय के समीप सोलर जलमिनार लगाया गया था, जो काफी लाभप्रद साबित हुआ है। यहां से लोगों को भरपूर और शुद्ध पानी मिल रहा है।

सहरसा मिड-डे मील कांडः 189 बच्चों के बीमार पड़ने पर पटना हाईकोर्ट सख्त, जांच में देरी पर RFSL निदेशक तलब

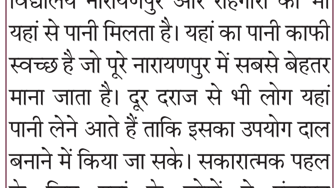

पटना। सहरसा जिले के महिषी प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय, बलुआहा में मिड-डे मील खाने के बाद 189 स्कूली बच्चों के बीमार पड़ने के मामले में पटना हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए जांच प्रक्रिया में हुई देरी और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर चिंता जताई। न्यायाधीश राजीव रंजन प्रसाद एवं न्यायाधीश मोहित कुमार शाह की खंडपीठ ने स्वतः संज्ञान से दर्ज मामले की सुनवाई करते हुए बिहार सरकार के निदेशक, एमडीएम/पीएम पोषण द्वारा दायर हलफनामे पर असंतोष व्यक्त किया। खंडपीठ ने कहा कि पूर्व में दिए गए निर्देशों के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सरकार ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। कोर्ट ने एमडीएम/पीएम पोषण निदेशालय को सभी संबंधित विभागों, अधिकारियों और हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

सीबीएसई की चर्चा के क्रम में पवन खेड़ा का आरएसएस पर कटाक्ष, कांग्रेस का चिरसंचित कुसंस्कार : हिन्दू विचार मंच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- केंद्रीय शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की मार्किंग में गड़बड़ियों को लेकर (यद्यपि सरकार तत्परता से कार्रवाई में जुटी है) केंद्र सरकार की कटु आलोचना के क्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा का यह कहना कि सरकार चाहती है कि बच्चे पढ़ें नहीं, मूर्ख बने रहें और शाखाओं में जाकर मस्जिदों के सामने नाचें, पर हिन्दू विचार मंच ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मंच ने कहा है कि आरएसएस हिन्दू सांस्कृतिक मूल्यों के आधार पर राष्ट्रीय भावना के प्रति समर्पित एक सांस्कृतिक संगठन है। उस पर कटाक्ष करना कांग्रेस पार्टी का चिरसंचित कुसंस्कार है। एक सवाल के जवाब में मंच ने कहा कि ऐसी निंदनीय टिप्पणी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों का मनोबल बढ़ाने वाली है। हिन्दू विचार मंच, पाकुड़िया इकाई ने अपनी तीव्र प्रतिक्रिया में आगे कहा कि सरकार की आलोचना करने के क्रम में आरएसएस पर अनावश्यक कटाक्ष कर खेड़ा जी सत्ता गंवाने की खीझ निकाल रहे हैं। मंच ने प्रश्न उठाया कि अब तक कांग्रेस की किसी भी सरकार ने संघ के विरुद्ध लगाए गए विभिन्न आरोपों को प्रमाणित करने में देश के समक्ष सफलता क्यों नहीं प्राप्त की? मंच ने कहा कि महात्मा गांधी जी की हत्या के आरोप में संघ पर प्रतिबंध लगाया गया था, पर बाद में उसे हटा लिया गया। कांग्रेस के नेता निराधार आरोप लगाकर निस्संदेह भारत-विरोधी तत्वों को संरक्षण प्रदान कर रहे हैं। मंच का कहना है कि संघ की अनावश्यक निंदा कांग्रेस के नेता करते रहे हैं, परंतु भारत में होती रही आतंकी घटनाओं, जम्मू-कश्मीर में जारी आतंकी घुसपैठ और आतंकी वारदातों पर वे चुप्पी साध लेते हैं। मंच ने जोर देकर कहा कि इंडी गठबंधन के नेता सनातन को मिटाने की बातें करते रहे हैं और संघ की बिना प्रमाणिक तथ्यों के निंदा करते रहे हैं, लेकिन पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी घटनाओं, व्हाइट टेरर, झांगुर कांड, धर्मांतरण तथा आतंकी मॉड्यूल जैसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों की निंदा नहीं करते। इसके बजाय वे भारत सरकार और सेना का मनोबल गिराने में गर्व का अनुभव करते रहे हैं।

मंच ने यह भी कहा कि व्हाइट टेरर, पीएफआई, धर्मांतरण तथा विभिन्न अवसरों पर सामने आए इस्लामिक मॉड्यूल के मामलों पर कांग्रेस क्यों नहीं बोलती? मंच के अनुसार पवन खेड़ा और कांग्रेस पार्टी

को भली-भांति ज्ञात होना चाहिए कि सोवियत संघ की प्रसिद्ध पत्रिका 'प्रावदा' ने एक समय संघ के कार्यक्रमों और उसकी राष्ट्रीय भक्ति की सराहना करते हुए कहा था कि विश्व में मानव निर्माण करने का एक ही कारखाना है और वह भारत का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ है। कई दिनों पूर्व पाकिस्तान के कुछ नागरिकों ने भी संघ की राष्ट्रीय भावना तथा कार्यक्रमों की सराहना की है। मंच ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी लंबे समय तक भारत में मुस्लिम भाइयों को संघ के विरुद्ध भड़काकर वोट लेती रही, लेकिन उनके उत्थान की वास्तविक चिंता नहीं की। जबकि भाजपा की सरकारों ने मुस्लिम समाज को देश की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी प्रगति में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उनके हितों को प्राथमिकता देना राष्ट्रीय धर्म है।

वर्षा से लोगों को मिली तीखी धूप व भीषण गर्मी से राहत

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः- 4 जून को हुई रिमझिम बारिश से धूप की प्रखर किरणों एवं भीषण गर्मी से आम जनजीवन को राहत मिलती दिखी। हालांकि वर्षा के साथ तेज हवा तथा बिजली गरजती रही। इसके पूर्व भी हल्की वर्षा से खेतों में नमी रहने के कारण 25 मई से धान के बीज डालने के लिए कृषक खेतों की जुताई में लग गए हैं। कृषकों का मानना है कि फिलहाल बीज डालने का समय अनुकूल है और किसान पूरी लगन के साथ खेतों में धान के बीज डालने में जुटे हैं। पूछने पर कृषकों ने बताया कि अभी अधिक वर्षा की आवश्यकता नहीं है। बीज डालने के बाद हल्की बारिश होती रहे तो बीज बढ़ने में सुविधा होगी। वहीं दूसरी ओर किसानों का मानना है कि यदि इन दिनों भारी वर्षा होती रही तो बाद में पानी की कमी से खेती प्रभावित हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस साल सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। वर्षा से प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया की कई सड़कों पर जल जमाव तथा पक्की नालियों में पानी भरने से दुर्गंध फैलने की आशंका भी दिखाई दे रही है।

युवक की मौत से गाँव में शोक, मुखिया ने परिजनों से मिलकर दिलाया मदद का भरोसा

● इकलौते कमाने वाले व्यक्ति की मौत से पत्नी बेसहारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखंड के करियातपुर पंचायत अंतर्गत ग्राम सलोन निवासी 24 वर्षीय विकास कुमार पिता प्रयाग प्रजापति की अचानक हुई मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। युवा अवस्था में हुई इस असामयिक मौत से परिजनों के साथ-साथ ग्रामीण भी स्तब्ध हैं। ग्रामीणों ने बताया कि विकास कुमार अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। वे मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। पिछले लगभग छह माह से वे गंभीर रूप से बीमार चल रहे थे और इलाज के लिए कर्ज लेकर उपचार करा रहे थे। लगातार बीमारी से जूझने के बाद उनकी अचानक मौत हो गई, जिससे उनकी पत्नी पूरी तरह बेसहारा हो गई है। घटना की जानकारी मिलने पर

करियातपुर पंचायत के मुखिया मनोज कुमार शोकाकुल परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि विकास कुमार की असामयिक मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में पंचायत उनके परिवार के साथ खड़ी है तथा सरकार एवं प्रशासन से संपर्क कर हरसंभव सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मुखिया ने संबंधित अधिकारियों से पीड़ित परिवार को सरकारी योजनाओं एवं आर्थिक सहायता का लाभ दिलाने की मांग करने की बात भी कही। मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी पूरन राम, मोहन प्रजापति, राजेश प्रजापति, मो. वसीम, मो. मूर्तजा, गणेश पंडित, तुलसी राम,इमाम अंसारी, लाली प्रजापति, घनु प्रजापति, नरेश प्रजापति सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

खान सर को पूछताछ के लिए दोबारा बुला सकती है पुलिस

● पटना में चर्चित शिक्षक खान सर के दो बॉडीगार्डों ने कथित गोलीबारी की बात कबूल कर ली है, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। पुलिस अब इस मामले में खान सर उर्फ फैजल खान से पुलिस ने पूछताछ की, जरूरत पड़ी तो फिर से दोबारा बोला सकती है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। पटना में चर्चित शिक्षक और यूट्यूबर खान सर एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गए हैं। उनके दो बॉडीगार्डों की गिरफ्तारी के बाद मामला और गंभीर हो गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, कथित फायरिंग मामले में गिरफ्तार दोनों गार्डों से पूछताछ के दौरान अहम जानकारियां सामने आई हैं। इसी के साथ अब जांच की आंच सीधे खान सर उर्फ फैजल खान तक पहुंचती दिखाई दे रही है।

गार्ड गिरफ्तार, पुलिस ने शुरू की गहन पूछताछ

पटना पुलिस ने फायरिंग मामले में खान सर के दोनों बॉडीगार्ड प्रदीप और तालेश्वर को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान दोनों ने घटना से जुड़े कई सवालों के जवाब दिए हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि फायरिंग किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे की पूरी कहानी क्या है।

जांच के घेरे में आए खान सर

गार्डों की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस की नजर खान सर पर भी है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने उनके कोचिंग संस्थान पहुंचकर भी पूछताछ की है। सूत्रों का दावा है कि फैजल खान से भी मामले को लेकर सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। हालांकि पुलिस की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

गिरफ्तारी की चर्चाओं ने बढ़ाई हलचल

जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे खान सर की संभावित गिरफ्तारी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि अभी तक किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी कार्रवाई से पहले पुलिस जांच में मिले तथ्यों और सबूतों का आकलन करेगी।

बॉडीगार्ड के बयान से बदला केस का रुख

सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान दोनों गार्डों ने फायरिंग से जुड़ी बात स्वीकार की है। इसी खुलासे के बाद पुलिस ने मामले की जांच का दायरा बढ़ा दिया है। अब यह

पता लगाया जा रहा है कि घटना की जानकारी किस-किस को थी और क्या किसी स्तर पर निर्देश या सहमति का मामला जुड़ा हुआ था।

कोचिंग और गोलीबारी कांड के बीच बढ़ा दबाव

पहले से चर्चा में चल रहे पटना कोचिंग विवाद के बीच यह नया मामला खान सर के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है। सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक इस मामले की चर्चा हो रही है। छात्रों के बीच लोकप्रिय खान सर अब कानूनी जांच के केंद्र में नजर आ रहे हैं।

पुलिस की अगली कार्रवाई पर सबकी नजर

फिलहाल पटना पुलिस मामले के हर पहलू की जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या जांच की कड़ियां खान सर तक पहुंचेंगी या फिर वह सिर्फ पूछताछ तक ही सीमित रहेंगे। आने वाले दिनों में पुलिस की अगली कार्रवाई पर सभी की नजर टिकी हुई है।

जनगणना को लेकर बीडीओ ने की पर्यवेक्षकों की बैठक

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंडः- नारायणपुर प्रखंड सभागार में गुरुवार को जनगणना को लेकर बीडीओ देवराज गुप्ता ने पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि नौ जून तक कार्य समाप्त करना है। नारायणपुर प्रखंड क्षेत्र का काम ठीक ठाक है, इसे और बेहतर करने की आवश्यकता है। बैठक में कहा गया कि एक गांव में 90 फीसदी लोग बाहर नहीं रह सकते हैं। शौचालय है और इसका उपयोग नहीं कर रहें हैं तो उनकी गलती है। जनगणना के प्रथम चरण में प्रगणक मुख्य रूप से मकानों की सूची बनाने, डिजिटल मेंपिंग करने, मकान नंबर दर्ज करने का कार्य कर रहे हैं। जिसमें घर की सुविधाओं की जानकारी लेने जैसे मकान कैसी बनी है, पेयजल, बिजली, शौचालय, रसोई गैस की अद्यतन जानकारी देना, परिवार के सदस्यों की कुल संख्या, मुखिया का नाम भी भरना है। पूरी प्रक्रिया मोबाइल टैबलेट से होगी।लोग स्वगणना भी कर रहें हैं जब प्रगणक घर आए तो इसे साझा भी करना है। इस अवसर पर शिशु धीवर, बादल मंडल, छक्कू दास, सौरभ मालवीय, सुबोध कुमार, नवीन सिन्हा आदि उपस्थित थे।

औद्योगिक विकास को गति देने पर मुख्यमंत्री का जोर

● झारक्राफ्ट में नवाचार और निवेश बढ़ाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रांची, झारखण्डः- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में उद्योग विभाग की योजनाओं, परियोजनाओं और कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए राज्य में औद्योगिक विकास को नई गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि औद्योगिक विकास की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाया जाए ताकि राज्य में निवेश, रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार हो सके। उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की औद्योगिक संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। इसके लिए निवेशकों को आकर्षित करने हेतु योजनाबद्ध प्रयास किए जाएं, जिससे राज्य में आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिले और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हों। बैठक में झारक्राफ्ट की गतिविधियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद विकसित किए जाएं और युवाओं, विशेषकर नई पीढ़ी को इस क्षेत्र से जोड़ा जाए। साथ ही झारक्राफ्ट उत्पादों की बिक्री और प्रदर्शन को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों से जोड़ने की योजना तैयार करने को कहा। मुख्यमंत्री ने झारखंड की समृद्ध कला, संस्कृति और हस्तशिल्प को आधुनिक स्वरूप देकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। समीक्षा के दौरान माटी कला बोर्ड की गतिविधियों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने पारंपरिक शिल्पकारों–लौह-कर्म, काष्ठ-कर्म और कुम्भकारी जैसे व्यवसायों से जुड़े कारीगरों–को सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये परंपरागत व्यवसाय राज्य की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन आधुनिक तकनीक और औद्योगिक उत्पादों के बढ़ते प्रभाव से इनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। ऐसे में इन शिल्पकारों की कला और कौशल को संरक्षित करते हुए उन्हें नई संभावनाओं से जोड़ना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिल्पकारों की पहचान, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण तथा आधुनिक डिजाइन और तकनीक से उन्हें जोड़ने के लिए ठोस पहल की जाए। उन्होंने कहा कि कारीगरों को संगठित कर उनके उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाई जाए और उन्हें बाजार से जोड़ने के लिए विशेष रणनीति तैयार की जाए, जिससे उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित हो सके। उन्होंने लकड़ी और मिट्टी से बने उत्पादों का मूल्य संवर्धन कर उन्हें आकर्षक, आधुनिक और बाजारोन्मुख स्वरूप में विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही इन उत्पादों की प्रभावी ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विपणन व्यवस्था सुनिश्चित करने पर बल दिया, ताकि उन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान मिल सके। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य की प्रमुख औद्योगिक अवसंरचनात्मक

परियोजनाओं, विशेषकर लॉजिस्टिक पार्क और वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लॉजिस्टिक पार्क के विकसित होने से परिवहन, भंडारण और वितरण प्रणाली मजबूत होगी, जिससे उद्योगों की लागत कम होगी और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी। वहीं वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के निर्माण से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापारिक संपर्क बढ़ेंगे तथा निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन परियोजनाओं से जुड़ी सभी बाधाओं को शीघ्र दूर कर समन्वित प्रयासों के माध्यम से निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूरा किया जाए, ताकि झारखंड को देश के उभरते औद्योगिक और निवेश केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। बैठक में उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, उद्योग विभाग के सचिव अरवा राजकमल, झारक्राफ्ट की प्रबंध निदेशक गरिमा सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पटना में 20 हजार रिश्वत लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार, दाखिल-खारिज मामले में हुई कार्रवाई

फुलवारी शरीफ। फुलवारी शरीफ अंचल में तैनात राजस्व कर्मचारी राणा रणविजय सिंह को निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने गुरुवार को 20 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद निगरानी की टीम उन्हें अपने साथ पटना ले गई, जहां आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, मैनपुर अंडा पंचायत क्षेत्र के एक फरियादी ने निगरानी विभाग से शिकायत की थी कि उसके दाखिल-खारिज के मामले के निष्पादन के लिए राजस्व कर्मचारी राणा रणविजय सिंह 20 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद निगरानी की टीम ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें आरोप सही पाए गए। सत्यापन के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और गुरुवार को राणा रणविजय सिंह को रिश्वत की राशि लेते हुए पकड़ लिया। बताया जाता है कि राणा रणविजय सिंह करीब छह माह पहले पुनपुन अंचल से स्थानांतरित होकर फुलवारी शरीफ आए थे। उनके कार्य व्यवहार को लेकर आम लोगों के बीच लगातार शिकायतें मिल रही थीं। सूत्रों के अनुसार, राणा रणविजय सिंह अगले वर्ष सेवानिवृत्त होने वाले थे। निगरानी की इस कार्रवाई से राजस्व विभाग में हड़कंप मच गया है।

चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2026, 26 से 28 जून तक सरला बिरला विश्वविद्यालय रांची में होगी आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- झारखंड के युवा फिल्मकारों और मास कम्युनिकेशन के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन आगामी 26 से 28 जून तक सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में किया जा रहा है। यह फिल्म फेस्टिवल विशेष रूप से झारखंड के युवाओं और स्थानीय फिल्म निर्माताओं को समर्पित है। फेस्टिवल में केवल झारखंड के फिल्मकारों द्वारा निर्मित फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही चयनित फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित होगी, जिससे नए और उभरते फिल्मकारों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। फेस्टिवल आयोजन समिति की ओर से यह निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक चयनित फिल्म के निर्माता एवं निर्देशक के लिए विश्वविद्यालय परिसर में निःशुल्क आवास एवं भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इस प्रकार की सुविधा सामान्यतः बड़े और व्यावसायिक फिल्म समारोहों में ही देखने को मिलती है। इससे दूर-दराज़ के प्रतिभागियों को भी इस आयोजन में सहज रूप से भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। फेस्टिवल में 20 से अधिक श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे तथा कुल पुरस्कार राशि 3,00,000

से अधिक होगी। यह आयोजन झारखंड के फिल्म निर्माण क्षेत्र में कार्य कर रहे युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक और सम्मानजनक मंच सिद्ध होगा। यह प्रसन्नता की बात है कि झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों में मास कम्युनिकेशन एवं फिल्म अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों से इस आयोजन को लेकर अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है। कई संस्थानों के फैकल्टी सदस्य तथा पूर्व विद्यार्थी भी इस पहल को सक्रिय सहयोग और समर्थन दे रहे हैं। चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल का उद्देश्य केवल फिल्म प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि झारखंड में रचनात्मक सिनेमा संस्कृति को विकसित करना, युवाओं को सार्थक फिल्म निर्माण के लिए प्रेरित करना तथा आने वाले समय में राज्य से उत्कृष्ट फिल्मकार तैयार करना है। यह जानकारी फिल्म फेस्टिवल निर्देशक नन्द कुमार सिंह ने दी है और साथ झारखंड के सभी युवा फिल्मकारों, विद्यार्थियों और सिनेमा प्रेमियों से इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता की अपील की है।

वनजनक नंदिनी सीता को राजमहल में नहीं देख कुपित हुए महर्षि विश्वामित्र : मदन माधुर्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखण्डः- महर्षि विश्वामित्र की अकस्मात अयोध्या आने की सूचना से राजमहल इस सोच में पड़ गया कि कहीं माता जानकी को राजमहल में नहीं पाकर वे कुपित न हो जाएं। उनके पहुंचने के पूर्व ही राजमहल आवभगत में पूरी तरह जुट गया और राजमहल के सभी सेवक सावधान हो गए। महर्षि के राजभवन पधारने की सूचना से राजमाताएं इस बात से चिंतित दिखीं कि संभवतः वे सीता को राजमहल में नहीं पाकर कहीं विश्वामित्र क्रोधित न हों। नियत समय पर महर्षि विश्वामित्र का आगमन राजभवन में हुआ। यथोचित सम्मानपूर्वक उनका हार्दिक अभिनंदन श्रीराम जी ने करते हुए कुशल-क्षेम भी पूछा। हाथ जोड़कर खड़े अयोध्यापति श्रीरामचंद्र जी से महामुनि विश्वामित्र जी ने माता जानकी जी को राजदरबार में न देख विस्मित स्वर में कहा – 'राम, बेटी सीता कहां है?' इस पर बड़े विनम्रतापूर्वक श्रीराम बोले – 'मुनिवर, आप तो सर्वज्ञ हैं, आप स्वयं देख लें। ' नयनों को बंद कर महर्षि सभी बातों व घटनाओं से अवगत हुए। इसी बीच काशी नरेश अपनी समस्याओं को लेकर राजभवन पहुंचे, लेकिन उन्होंने महर्षि विश्वामित्र को नमन नहीं किया और अतिथि गृह चले गए। ऐसा अनादर देख विश्वामित्र काफी कुपित हुए और काशी नरेश को दंडित करने की आज्ञा राम को दी। श्रीराम की माया श्रीराम ही जानें। ऐसे रहस्यों को जानना तथा भक्त-भगवान के प्रेम की प्रगाढ़ता की गहराई को समझना हम सामान्य जनों के लिए संभव नहीं है, पर यह सत्य है कि सच्चे भक्तों के वश में भगवान रहते हैं। उल्लेखनीय है कि माता कैकेयी को दिए गए वचनों का अक्षरशः पालन करने हेतु श्रीराम 14 वर्षों के वनवास के क्रम में संन्यासी वेश में श्रीराम, जानकी व लक्ष्मण के साथ प्रस्थान कर गए। पूरे तेरह वर्षों तक चित्रकूट में व्यतीत करते हुए श्रीराम ने प्रियजनों व मुनियों से भेंट की तथा महाबलशाली दानवों का संहार कर भक्तों का कल्याण किया। सीता हरण एवं रावण वध के उपरांत श्रीरामचंद्र जी माता जानकी को साथ लेकर पुनः सेना सहित चित्रकूट पहुंचे। एक वर्ष के पश्चात माता के आगमन से वानर सेना हर्षित थी, लेकिन इससे भी अधिक उत्कंठा उन्हें मां के दर्शन की थी। माता जानकी रथ से उतरकर अग्नि में प्रवेश करती हैं तथा पुनः अग्नि से बाहर आती हैं। यह देख वानर सेना आह्लादित हो गई और 'सिया-राम' की जय-जयकार करते हुए माता को नमन कर आशीष लिया। इस मांगलिक क्षण में सभी आनंदित दिखे और प्रकृति भी अनुपम उल्लास से मां जानकी का हार्दिक अभिनंदन करती रही। परंतु इस प्रमुदित क्षण में लक्ष्मण जी ने क्रोध एवं आवेश भरे शब्दों में अपने भैया श्रीराम से कहा – 'यह क्या? आपने माता सीता की अग्नि परीक्षा क्यों ली भैया?' ऐसा कहते हुए लक्ष्मण जी विकल होकर बोले – 'भैया, यह कैसा न्याय है?' और रो पड़े। लक्ष्मण की विकलता देख बड़े ही शांत और सौम्य भाव से श्रीराम जी बोले – 'लक्ष्मण, यह अग्नि परीक्षा कतई नहीं है। एक दिन तुम अन्य दिनों की तरह लकड़ी लाने वन गए थे। उसी अवसर पर मैंने सीता से कहा था – 'सीते, मैं तुम्हें अग्निदेव को सौंपता हूं। लंका से लौटकर मैं तुम्हें लेने आऊंगा।' ' इन विस्मयकारी बातों को सुनकर लक्ष्मण की उत्सुकता बढ़ी और वे इस रहस्यमयी घटना को और विस्तार से सुनने को अभिलाषी दिखे। तब श्रीराम जी पुनः कहने लगे – 'लक्ष्मण, हमें यह जानकारी मिली थी कि लंकापति दशानन सीता का हरण करने वाला है। इसी कारण मैंने सीता को अग्नि में प्रवेश करने को कहा था। लक्ष्मण, सीता सती नारी हैं और सती नारी को छूने का भी साहस रावण करता तो वह तत्क्षण ही जलकर नष्ट हो जाता। तब मैं ऐसे अत्याचारी एवं महापराक्रमी राक्षस रावण का अंत कैसे करता? तुम सबने यह देखा कि मेरी असली सीता अग्नि से बाहर आ रही है और रथ से उतरकर अग्नि में प्रवेश करने वाली वह सीता की छाया थी, जिसे रावण छल से हरण कर ले गया था। ' इसके उपरांत पुष्पक विमान से चौदह वर्षों का वनवास पूर्ण कर दशरथनंदन श्रीराम, जानकी, लक्ष्मण सहित हनुमान, सुग्रीव एवं विभीषण अयोध्या लौटे। अपने प्रिय राजा राम के अयोध्या लौटने पर नगरवासी अपूर्व उत्साह में खुशियां मनाते हुए एक-दूसरे को बधाई देने लगे। राजमहल में शहनाइयां बजने लगीं और दीपों से पूरी अयोध्या नगरी सज गई। श्रीराम ने राजमहल में प्रवेश करते ही सर्वप्रथम माता कैकेयी को नमन कर आशीष लिया और उनका कुशल-क्षेम पूछा। अयोध्या में सर्वत्र खुशियां छाई रहीं और नगर के लोग हर्षोल्लास में मग्न थे। जबकि इसी नगरी में एक ऐसा व्यक्ति भी था जिसने अपनी पत्नी को घर में प्रवेश नहीं करने दिया। उसने कहा – 'हम राम नहीं हैं जो रावण के यहां रहने के बाद सीता को अपने घर में आने दें। ' श्रीराम की पवित्र नगरी अयोध्या में क्या ऐसे निंदनीय लोग भी निवास करते हैं? यह सोचकर नगरवासी अत्यधिक चिंतित दिखे। गुप्तचरों को इसकी पूरी जानकारी थी, परंतु ऐसी

आपत्तिजनक सूचना राजा राम को देने का साहस किसी ने नहीं किया। कानों-कान चर्चा से बात नगर में फैलने लगी। तब श्रीराम ने कड़ाई से गुप्तचरों से सत्य जानना चाहा। बड़ी कठिनाई एवं संकोच के साथ अश्रुपूरित नेत्रों से उन्होंने सारी बातें कह सुनाई। श्रीराम जी रघुवंशी हैं और प्रजाजनों की सेवा ही उनका मूल धर्म है। नीति कहती है कि धार्मिक राजा के समक्ष धर्मसंकट नहीं होता। अतः श्रीरामचंद्र जी ने गर्भावस्था में ही अपनी भार्या माता जानकी को लक्ष्मण के साथ वनवास भेज दिया। यद्यपि आरोप लगाने वाले व्यक्ति ने अपनी भूल स्वीकार करते हुए श्रीराम से क्षमा याचना भी की। वहीं श्रीराम ने मां जानकी के वियोग में पूर्णतः राजसी भोग-विलास त्याग कर संन्यासी जीवन व्यतीत किया। परंतु अश्वमेध यज्ञ की पुणीत वेला में श्रीराम जी ने शास्त्रों की आज्ञा अनुसार माता सीता जी की स्वर्ण प्रतिमा स्थापित कर यज्ञ की पूर्णाहुति की। यह सत्य है कि इक्ष्वाकु वंश में रघु, दिलीप, शिवि, भागीरथ आदि अनेक महान राजा हुए और उन्होंने प्रजाजनों की सेवा की, परंतु मर्यादा पुरुषोत्तम केवल श्रीराम ही कहलाए। श्रीरामचंद्र जी का बाल्यकाल से लेकर प्राण विसर्जन तक का प्रत्येक कर्म अनुकरणीय है और रहेगा। भविष्य में भी कोई मर्यादा पुरुषोत्तम नहीं बन पाएगा।

संक्षिप्त खबरें

जीजा और सालों के बीच हुई मारपीट

कोंच(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परैथा में बहन को ससुराल छोड़ने आए तीन सालों और उनके जीजा के बीच विवाद के बाद मारपीट हो गई। घटना में बीच-बचाव करने पहुंची बहन को भी चोटें आई हैं। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परैथा निवासी अरविंद कुमार की ससुराल मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ जिले के सदगुआ में है। बुधवार की शाम अरविंद के साले आकाश, सचिन और सुरेश सदगुआ से अपनी बहन रश्मि को उसकी ससुराल परैथा छोड़ने आए थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर अरविंद और उसके सालों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जीजा तथा सालों को कोतवाली ले आई। पुलिस ने मामले में सुरेश, सचिन और अरविंद के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है।

रास्ते को लेकर उत्पन्न विवाद की एसडीएम से की शिकायत

कोंच। तहसील क्षेत्र के ग्राम सदूपुरा में पैतृक संपत्ति से जुड़े रास्ते को लेकर विवाद सामने आया है। गांव के रहने वाले हाकिम सिंह पुत्र सुखलाल ने गुरुवार को एसडीएम से शिकायत कर पड़ोसी पर आम रास्ते को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप कर शांति व्यवस्था बनाए रखने की मांग की है। शिकायती पत्र के अनुसार, हाकिम सिंह का कहना है कि उनकी पैतृक संपत्ति के समीप लगभग छह फीट चौड़ा रास्ता है, जिसका उपयोग वह और उनके परिवार के लोग वर्षों से आवागमन के लिए करते आ रहे हैं। उनका आरोप है कि पड़ोसी, जिनका पहले से पूर्व दिशा में दरवाजा बना हुआ है, अब पश्चिम दिशा में स्थित करीब आठ फीट ऊंची दीवार को तोड़कर नया दरवाजा खोलने की तैयारी कर रहे हैं। हाकिम सिंह का दावा है कि यदि उक्त स्थान पर नया दरवाजा बनाया जाता है तो आम रास्ता प्रभावित होगा, जिससे न केवल उनके परिवार बल्कि आसपास के अन्य लोगों के आवागमन में भी परेशानी उत्पन्न हो सकती है। जब उन्होंने इस कार्य का विरोध किया तो उन्हें धमकियां दी गईं। उन्होंने एसडीएम से मांग की है कि संबंधित दीवार को तोड़कर नया दरवाजा बनाने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए। एसडीएम हेमंत पटेल ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कर नियमानुसार उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

एसीजेएम और सिविल जज न्यायालय के लिए वकीलों ने सौंपा ज्ञापन

तालबेहट। तहसील बार एसोसिएशन तालबेहट ने जनपद के प्रभारी मंत्री को ज्ञापन सौंपकर तालबेहट में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) एवं सिविल जज (जूनियर डिवीजन) न्यायालय स्थापित किए जाने की मांग उठाई है। अधिवक्ताओं का कहना है कि यह मांग पिछले करीब 35 वर्षों से लगातार की जा रही है। ज्ञापन में बताया गया कि तहसील क्षेत्र के कई गांव झांसी जनपद की सीमा से लगे हुए हैं तथा ललितपुर मुख्यालय की दूरी 80 किलोमीटर से अधिक होने के कारण वादकारियों को न्यायालय पहुंचने में समय और धन दोनों की परेशानी उठानी पड़ती है। परिवहन सुविधाओं के अभाव में कई लोगों को एक दिन पहले मुख्यालय पहुंचना पड़ता है। बार एसोसिएशन ने दावा किया है कि न्यायालय संचालन के लिए आवश्यक भवन एवं कक्ष तैयार हैं। ज्ञापन के दौरान बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिराम श्रीवास, एड0हरिराम राजपूत,महामंत्री कृपाल सिंह राजपूत के नेतृत्व में सौंपा गया।

ब्रह्मचारिणी उर्मिला जैन के निधन पर विनयांजलि सभा आयोजित

तालबेहट। सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा आयोजित शोक सभा में कपड़ा व्यवसायी अरुण कुमार, अतुल कुमार एवं अमन जैन की पूजनीय माता तथा चौधरी अशोक कुमार जैन की भाभी, सप्तम प्रतिमाधारी ब्रह्मचारिणी उर्मिला जैन के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। उपस्थित जनों ने दिवंगत आत्मा को विनयांजलि अर्पित करते हुए उनके धार्मिक एवं सामाजिक योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर कमल मोदी, संत प्रसाद मिठया, प्रकाशचंद्र जैन, प्रवीन भंडारी, चक्रेश कुमार, अरुण मोदी, राकेश जैन, जितेंद्र कुमार, विशाल पवा, सौरभ जैन, अभिषेक सहित अन्य श्रद्धालुओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। उधर, नगर उद्योग व्यापार मंडल की शोक सभा में भी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। शोक व्यक्त करने वालों में नगर अध्यक्ष सुनील त्रिपाठी 'बाबा', आशीष लक्ष्यकर, राकेश चौरसिया, रविंद्र गुप्ता, रंजीत साहू सहित अन्य व्यापारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जल संकट से जूझ रहा अंजानी ग्राम पंचायत, मरम्मत के नाम पर 90 हजार की निकासी, धरातल पर कार्य नदारद

● ग्रामीणों का आरोप- हैंडपंप आज भी खराब, पानी के लिए भटकने को मजबूर लोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर /सोनभद्र- विकास कार्यों में पारदर्शिता और ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के सरकारी दावों के बीच अंजानी ग्राम पंचायत में हैंडपंप मरम्मत कार्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत द्वारा हैंडपंप मरम्मत के नाम पर लगभग 90 हजार रुपये की निकासी कर ली गई, लेकिन धरातल पर कार्य नगण्य दिखाई देता है। ग्रामीणों का कहना है कि जिन हैंडपंपों की मरम्मत का भुगतान दर्शाया गया है, उनमें से कई आज भी खराब पड़े हैं। पेयजल संकट से जूझ रहे लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है। गर्मी के मौसम में स्थिति और भी विकट हो गई है।

ग्रामीणों ने बताया कि कई बार पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का आरोप है कि सरकारी धन का उपयोग कागजों में दिखाकर बंदरबांट की गई है, जबकि गांव में जल संकट लगातार बना हुआ है।

फोटो में भी ग्रामीण खराब पड़े हैंडपंप के पास एकत्र होकर विरोध जताते दिखाई दे रहे हैं। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मरम्मत कार्य वास्तव में कराया गया होता तो उन्हें पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ता। ऐसे मामलों में अन्य राज्यों और जिलों में भी जांच के दौरान हैंडपंप मरम्मत के नाम पर कागजी भुगतान और वास्तविक कार्य न मिलने जैसी अनियमितताएं सामने आ चुकी हैं।

ग्रामीणों की मांग- हैंडपंप मरम्मत कार्य की उच्चस्तरीय जांच हो, खर्च की गई राशि का सामाजिक अंकेक्षण कराया जाए, दोषी अधिकारियों एवं जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो और गांव में तत्काल पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

एडीओ पंचायत का पक्ष मामले में जब

एडीओ पंचायत से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अंजानी ग्राम पंचायत क्षेत्र काफी बड़ा है, ऐसे में संभव है कि मरम्मत सूची में कोई एक हैंडपंप छूट गया हो। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों द्वारा जिस हैंडपंप की समस्या बताई गई है, उसे तत्काल प्रभाव से मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए हैं।एडीओ पंचायत ने यह भी आश्वासन दिया कि यदि संबंधित क्षेत्र में पेयजल संकट अधिक गंभीर पाया जाता है, तो ग्रामीणों को राहत पहुंचाने के लिए तत्काल टैंकर के माध्यम से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि किसी भी ग्रामीण को पेयजल के लिए परेशानी न उठानी पड़े और शिकायत मिलने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शराब पार्टी में आधा दर्जन लोगों ने युवक को लाठी-पत्थरों से पीटकर किया लहूलुहान, हालत गंभीर

मडावरा। जनपद के मड़ावरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गिदवाहा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक शराब पार्टी के दौरान हुए मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक, गांव में चल रही शराब पार्टी के दौरान अचानक कहासुनी हो गई, जिसके बाद वहां मौजूद करीब आधा दर्जन दबंगों ने मिलकर 20 वर्षीय युवक छोटू गंधर्व पर लाठी-डंडों और पत्थरों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस जानलेवा हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे आनन-फानन में परिजनों द्वारा 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ावरा में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका उपचार किया जा रहा है। वहीं, वारदात की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल अस्पताल पहुंची और घायल युवक के बयान दर्ज कर हमलावरों के खिलाफ मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

शराब के लिए रुपये न देने पर धमकी देने का लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कस्बे के मोहल्ला प्रताप नगर में एक मजदूर ने मोहल्ले के ही एक व्यक्ति पर शराब पीने के लिए रुपये मांगने, गाली-गलौज करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित मजदूर ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रताप नगर निवासी कपिल पुत्र शिवकुमार ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। 3 जून की शाम करीब 7 बजे वह अपने घर के बाहर चबूतरे पर बैठा हुआ था। इसी दौरान मोहल्ले का एक व्यक्ति उसके पास आया और शराब पीने के लिए उससे रुपए की मांग करने लगा। उसने रुपए देने से मना कर दिया तो उक्त व्यक्ति भड़क उठा और उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। इतना ही नहीं, उसने धमकी दी कि यदि उसे शराब के लिए रुपये नहीं दिए तो वह उसे मोहल्ले में चैन से नहीं रहने देगा।

कपिल का कहना है कि आरोपी व्यक्ति अक्सर नशे की हालत में मोहल्ले के लोगों के साथ अभद्र व्यवहार करता है और खुद के ही शरीर को नुकसान पहुंचाकर दूसरों को झूठे मामलों में फंसाने की धमकी भी देता रहता है। पीड़ित ने कहा कि लगातार मिल रही धमकियों के कारण उसका परिवार भय और तनाव में जीवन यापन कर रहा है। उसने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कचनरवा में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में लगी आग, लाखों का सामान जलकर हुआ खाख

● कोन थाना क्षेत्र के कचनरवा की घटना, मची अफ़रा तफ़री और कोई जनहानि नहीं हुई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र- स्थानीय थाना क्षेत्र के कचनरवा में बुधवार देर शाम लगभग, 7.45 बजे विनोद जायसवाल पुत्र कुंजबिहारी जायसवाल, बागेसोती रोड के मकान में गैस सिलेंडर में लीकेज की वजह से आग लग गई। जिससे अफरा तफरी का माहौल हो गया। जिसकी सूचना मिलते ही डॉयल 112 व स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। बताते चले कि स्थानीय पुलिस व स्थानीय प्रशासन के सहयोग व आदर्श पब्लिक उ. मा. विद्यालय के अग्निशामक यंत्र से आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। संयोग अच्छा रहा कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।जिसके क्रम में मकान मालिक विनोद जायसवाल ने बताया कि किचन में रखा फ्रीज व खाद्य सामग्री सहित बिजली का सामान लगभग लाखों रुपए का नुकसान हो गया।जिसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार अग्नि शामक यंत्र उपलब्ध कराने वाले आदर्श पब्लिक स्कूल के प्रबंधक धनंजय तिवारी की लोगों ने किया सराहना। आग बुझाने में प्रमुख रूप से अनूप जायसवाल , मनोज यादव, विनोद जा. राजेश सिंह, सुनील जायसवाल, राजनारायण जायसवाल, छविंद्र नाथ सहित स्थानीय प्रशासन का प्रमुख योगदान रहा। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील किया कि गैस सिलेंडर की नियमित जांच कराएं और सिलेंडर के पास कोई भी ज्वलनशील पदार्थ न रखें। भीगी जूट की बोरी/कंबल/ सुखी रेत/ अग्नि शामक यंत्र जरूर रखें एवं तत्काल अग्नि शामक विभाग/आपात कालीन सेवा को तत्काल सूचित करें। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से स्थानीय स्तर पर फायर ब्रिगेड वाहन उपलब्ध कराने की मांग किया है।

राजेश बने सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष

ब्लॉक सफाई कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी का विस्तार

तालबेहट। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की तालबेहट ब्लॉक इकाई का विस्तार करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संघ के ब्लॉक अध्यक्ष पद पर राजेश कुमार रजक को दूसरी बार जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी में भगवानदास अहिरवार को ब्लॉक मंत्री, वीरेन्द्र अहिरवार को कोषाध्यक्ष, रामकुमार निषाद को संगठन मंत्री, धनीराम कुशवाहा को ब्लॉक संरक्षक तथा नरेश अहिरवार को ब्लॉक संरक्षक मंत्री नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने, सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान तथा उनके हितों की रक्षा के लिए सक्रियता से कार्य करने का संकल्प लिया। संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

आम रास्ते पर अवैध कब्जे से आक्रोशित ग्रामीणों ने की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच। रामपुर सनेता गांव में आम रास्ते पर कथित अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। गुरुवार को ग्रामीणों ने एसडीएम से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के कतिपय लोगों ने सार्वजनिक रास्ते पर लिड़ौरी बना दी है और पशु बांधकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है जिससे ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उक्त मामले को लेकर सिविल जज जूनियर डिवीजन कोंच की अदालत में वाद संख्या 173/2025 दायर किया गया था, जिसे न्यायालय ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया था लेकिन इसके बावजूद भी उक्त अतिक्रमण नहीं हटाया गया और रास्ता अब भी बाधित बना हुआ है। ग्रामीणों ने 25 फरवरी 2026 को भी इस संबंध में

एसडीएम को प्रार्थना पत्र दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने प्रशासन से सार्वजनिक मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। शिकायत करने वालों में बाबूलाल, शोभाराम, जसमंत सहित अन्य लोग शामिल रहे। एसडीएम ने सीओ पुलिस को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी गांव के रहने वाले लालू पुत्र शोभाराम ने अलग से शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि एक व्यक्ति ने सरकारी हैंडपंप में समर्सेबिल पंप डालकर उस पर अवैध रूप कब्जा कर लिया है।

इस तरह सार्वजनिक जलस्रोत के निजी उपयोग के कारण गांव में पेयजल संकट गहरा गया है और ग्रामीणों को स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि सरकारी हैंडपंप से समर्सेबिल पंप हटवाकर उसे पुनः सार्वजनिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराया जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम कोंच ने दोनों शिकायतें सीओ कोंच को अग्रसारित करते हुए शीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई एवं निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

केंद्र सरकार के गौरवपूर्ण 12 वर्ष पूर्ण होने पर जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान की तैयारियों की समीक्षा

● 05 जून से 21 जून तक जनपद में आयोजित होंगे विभिन्न जनहितकारी कार्यक्रम, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वितरित किए गए स्मार्ट मोबाइल फोन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ केंद्र सरकार के सफल एवं जनसेवा को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 05 जून से 21 जून, 2026 तक आयोजित होने वाले समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान की तैयारियों के संबंध में जनपद के उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के माननीय प्रभारी मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के सफल, प्रभावी एवं व्यापक क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक को संबोधित करते हुए माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने विगत 12 वर्षों में गरीब कल्याण, किसान हित, महिला सशक्तिकरण, युवा विकास, आधारभूत संरचना, सामाजिक सुरक्षा एवं सुशासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। इन उपलब्धियों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों, जनसंवादों, विकास प्रदर्शनी, लाभार्थी संपर्क कार्यक्रमों, स्वच्छता गतिविधियों, पौधरोपण कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान माननीय प्रभारी मंत्री द्वारा जनपद की पांच आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को डिजिटल सशक्तिकरण के उद्देश्य से स्मार्ट मोबाइल फोन वितरित किए गए। इन मोबाइल फोनों के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां पोषण ट्रैकर ऐप एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ऐप पर कार्य करते हुए लाभार्थियों तक योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचा सकेंगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक, तकनीक-सक्षम एवं अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डिजिटल उपकरणों के माध्यम से विभागीय योजनाओं की निगरानी एवं क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी, जिससे महिलाओं एवं बच्चों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद को निदेशालय स्तर से कुल 2099 स्मार्ट मोबाइल फोन प्राप्त हुए हैं। इनका वितरण सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं मुख्य सेविकाओं को चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। मोबाइल फोन उपलब्ध होने से विभागीय योजनाओं के संचालन में तकनीकी दक्षता बढ़ेगी तथा लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से प्राप्त हो सकेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने कहा कि जनपद में अभियान को पूरी गंभीरता एवं प्रभावी रणनीति के साथ संचालित किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के माध्यम से आमजन को विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ लाभार्थियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान भी सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ब्लॉक स्तर तक कार्यक्रमों का सफल आयोजन कर अभियान को जन-जन से जोड़ने का कार्य करें। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अभियान के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों एवं तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। समीक्षा के दौरान जनपद स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सदर विधायक भूपेश चौबे, घोरावल विधायक डॉ0 अनिल कुमार मौर्य, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख रॉबर्ट्सगंज अजीत रावत, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगें रोहित यादव जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

'जल बचाओ, जीवन बचाओ' पोस्टर प्रतियोगिता में महिलाओं की रचनात्मकता चमकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सुरसुंदरी संभाग महरौनी द्वारा 'जल बचाओ, जीवन बचाओ' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संभागीय अध्यक्ष श्रीमती रश्मि मलैया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजन को प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती माधवी शाह (ग्वालियर) एवं प्रांतीय सचिव श्रीमती मधु बड़जात्या (ग्वालियर) का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने जल संरक्षण का संदेश देते हुए आकर्षक एवं रचनात्मक पोस्टर प्रस्तुत किए। घोषित परिणामों में श्रीमती सुमी सिंघई (महरौनी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय स्थान पर संयुक्त रूप से श्रीमती प्राची मलैया (महरौनी) एवं श्रीमती मधु मैनवार (टीकमगढ़) रहीं, जबकि श्रीमती किरण जैन (टीकमगढ़) ने तृतीय स्थान हासिल किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए श्रीमती सुषमा देवड़िया, श्रीमती शिल्पी जैन, श्रीमती मीना शाह एवं श्रीमती प्रतिभा जैन को

सांत्वना पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्था ने सभी प्रतिभागियों एवं विजेताओं को बधाई देते हुए जल संरक्षण के प्रति उनके प्रयासों की सराहना की।

अवैध शराब के खिलाफ आबकारी टीम का बड़ा एक्शन

● शहर से लेकर एनएच-44 तक ताबड़तोड़ दबिश, 70 लीटर कच्ची शराब के साथ 4 गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी के निर्देशन में गुरुवार को आबकारी टीम ने पूरी मुस्तैदी दिखाते हुए शहर के भीतर और बाहरी इलाकों में एक साथ व्यापक चेकिंग व दबिश की कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने सिद्दन मैदान, इलाइट चौराहा, नेशनल हाईवे-44, ग्रेविटी, बार एम्ब्रोसिया कॉलोनी, रघुनाथपुरा नहर, मसौरा, बैरियर, गोविन्दसागर बांध और रेलवे स्टेशन सहित जनपद के विभिन्न संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर अचानक छापेमारी की।

इस चौतरफा कार्रवाई से अवैध शराब के कारोबारियों में हड़कंप मच गया। दबिश के दौरान आबकारी टीम ने मौके से कुल 4

अभियुक्तों को रंगे हाथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। इसके साथ ही टीम ने अभियुक्तों के कब्जे से कुल 70 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर जब्त की है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने साफ लहजे में चेतावनी दी है कि जिले में नशे के इस काले कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा और अवैध शराब के निर्माण, बिक्री व परिवहन के खिलाफ यह सख्त धरपकड़ अभियान आगे भी इसी तरह लगातार जारी रहेगा।

खोए मोबाइल लौटाकर पुलिस ने लौटाई मुस्कान

तालबेहट। कोतवाली की साइबर हेल्प डेस्क टीम ने खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके स्वामियों को सौंपते हुए लोगों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी। पुलिस ने करीब 32 हजार रुपये कीमत के तीन मोबाइल फोन बरामद कर संबंधित मोबाइल धारकों को सुपुर्द किए। पुलिस अधीक्षक ललितपुर मो. मुश्ताक के निर्देशन में साइबर हेल्प डेस्क को प्राप्त मोबाइल गुमशुदगी संबंधी प्रार्थना पत्रों पर कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों के आधार पर भारत सरकार के सीईआईआर पोर्टल पर मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर अपलोड कर तकनीकी विश्लेषण किया। जांच के दौरान पुलिस ने एक इनफिनिक्स हॉट 30आई, एक आईटेल तथा एक वीवो वाई-19 मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद मोबाइल फोन माधवी ठाकुर निवासी कड़ेसरा कला, बल्लू अहिरवार निवासी बिगारी तथा बालकिशन निवासी ककड़ारी को सौंपे गए। मोबाइल वापस मिलने पर लाभार्थियों ने पुलिस प्रशासन और थाना तालबेहट की कार्यशैली की सराहना की। बरामदगी अभियान में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार वर्मा, उपनिरीक्षक विकास कुमार तथा कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-बी नागेश साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अटल आवासीय विद्यालय से युवाओं के सपनों को मिल रही उड़ान

● निर्माण श्रमिकों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा दिलाने पर योगी सरकार का जोर

सोनभद्र में सीबीएसई पैटर्न पर संचालित विद्यालय में श्रमिकों के बच्चे रच रहे कीर्तिमान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- प्रदेश की योगी सरकार द्वारा मीरजापुर मंडल के सोनभद्र जिले के गुरमुरा में संचालित अटल आवासीय विद्यालय युवाओं के सपने साकार करने का माध्यम बन रहा है। यहां मंडल के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को सीबीएसई पैटर्न पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। इससे निराश्रित और गरीब परिवार के बच्चों के सपनों को एक नई उड़ान मिली है। उनके भीतर उज्ज्वल भविष्य को लेकर आत्मविश्वास भी जागा है। प्रधानाचार्य बिनोद कुमार मंडल ने बताया कि शिक्षण सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6 में अब तक 160 सीटों के सापेक्ष 150 छात्रों का प्रवेश लिया जा चुका है जबकि कक्षा 9 में 64 सीटों के सापेक्ष 54 छात्रों ने अभी तक प्रवेश लिया है। वर्तमान में 820 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक युग में छात्रों को अधिक से अधिक तकनीकी रूप से दक्ष बनाया जा सके इसके लिए योगी सरकार इस विद्यालय में बच्चों को आईटी और कम्प्यूटर साइंस की शिक्षा प्रदान करने पर विशेष ध्यान दे रही है। इस वर्ष 2026-27 में शुरू होने जा रहे ग्यारहवीं कक्षा में कम्प्यूटर साइंस का विषय विकल्प के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। कम्प्यूटर शिक्षण के लिए विद्यालय में पीजीटी कम्प्यूटर शिक्षक का पद सृजित किया गया है। विद्यालय में बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए योगा, शारीरिक व्यायाम व खेलकूद की भी सुविधा सुनिश्चित की गई है। प्रधानाचार्य ने बताया कि वर्ष 2025-26 में हाईस्कूल के प्रथम बैच के 118 छात्रों में से 108 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण कीं। छात्र अमित कुमार ने सर्वाधिक 83 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। 82.20 प्रतिशत अंकों के साथ रागिनी दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सत्यम ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सरकार विद्यालय में निरंतर सुविधाओं का विस्तार करते हुए पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के पात्र बच्चों को गुणवत्तापूर्ण निशुल्क शिक्षा प्रदान करने के मकसद से अटल आवासीय विधायक का संचालन कर रही है। मीरजापुर, भदोही व सोनभद्र के उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चे एवं कोविड - 19 के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चे तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत पात्र बच्चे प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं। गौरतलब है कि अटल आवासीय विद्यालय, गुरमुरा का उद्घाटन 11 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अटल आवासीय विद्यालय वाराणसी से वर्चुअल माध्यम से किया था।

आदिवासी परिवार की 27 एकड़ पट्टे की जमीन पर दबंगों का कब्जा

डीएम ने 3 दिन में कार्रवाई का दिया आश्वासन

ललितपुर। जनपद की तालबेहट तहसील के अंतर्गत ग्राम पुरा पाचोनी से दबंगों द्वारा भू-माफियागिरी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जहां एक पीड़ित आदिवासी परिवार की करीब 27 एकड़ बेशकीमती जमीन पर दबंगों ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। जानकारी के अनुसार, प्रशासन द्वारा करीब 50 साल पहले इस जमीन का पट्टा उक्त गरीब आदिवासी परिवार के नाम किया गया था और वर्तमान में भी सरकारी राजस्व दस्तावेजों में इस भूमि पर आदिवासी परिवार का ही मालिकाना हक दर्ज है, इसके बावजूद रसूखदार दबंग पीड़ित परिवार को उनकी खुद की जमीन से बेदखल किए हुए हैं। अपनी जमीन को वापस पाने के लिए दर-दर भटक रहे पीड़ित परिवार ने जब जिलाधिकारी की चौखट पर पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई, तो मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने संज्ञान लिया और राजस्व व पुलिस टीम को निर्देशित करते हुए पूरे मामले में अगले 3 दिन के भीतर जांच कर कड़ी विधिक कार्रवाई का ठोस आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त खबरें

टीबी एवं सांस रोग से पीड़ित आजीवन कारावास प्राप्त बंदी की जिला चिकित्सालय में मौत

प्रतापगढ़। जिला कारागार के जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी ने बताया है कि सिद्धदोष बंदी राधेश्याम आयु लगभग 72 वर्ष पुत्र राम खेलावन निवासी-गोगौर थाना-बाघराय जनपद-प्रतापगढ़ धारा-147, 149,323,325,302 आईपीसी थाना-बाघराय जनपद-प्रतापगढ़ को 18 जुलाई1983 को आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया गया था उक्त बन्दी 26 मई को न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश से जिला कारागार वापस लाया गया।बन्दी राधेश्याम को पूर्व में ही फलमोनरी टीबी हुयी थी और सांस की मरीज था।बन्दी राधेश्याम को 26 मई को कारागार चिकित्सालय में भर्ती कर इलाज जारी हुआ। गुरुवार को प्रातः बन्दी को समस्या हुयी।कारागार अस्पताल से वांछित लाभ न होने के कारण तत्काल जिला चिकित्सालय प्रतापगढ़ भेजा गया। जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी एवं टीबी के चिकित्सक द्वारा बन्दी की जांच की गयी तथा बन्दी को समय प्रातः लगभग 06:56 बजे मृत घोषित कर दिया गया।आगे पंचायतनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्यवाही की गई।

महुली वृद्धाश्रम में 'मेरा युवा भारत' ने कार्यक्रम आयोजित किया

प्रतापगढ़। मेरा युवा भारत एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को महुली स्थित वृद्धाश्रम में फल एवं जूस वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने वृद्धजनों के बीच पहुंचकर उनका हालचाल जाना और उनके साथ समय बिताकर सम्मान, सेवा एवं मानवता का संदेश दिया।श्याम नारायण पटेल ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी सेवा करना हर व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। युवाओं को ऐसे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ समय बिताना आत्मिक सुख की अनुभूति कराता है। समाज में सेवा और सम्मान की भावना को मजबूत करने के लिए युवाओं को लगातार आगे आना चाहिए।इस दौरान सभासद महुली दीपक कुमार उमरवैश्य, शुभम उमरवैश्य, अविका प्रसाद आदि लोग उपस्थित रहे।

धारदार हथियार से युवक की नृशंस हत्या, मंदिर के पास मिला शव

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना महाराज पुर क्षेत्र अंतर्गत शेखपुर किशुनपुर के युवक की धारदार हथियार से गर्दन काट कर हत्या कर दी गई है, परिजनों ने पड़ोसी पर हत्या का आरोप लगाया है, मामले की शुरू कर दी गई है, बड़ी बेटी निशा ने बताया कि बुधवार देर रात करीब 11 बजे पड़ोस में रहने वाली चाची रामदुलारी भागते हुए आई,उसने बताया कि खून से लथपथ तुम्हारे पापा शिव मंदिर के पास पड़े मिले हैं, हम लोग वहां पहुंचे, तो देखा कि पापा की गर्दन कटी हुई थी, अधिक मात्रा में खून बह रहा था, अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई, परिवार में मां, पत्नी किस्ना, के अलावा, तीन बेटियां, निशा, मनीषा, शगुन, और सबसे छोटा बेटा राज हैं, आपको बताते चलें कि मृतक पहले प्राइवेट कालीशंकर घर में इकलौता था बड़े भाई और पिता की काफी पहले मौत हो चुकी है,, परिजनों ने बताया कि हत्या करने के बाद आरोपी जिस ओर भागा तो वहां तक खून के निशान बने हुए हैं, परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले युवक पर हत्या का आरोप लगाया है, महाराज पुर थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिव्यांग युवक-युवती के विवाह पर मिलेगा रूपये 15 हजार से 35 हजार तक अनुदान

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी अभय कुमार श्रीवास्तव ने बताया है कि शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत युवक के दिव्यांग होने की दशा में रूपये 15000 व युवती के दिव्यांग होने की दशा में रूपये 20000 तथा युवक-युवती दोनो के दिव्यांग होने की दशा में रूपये 35000 धनराशि प्रदान की जाती है। उन्होने पात्रता के सम्बन्ध में बताया है कि विवाह के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो, युवती की उम्र 18 वर्ष से कम एवं 45 वर्ष से अधिक न हो, दम्पति में कोई भी आयकर दाता न हो, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिये।ऐसे दिव्यांग दम्पति पात्र होंगे जिनका विवाह गत वित्तीय वर्ष एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में हुआ हो।उन्होने बताया है कि इच्छुक दिव्यांग दम्पत्ति वर्तमान वर्ष एवं गत वित्तीय वर्ष में सम्पन्न शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु आनलाईन http://divyangjan.upsdc.gov.in पर आवेदन कर सकते है।

सरकारी धन के गबन के आरोप पर भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण के खिलाफ सीबी आई जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। बहु-राज्यीय सहकारी संस्था 'भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास एवं निर्माण लिमिटेड' में तथा कथित करोड़ों का घोटाला चर्चा का विषय बना हुआ है। नियमों को ताक पर रखकर कथित अवैध रूप से चुनाव कराने का भी आरोप लगाते हुए लगभग 70 करोड़ का बताया जाने वाला यह घोटाला उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भी फिर, जाने के खिलाफ मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग भी सरकार से की गई है। इस संस्था के खिलाफ पूर्व में भी प्रथम सूचना रिपोर्ट भी दर्ज होने की बात कही गई है।

शासन प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को इस बारे में दिए गये प्रार्थना पत्र के मुताबिक लालबाग, लखनऊ में पंजीकृत कार्यालय वाली इस संस्था के पूर्व प्रबंध निदेशक वी. कुमार (विजय कुमार) और स्वयं को सरकारी महाप्रबंधक बताने वाले बेलसर गोंडा के पवन कुमार पांडे पर अपने पदों का दुरुपयोग करने, कूटरचित फर्जी दस्तावेज बनाने और जाली शासनादेश तैयार कर शासकीय धन का गबन करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

करोड़ों के घोटाले के साथ ही संस्था का चुनाव भी अवैध रूप से जबरन और मनमाने तरीके से कराने का भी आरोप लगाते हुए भारतीय को-ऑपरेटिव ग्रामीण विकास निर्माण लिमिटेड, लखनऊ के पूर्व सदस्य चौक निवासी प्रदीप कुमार गोयल द्वारा दिए गए शिका यती पत्र के मुताबिक अपने को महाप्रबंधक बताने वाले पवन कुमार पांडे ने नियोजन विभाग के कुछ अधीनस्थ अधिकारियों की मिलीभगत से इस मल्टी-स्टेट कॉपरेटिव संस्था को उत्तराखंड में 'निगम' के रूप में फर्जी तरीके से सूचीबद्ध करा लिया, जानकार सूत्रों के साथ ही शिकायत कर्ताओं का भी दावा है कि इसके बाद ही इस संस्था ने उत्तराखंड में लगभग 70 करोड़ रुपये का बड़ा घोटाला किया है।

उत्तर प्रदेश ,मध्य प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से की गई शिकायत के अनुसार संस्था द्वारा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जनपद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व सांसद विनय कटियार एवं पूर्व सांसद रमेश दुबे की सांसद निधि से 2 करोड़ रुपये का गबन किया गया। इसके अलावा बख्शी का तालाब, लखनऊ स्थित महानिदेशक क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान में लगभग 5 करोड़ रुपये और उत्तराखंड सरकार में अन्य मदों के 40 करोड़ रुपये के शासकीय धन का गबन किया जा चुका है। प्रदीप कुमार गोयल समेत कई अन्य शिकायत कर्ताओं ने दिए गए प्रार्थना पत्र में चुनाव प्रक्रिया में नियमों की भारी अवहेलना का भी आरोप लगाया है। मसलन मल्टी-स्टेट कॉपरेटिव एक्ट 2023 के संशोधन के बाद, धारा 120 के अंतर्गत संस्था ने चुनाव कराने के लिए अब तक कोई ऑडिट रिपोर्ट दर्ज नहीं की है और न ही अपने बाय-लॉज में आवश्यक संशोधन किए हैं। शिकायत कर्ताओं का दावा है कि आर टी आई से प्राप्त सेंट्रल रजिस्ट्रार के दस्तावेजों के अनुसार, वर्तमान में समिति का कोई भी अधिकृत कर्मचारी या प्रबंध निदेशक पद पर नहीं है; सभी ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है, जिसकी प्रतियां जिलाधिकारी/निर्वाचन अधिकारी लखनऊ और चुनाव आयोग को भेजी जा चुकी हैं।

प्रदीप कुमार गोयल के मुताबिक आपत्तियों आदि की जांच पूरी हो जाने के बाद निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी लखनऊ द्वारा संस्था के संबंधित चुनाव के संदर्भ में बीती 28 मई की शाम को अंतिम सूची जारी होनी थी। 23 मई तक सदस्य सूची में उत्तर प्रदेश के 49, मध्य प्रदेश के 51 और उत्तराखंड के 48 सदस्य थे। लेकिन निर्धारित तिथि व नियमों को दरकिनार करते हुए 29 मई की शाम को अचानक नई सूची जारी कर दी गई, जिसमें उत्तर प्रदेश के 52 और उत्तराखंड के 49 सदस्य दिखा दिए गए। जबकि नियमानुसार, यदि किसी राज्य में सदस्य संख्या 50 से कम है, तो वहां की स्थिति और पूर्व में इस्तीफा दे चुके सदस्यों का नाम बिना कारण बताए सूची में शामिल करना सीधे तौर पर चुनाव प्रक्रिया को दूषित करता है। आरोप यह भी है कि संस्था के इस भ्रष्टाचार और अवैध चुनाव का विरोध करने वाले पूर्व सदस्य प्रदीप कुमार गोयल जब अपनी वैध आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे, तो उन पर कथित फर्जी महाप्रबंधक पवन कुमार पांडे के 25-30 सशस्त्र गुर्गों द्वारा जानलेवा हमला किया गया। जिसमें वह बाल-बाल बचे। मामले में संस्था के अध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला, लेखाकार आशीष कुमार पाठक के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर प्रभावी कार्रवाई के साथ पूरे नेटवर्क की जांच सीबीआई से भी कराने की मांग कई पूर्व सदस्यों ने भी की है।

कानपुर में मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का हमला, बोले ये कॉकरोच पार्टी नहीं, बगुला पार्टी हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर के प्रभारी और उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने तृत्व को विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें बगुला पार्टी कहा,और उन पर अवसरवादिता की राजनीति करने का आरोप लगाया, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल को भारत के उत्थान का स्वर्णिम काल बताते हुए कहा कि भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, कानपुर के प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने गुरुवार को सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में विपक्ष पर तीखा हमला बोला, उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल कॉकरोच पार्टी की तरह हर परिस्थिति में केवल अपना अस्तित्व बचाने की राजनीति करते हैं कॉकरोच पार्टी नहीं बगुला पार्टी हैं,इन दलों के पास न कोई स्पष्ट नीति है और न ही संविधान लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता है, प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने वह उपलब्धियां हासिल की हैं,जिनकी दशकों तक केवल कल्पना की जाती थी, उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में 12 वे स्थान पर रहा,भारत आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, और जल्द ही तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। उच्च शिक्षा मंत्री एवं कानपुर नगर के प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर दशकों पुरानी समस्या का समाधान किया, आतंकवाद को ए खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और आपरेशन सिंदूर जैसी निर्णायक कार्रवाईयो ने दुनिया को भारत की नई शक्ति एहसास कराया है, अब भारत आतंकवाद का जवाब घर में घुसकर देने की क्षमता रखता है,,पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीति स्पष्ट है, दोषी कितना भी प्रभावशाली हो बक्सा नहीं जाएगा,नीट परीक्षा विवाद पर विपक्ष द्वारा केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे की मांग को राजनीतिक नौटंकी बताते हुए उन्होंने कहा कि बिना किसी कानूनी आधार के केवल आरोप लगाकर इस्तीफा मांगना लोकतंत्र का मज़ाक़ उड़ाने जैसा है, उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, केदारनाथ, बद्रीनाथ धाम का पुनर्विकास में भारत की सांस्कृतिक चेतना की नई ऊर्जा दी, वहीं जीएसटी, नोट बंदी, और माओवाद पर प्रभावी नियंत्रण जैसे फैसलों ने शासन की दृढ़ इच्छा शक्ति को साबित किया।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत जून भर चलेगा विशेष अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

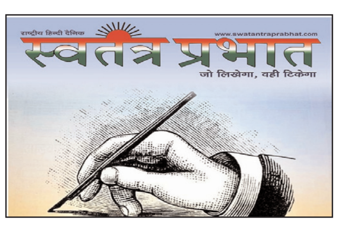

प्रतापगढ़। अपर उपजिलाधिकारी/परियोजना अधिकारी डूडा सीमा भारती ने बताया है कि शहरी क्षेत्र के पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उन्हें विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के अंतर्गत जनपद में एक माह 01जून से 30 जून 26 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा।

परियोजना अधिकारी ने बताया कि 'स्वनिधि से समृद्धि' कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, पीएम श्रम योगी मानधन योजना, वन नेशन-वन राशन कार्ड, जननी सुरक्षा योजना तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित आठ प्रमुख केंद्रीय योजनाओं से जोड़ा जाएगा। उन्होंने बताया कि पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत पात्र पथ विक्रेताओं को प्रथम चरण में 15 हजार रुपये, द्वितीय चरण में 25 हजार रुपये तथा तृतीय चरण में 50 हजार रुपये तक का कार्यशील पूंजी ऋण उपलब्ध कराया जाता है। ऋण प्राप्त करने के लिए किसी प्रकार की गारंटी या बंधक की आवश्यकता नहीं होती। समय से अथवा समय पूर्व ऋण चुकाने वाले लाभार्थियों को 7 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी का लाभ भी प्रदान किया जाता है। इसके अलावा डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहित करने के लिए लाभार्थियों को प्रतिमाह 100 रुपये तक तथा प्रतिवर्ष 1200 रुपये तक कैशबैक की सुविधा भी दी जाती है। प्रथम ऋण की समयबद्ध अदायगी करने वाले लाभार्थियों को अधिक राशि का अगला ऋण प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

सक्रिय गैंग लीडर मस्सन की सात लाख रुपए की अवैध चल संपत्ति कुर्क

प्रतापगढ़। जिला मजिस्ट्रेट अभिषेक पाण्डेय द्वारा अभियुक्त मस्सन द्वारा अपराध से अर्जित अवैध आय से खरीदी गई चल संपत्ति हुंडई क्रेटा डीजल कार संख्या क्र72 BL-3055 अनुमानित मूल्य 7,00,000 रुपए को कुर्क करने का आदेश पारित किया गया।उक्त आदेश के अनुपालन में थानाध्यक्ष कोतवाली देहात उ0नि0 पुष्पराज सिंह मय हमराह द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए वाहन को धारा 14(1) उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत कुर्क किया गया।उल्लेखनीय है कि अभियुक्त मस्सन एक सक्रिय गैंग लीडर एवं शातिर अपराधी है, जिसके विरुद्ध हत्या के प्रयास, लूट, बलवा, सरकारी कार्य में बाधा, आर्म्स एक्ट, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम एवं गैंगस्टर एक्ट सहित कुल 12 गंभीर आपराधिक अभियोग पंजीकृत हैं। अभियुक्त द्वारा आपराधिक गतिविधियों से अर्जित अवैध धन से संपत्तियां अर्जित की गई थीं, जिनके विरुद्ध विधिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की गई है।

नये प्रभारी मंत्री ने 05 जून से 21 जून तक आयोजित कार्यक्रमों की तैयारियों के सम्बन्ध में की बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद में 05 जून से 21 जून तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा हेतु विकास भवन सभागार में जनपद के प्रभारी मंत्री व राज्यमंत्री संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग मयंकेश्वर शरण सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, मुख्य विकास अधिकारी डा0 राममोहन मीना, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के प्रारम्भ में प्रभारी मंत्री ने जनपद के समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया।बैठक में जिलाधिकारी ने प्रोजेक्टर के माध्यम से जनपद में 05 जून से 21 जून तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कार्ययोजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते बताया कि 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जायेगा।08 जून से 14 जून तक विशेष जन सम्पर्क एवं जनजागरूकता कार्यक्रम,11 जून से 14 जून के मध्य में मीडिया सम्बोधन एवं संवाद में केन्द्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों एवं योजनाओं के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु पीपीटी के माध्यम से प्रेसवार्ता आयोजित की जायेगी। 14 जून से 16 जून तक जन कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेला आयोजित किया जायेगा जिसमें विकास खण्डों में त्रिदिवसीय मेलो के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जायेगा। 16 जून से 17 तक विकसित भारत संकल्प सम्मेलन का आयोजन, 17 जून से 20 जून तक तुलसीसदन हादीहाल में विकास की प्रदर्शनी लगायी जायेगी, 18 जून से 19 तक प्राकृतिक खेती की कार्यशालाएं एवं 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें तथा अभियान के दौरान 05 जून से 21 जून तक रात्रि चौपाल कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने सभी विभागों को अभियान की अवधि में प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने के लिए आवश्यक है कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करें, जिससे आमजन को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। प्रभारी मंत्री ने लोक निर्माण विभाग, जल निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा तथा अभियान को जनभागीदारी के साथ सफल बनाया जाएगा। बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के साथ श्री रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ

सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायत अहिरौली पड़री स्थित पडेश्वर नाथ शिव मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा एवं श्री रुद्र महायज्ञ के शुभारंभ के अवसर पर गुरुवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश यात्रा सुबह 11 बजे मंदिर परिसर से शुरू होकर रोहांव बुजुर्ग, गुलरिहा और मनिकौरा होते हुए राप्ती नदी के गंगापुर तट पहुंची। यहां यज्ञाचार्य अंशु तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से कलश पूजन कराया। इस अवसर पर कथा व्यास राकेश शास्त्री महाराज सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कथा संयोजक शुभम मिश्रा ने बताया कि 11 जून तक प्रतिदिन सायं 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होगा। 12 जून को यज्ञ की पूर्णाहुति, हवन एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम सम्पन्न होगा।

कानपुर में प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर, अधिक गति से वाहन चलाया तो चालान निश्चित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 08 स्थानों पर बैरियर स्थापित कर हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 3 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

आज दिनांक 04.06.2026 में की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 69 ट्रक, 6 बस, 87 चार पहिया/ दो पहिया 162 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 4 ट्रक, 3 बस, 103 चार पहिया / दो पहिया 110 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। गंगा बैराज पर 53 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर ने आमजनमानस से अपील है की है कि रॉन्ग साइड वाहन न चलाएं। वाहन चलाते समय हेलमेट/सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। सड़क पर गति सीमा को निर्धारित रखें। ओवरटेक हमेशा दाहिनें से करें। यातायात के संकेतो का पालन अवश्य करें। शराब पीकर वाहन न चलायें। नियमों का पालन न केवल आपकी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि दूसरों की जान की हिफाजत भी करता है।

कानपुर संभागीय परिवहन विभाग द्वारा धुंधले, अस्पष्ट नंबर वाले वाहनों पर कड़ी कार्यवाही

- 224 वाहनों के किये चालान, बिना एचएसआरपी नंबर वाले वाहनों पर भी कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाये जाने हेतु मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा सड़क सुरक्षा के संबंध में दिनांक 20.05.2026 को सम्पन्न बैठक में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद स्तरीय गठित टास्क फोर्स के माध्यम से खनन क्षेत्रों में खनन सामग्री परिवहन करने वाले डम्पर एवं अन्य भारी वाहनों द्वारा प्रायः अधिभार (Overloading) कर परिवहन किये जाने, बिना वैध अभिलेख, फिटनेस, परमिट एवं अन्य अनियमितताओं के साथ संचालन किये जाने के साथ ही, गलत नम्बर प्लेट/धुन्धले /फर्जी/अस्पष्ट/ग्रीस/मिट्टी अथवा बिना एच. एस. आर. पी. नम्बर प्लेट व टेम्पर्ड नम्बर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध दिनांक 25.05.2026 से 15.06.2026 तक सघन प्रवर्तन कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके क्रम में जिलाधिकारी कानपुर नगर द्वारा जनपद स्तरीय गठित टास्क फोर्स (जिला प्रशासन/पुलिस विभाग/परिवहन / खनन विभाग) द्वारा संयुक्त रूप से उपरोक्तानुसार कार्यवाही किये जाने के संबंध में आदेश निर्गत किये गये है। उक्त के क्रम में दिनांक 25.05.2026 से आज दिनांक 4.06.2025 तक परिवहन विभाग, कानपुर नगर के प्रवर्तन अधिकारियों ने जनपद में गठित टास्क फोर्स के माध्यम से ओवरलोड वाहनों एवं गलत नम्बर प्लेट/धुन्धले /फर्जी/अस्पष्ट/ग्रीस/मिट्टी अथवा बिना एच. एस.आर.पी. नम्बर प्लेट व टेम्पर्ड नम्बर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध कुल 224 वाहनों के विरुद्ध चालान/बन्द की कार्यवाही गयी एवं उक्त कार्यवाही निरन्तर की जाती रहेगी। साथ ही समस्त वाहन चालकों/आम जनमानस को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरुक किया गया।

उसका बाजार भाजपा की बैठक संपन्न

सिद्धार्थनगर। भाजपा उसका बाजार मण्डल की मासिक बैठक मण्डल अध्यक्ष राकेश कुमार आर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों वृक्षारोपण, केन्द्र सरकार के प्रगति पथ के 12 वर्ष पर विभिन्न कार्यक्रम, विश्व योग दिवस आदि अनेक कार्यक्रमों पर चर्चा हुई। बैठक में मण्डल प्रभारी विनीत कमलापुरी, पूर्व जिला मंत्री सुरेन्द्र पाण्डेय व बिन्दुमती मिश्रा मण्डल महामंत्री बंशीधर सोमनाथ व अंगद साहनी, मण्डल उपाध्यक्ष सोमनाथ मिश्र व शशिकान्त जायसवाल, मण्डल मंत्री विनोद वर्मा व कल्लू पासवान, मण्डल कोषाध्यक्ष सुनील जायसवाल, सेक्टर संयोजक आशीष सिंह, ओम प्रकाश दूबे, विवेकानन्द पाण्डेय, रामलाल यादव, सत्यम प्रताप सिंह, राजेश जायसवाल आदि लोग मौजूद रहे।

किदवईनगर की समस्याओं पर समाजवादी पार्टी सड़कों से पहुंची कलेक्ट्रेट, प्रशासन को चेताया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के पदाधिकारियों ने महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद के नेतृत्व में आज प्रातः 11:00 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचकर किदवईनगर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि एडीएम (न्यायिक) महेश प्रकाश को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किदवईनगर विधानसभा क्षेत्र में सीएम ग्रिड के अंतर्गत चल रहे कार्यों के कारण सड़कों की बदहाल स्थिति, साफ-सफाई की अव्यवस्था, गंदे पेयजल की आपूर्ति तथा बिजली विभाग से संबंधित समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। समाजवादी पार्टी नेताओं ने कहा कि पूरे क्षेत्र में एक साथ सड़कों की खुदाई किए जाने से आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन लोग गिरकर घायल हो रहे हैं तथा कई स्थानों पर जाम की स्थिति बनी रहती है।

सपा प्रतिनिधिमंडल ने किदवईनगर के सभी 17 वार्डों में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, सफाई कर्मियों एवं ठेकेदारों की जवाबदेही तय करने तथा बरसात से पूर्व आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने की मांग की। इसके अलावा लाल कॉलोनी, सफेद कॉलोनी, हरी कॉलोनी एवं उस्मानपुर क्षेत्र में गंदे पानी की आपूर्ति का मुद्दा भी उठाया गया, जिससे क्षेत्रीय लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ज्ञापन में बिजली विभाग के अधिकारियों को जनता की शिकायतों का तत्काल समाधान करने तथा एक प्रभावी हेल्पलाइन नंबर जारी करने की भी मांग की गई, जिससे क्षेत्रीय लोग अपनी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करा सकें। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद एडीएम (न्यायिक) महेश प्रकाश ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि ज्ञापन में उठाई गई सभी समस्याओं और शिकायतों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा तथा संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देकर उनका शीघ्र निस्तारण कराया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश सचिव के.के. शुक्ला,वरिष्ठ उपाध्यक्ष यादव 'मिंटू', सुधांशु मिश्रा,रजत मिश्रा, मेराज अहमद, हुकुम सिंह सहित समाजवादी पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिरहाना रोड व एक्सप्रेस रोड की समस्या को लेकर विधायक मिले नगर आयुक्त

कानपुर। आज विधायक सलिल विश्नोई ने नगर आयुक्त से भेंट एवं विस्तृत वार्ता करके बिरहाना रोड मार्केट में फूलबाग से घुसते ही प्रवेश द्वार पर गन्दे पानी के भराव की काफी पुरानी समस्या से अवगत कराकर शीघ्र दूर करवाने तथा एक्सप्रेस रोड के निर्माण से अब तक वाटर लाइन न पड़ने से व्यापारियों की पेयजल समस्या के निराकरण के लिए अविलम्ब वाटर लाइन डलवाने को कहा। नगर आयुक्त ने सलिल विश्नोई को जल्दी से जल्दी समस्याएं दूर करवाने का आश्वासन भी दिया।

सिद्धार्थनगर: माधवपुर में निर्माणाधीन मत्स्य मंडी गेट के ढहने के मामले में, गठित तीन सदस्यीय टीम ने की जांच

- निर्माणाधीन मत्स्य मंडी गेट के ध्वस्त होने से एक मजदूर की हो गई थी मौत, 5 हुए थे घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ तहसील अंतर्गत बुधबार को मधवापुर गांव में निर्माणाधीन मत्स्य मंडी गेट का छत, स्लैब ढलाई होते समय पूरा हिस्सा भरभरा कर जमींदोज हो गया था ,जिसके मलवे के नीचे दबकर एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई थी और अन्य पांच घायल हो गए थे। बृहस्पतिवार को जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन द्वारा हादसे की जांच के लिए शोहरतगढ़ एसडीएम कर्मेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित तीन सदस्यीय जांच टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया। एसडीएम के साथ अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी कमल किशोर व बढ़नी बीडीओ अनिशी मणि पाण्डेय मौके पर गए। वहां निर्माण सामग्री व निर्माणाधीन गेट का गहनता से निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ भी किया।इस दौरान टीम ने शटरिंग में लापरवाही व निर्माण सामग्री में गड़बड़ी की बात भी कही।

बताते चलें कि बुधवार को दोपहर मधवापुर में लगभग 5 करोड़ 56 लाख से निर्माणाधीन मत्स्य मंडी गेट के छत ढलाई का कार्य मजदूरों द्वारा किया जा रहा था। सीमेंट, बालू, गिट्टी आदि निर्माण मैटेरियल तैयार कर गेट का निर्माण कार्य आधा दर्जन मजदूर कर रहे थे। अचानक पूरा छत मैटेरियल सहित भर भराकर नीचे धराशायी हो गया। जिसमें थाना क्षेत्र के धरूआर निवासी बुधीराम (45 वर्ष) पुत्र नीवर व राजेंद्र (20 वर्ष) पुत्र बुधई , मड़नी निवासी आलम (30 वर्ष) पुत्र मोहम्मद शफ़ी, मानपुर निवासी रूपेश (32 वर्ष) पुत्र कन्हैया तथा पड़ोसी मुल्क नेपाल के अमहवा निवासी रामदयाल (30 वर्ष) पुत्र तोते गंभीर रूप से घायल हो गए। मलवे के नीचे दबकर मड़नी निवासी मुस्ताक (25 वर्ष) पुत्र किताबुल की मौत हो गई थी।

संक्षिप्त खबरें

नगर निगम के सुपरवाइजरी सर्कल-23 ने सबसे पहले सेंसस-2027 का काम पूरा किया

जॉइंट कमिश्नर मनरीत राणा ने टीम को तारीफ़ पत्र देकर सम्मानित किया

पटियाला- सेंसस-2027 के चल रहे पहले फेज़ के तहत, नगर निगम पटियाला के सुपरवाइजरी सर्कल-23 ने अपना काम सबसे पहले सफलतापूर्वक पूरा करके एक मिसाल कायम की है। इस कामयाबी के लिए जॉइंट कमिश्नर मनरीत राणा ने सर्कल-23 की टीम और ऑफिसर इन इंचार्ज को तारीफ़ पत्र देकर सम्मानित किया। मनरीत राणा ने टीम के सदस्यों की कड़ी मेहनत, लगन और ज़िम्मेदारी भरे काम की तारीफ़ करते हुए कहा कि टीम ने तय समय से पहले काम पूरा करके दूसरी टीमों के लिए एक प्रेरणा देने वाली मिसाल कायम की है। उन्होंने दूसरे सुपरवाइजरी सर्कल और गिनती करने वालों से भी सर्कल-23 से प्रेरणा लेने की अपील की और कहा कि वे भी शनिवार तक अपने-अपने एरिया का काम पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम करें, ताकि वे भी तारीफ़ पत्र पाने के हकदार बन सकें। मनरीत राणा ने कहा कि सेंसस-2027 देश का एक बहुत ज़रूरी और बड़ा एडमिनिस्ट्रेटिव काम है, जिसका डेटा भविष्य की डेवलपमेंट प्लान, पॉलिसी और सरकारी सर्विस की प्लानिंग में अहम रोल निभाएगा। उन्होंने कहा कि सेंसस के काम के दौरान डेटा की एक्यूरेसी, कम्प्लीटनेस और क्वालिटी पक्का करना बहुत ज़रूरी है। मनरीत राणा ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सेंसस का काम समय पर और पूरी ज़िम्मेदारी से पूरा करने के लिए भी मोटिवेट किया।

कुत्तें के लिए दो देश आमने-सामने: ब्राजील की थी करेंसी पर छापने की तैयारी, मक्सिको ने कहा- हमारी सांस्कृतिक विरासत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

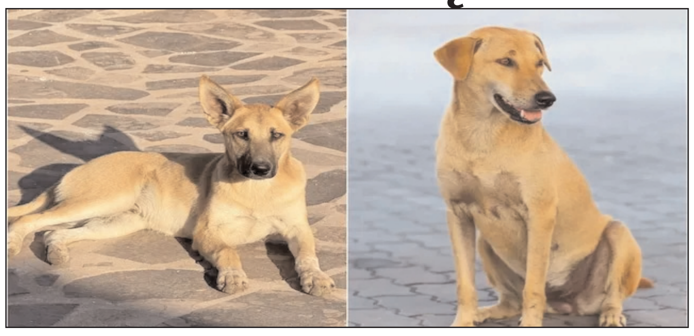

दिल्ली। दो देशों के बीच विवाद आमतौर पर सीमा, व्यापार या राजनीति को लेकर होते हैं, लेकिन इन दिनों ब्राजील और मैक्सिको के बीच बहस की वजह एक आवारा कुत्ता बन गया है। भूरे रंग के देसी कुत्ते, जिन्हें ब्राजील में 'कारामेलो' कहा जाता है, अब दोनों देशों की सांस्कृतिक पहचान की लड़ाई के केंद्र में हैं।

राजिल ने कहा हमारी पहचान

ब्राजील में कारामेलो कुत्ते करोड़ों की संख्या में पाए जाते हैं और देश की संस्कृति और जनजीवन का अभिन्न हिस्सा माने जाते हैं। ये कुत्ते मीम्स, टी-शर्ट्स, वायरल गानों और झांकियों में जगह बना चुके हैं। पिछले साल नेटफ्लिक्स पर 'कारामेलो' नाम की फिल्म भी रिलीज हुई। हाल ही में ब्राजील की संसद में इन कुत्तों को करेंसी पर छापने का प्रस्ताव भी लाया गया था।

मैक्सिको का दावा, ब्राजील में बवाल

विवाद अप्रैल में शुरू हुआ जब मैक्सिको ने 'पेरो कारामेलो' को अपनी स्थानीय नस्ल घोषित कर इसे सांस्कृतिक प्रतीक का दर्जा दे दिया। इस घोषणा के बाद ब्राजील में सोशल मीडिया से लेकर अखबारों तक बवाल मच गया। लोग सवाल उठा रहे हैं कि दशकों से ब्राजील की पहचान माने जाने वाले कुत्ते पर मैक्सिको कैसे दावा कर सकता है। कारामेलो कोई शुद्ध नस्ल नहीं हैं। इनमें करीब 300 विदेशी प्रजातियों का मिश्रण है। पुर्तगाली उपनिवेशकों के समय से लेकर इटली, जर्मनी, स्पेन और जापान के प्रवासियों के कुत्तों के मेल से यह अनोखा समूह विकसित हुआ। मिश्रित नस्ल होने के कारण इनमें आनुवंशिक बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

लैटिन अमेरिका का साझी विरासत?

मैक्सिको के पशु कल्याण कार्यकर्ता दावा करते हैं कि उनके यहां भी ऐसे ही कुत्ते बड़ी संख्या में हैं। उनका कहना है कि दोनों देशों का मौसम और इतिहास समान रहा है, इसलिए यह एक देश की नहीं बल्कि पूरे लैटिन अमेरिका की साझी विरासत है।

समस्या कहीं बड़ी है

बहस पहचान को लेकर है, लेकिन असली समस्या गंभीर है। ब्राजील में अभी भी 2 करोड़ से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं, जिनमें 90 प्रतिशत से अधिक कारामेलो हैं। लोकप्रिय होने के बावजूद लोग गोद लेने के समय विदेशी नस्लों को प्राथमिकता देते हैं। दोनों देशों के पशु प्रेमी इस बात पर सहमत हैं कि कारामेलो को चाहे ब्राजील का माना जाए या मैक्सिको का, उन्हें सिर्फ 'आवारा' नहीं मानकर देखा जाना चाहिए।

मेयर इंदरजीत कौर ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ़ मेयर्स की एग्जीक्यूटिव मीटिंग में हिस्सा लेने ऋषिकेश पहुंचीं

लुधियाना- राज्य के इंडस्ट्रियल हब-लुधियाना को रिप्रेजेंट करते हुए, मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर मंगलवार को ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ़ मेयर्स की एग्जीक्यूटिव मीटिंग में हिस्सा लेने ऋषिकेश (उत्तराखंड) पहुंचीं। बुधवार को होने वाली मीटिंग में देश के अलग-अलग हिस्सों से मेयर हिस्सा लेंगे। मेयर इंदरजीत कौर ने कहा कि इन मीटिंग में हिस्सा लेने से डेवलपमेंट के लिए नए आइडिया खोजने और आम जनता की सेवा करने में मदद मिलती है। शहरों के सामने आने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाने और चुनौतियों को हल करने के लिए भी चर्चा की जाती है। मेयर इंदरजीत कौर ने ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ़ मेयर्स में ओवरऑल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की तारीफ की।

लेखक-पत्रकार मृदु पवन चुटिया को जोनाई प्रेस क्लब ने पत्रकार पुरस्कार से किया सम्मानित

● विभिन्न संस्थानों ने किया स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। सीसीबरगांव की वरिष्ठ पत्रकार, लेखक, कवि और समाजसेवी मृदु पवन चुटिया को जोनाई प्रेस क्लब की ओर से पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 31 मई को जोनाई प्रेस क्लब की 12वीं साधारण अधिवेशन के समारोह में फूलों की गुलदस्ते, सेलें चादर, जापी, होराई मानपत्र, के साथ नगद राशि से प्राकृतिक किया गया। मृदुपवन चुटिया गत 26 सालों से सीसीबरगांव से पत्रकारिता से जुड़े हुए हैं इसके अलावा भी विभिन्न 27 से अधिक मैगजीन का सम्पादन किया है।श्री चुटिया जिला साहित्य सभा, असम वर्तजीवी संघ, कवि समाज, सिलापथार प्रेस क्लब के अध्यक्ष का पद अलंकृत कर चुके है। सीसीबरगांव चुनावी क्षेत्र को आरक्षण मुक्त मांग समिति, सीसीबरगांव उन्नयन समिति आदि अनगिनत संस्थाओं जुड़े हुए हैं। सीसीबरगांव के शिक्षाविद और समाजसेवी स्वर्गीय रजनीकांत चुटिया के इकलौते बेटे मृदु पवन चुटिया को इससे पहले ही माजुली पत्रकार संघ से दत्तदेव गोस्वामी मेमोरियल ग्रामीण पत्रकारिता पुरस्कार, गोलाघाट जिला पत्रकार संघ से अयोध्या प्रसाद गोस्वामी खोजी पत्रकारिता पुरस्कार और सीलापथार के एक स्वैच्छिक संगठन सारथी से पत्रकार बिनोद सिंह मेमोरियल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें संपादन के लिए राज्य स्तर पर कई पुरस्कार मिले हैं, जिसमें चुटिया छात्र संस्था द्वारा बीर बिरोचन चुटिया पुरस्कार भी शामिल है। जोनाई प्रेस क्लब द्वारा श्री चुटिया को दिए गए इस पुरस्कार के लिए सिलापथार , सीसीबरगांव, के कई बेसरकारी संस्थाओं ने जोनाई प्रेस कल्ब की सराहना की और श्री चुटिया को बधाई देते हुए दिखाई दी।

श्रीभूमि जिले के पातियाला में भूमि सर्वेक्षण को लेकर विवाद, सर्कल कार्यालय में लिखित शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर सर्कल कार्यालय के अंतर्गत पातियाला ग्राम पंचायत के वार्ड संख्या 2 में भूमि सीमांकन (खूंटी सर्वेक्षण) को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है। इस मामले में बहार उद्दीन सहित कुछ स्थानीय निवासियों ने रामकृष्णनगर सर्कल अधिकारी के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि वर्तमान में सरकारी पहल के तहत विभिन्न क्षेत्रों में भूमि सीमांकन का कार्य चल रहा है। नियमों के अनुसार सर्वेक्षण से पहले संबंधित भूमि मालिकों तथा आसपास के भू-स्वामियों को सूचित किया जाना आवश्यक है। लेकिन गत 3 जून की शाम लगभग 6 बजे सर्कल कार्यालय का एक कर्मचारी स्थानीय लोगों को बिना सूचना दिए क्षेत्र में पहुंचा और दाग संख्या 702, पट्टा संख्या 169 की भूमि का सर्वेक्षण कर चला गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि आसपास की अन्य भूमि का सर्वेक्षण किए बिना केवल एक विशेष दाग की भूमि का सीमांकन किए जाने से संदेह उत्पन्न हुआ है। उनका दावा है कि उक्त भूमि को लेकर न्यायालय में मामला विचाराधीन है। ऐसी स्थिति में स्थानीय लोगों को बिना जानकारी दिए सर्वेक्षण किए जाने के पीछे किसी दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य की आशंका जताई जा रही है। इस संबंध में शिकायतकर्ताओं ने जिले के रामकृष्णनगर सर्कल अधिकारी को लिखित आपत्ति सौंपते हुए मामले की जांच तथा आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। साथ ही उन्होंने पत्रकारों के समक्ष भी अपनी शिकायत रखते हुए संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया और मामले के निष्पक्ष समाधान की अपील की।

एसओएल के 9 यूजी कोर्स पर फंसा पेच, बीबीए-एमबीए के लिए नहीं करना होगा इंतजार

दिल्ली। डीयू के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) में दाखिले का इंतजार कर रहे छात्रों को इस बार कुछ और समय प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया जून के मध्य या जुलाई के पहले सप्ताह से शुरू होने की संभावना है। इसकी वजह डिस्टेंस एजुकेशन बोर्ड (डीईबी) से अभी तक आवश्यक मंजूरी न मिलना है। एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से डीईबी को आवेदन भेजा जा चुका है। डिस्टेंस एजुकेशन बोर्ड से प्रत्येक पांच वर्ष में पाठ्यक्रमों के लिए नई मंजूरी लेना अनिवार्य होता है। इस बार एसओएल के नौ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए मंजूरी ली जानी है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंजूरी मिलने में आमतौर पर 15 से 30 दिन का समय लगता है, इसलिए नियमित यूजी पाठ्यक्रमों में दाखिले कुछ देर से शुरू होंगे।हालांकि बीबीए, बीएमएस, बीए (ऑनर्स) इकोनामिक्स और एमबीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया पर इसका असर नहीं पड़ेगा। इन कार्यक्रमों के लिए एसओएल को अगले वर्ष तक डीईबी की मंजूरी पहले से प्राप्त है, इसलिए इन कोर्सों के दाखिले जल्द शुरू किए जाएंगे।

खास ज़रूरतों वाले लोगों को 10 खास तौर पर बनी ई-मोबिलिटी गाड़ियां बांटीं

● ये खास गाड़ियां न सिर्फ खास ज़रूरतों वाले लोगों को आने-जाने का मौका देंगी, बल्कि नौकरी के रास्ते भी खोलेंगी: ष्टष्ट हिमांशु जैन

प्रोजेक्ट उम्मीद ने उड़ान भरी: दिव्यांगों के लिए नौकरी और आने-जाने का अपना ज़रिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- सबको साथ लेकर चलने वाले विकास की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन IAS ने बुधवार को प्रोजेक्ट उम्मीद के तहत लोकल बचत भवन में खास ज़रूरतों वाले लोगों की शिक्षा और उन्हें मज़बूत बनाने के लिए उन्नति मिशन के तहत खास तौर पर बनी 10 इलेक्ट्रिक मोबिलिटी गाड़ियां बांटीं, ताकि समाज के हर तबके को मज़बूत बनाने के प्रशासन के वादे को और मज़बूत किया जा सके। ये गाड़ियां न्यू मोशन से ली गई हैं, जो खास ज़रूरतों वाले लोगों के लिए मोबिलिटी सॉल्यूशन बनाने वाली कंपनी है। इन्हें खास तौर पर हर लाभार्थी के शारीरिक साइज़ और ज़रूरतों के हिसाब से कस्टमाइज़ किया गया है, ताकि ज़्यादा से ज़्यादा आराम और इस्तेमाल में आसानी हो। इस पहल को वर्धमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड ने फंड किया था, जिसके बड़े योगदान से यह डिस्ट्रीब्यूशन मुमकिन हुआ।

हर गाड़ी एक बार पूरी बैटरी चार्ज करने पर 25 kmph से ज़्यादा की स्पीड पकड़ सकती है, जिससे लाभार्थियों को उनकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में भरोसेमंद, इंडिपेंडेंट मोबिलिटी मिलती है। इस मौके पर बोलते हुए, डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने ज़ोर दिया कि यह पहल मोबिलिटी से कहीं आगे है और यह आर्थिक आज़ादी का रास्ता है। ये गाड़ियां खास ज़रूरतों वाले लोगों को रोज़ी-रोटी और रोज़गार के मौके देंगी, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे और समाज में सक्रिय रूप से योगदान दे सकेंगे। वरधमान टेक्सटाइल्स लिमिटेड की गाड़ियों को फंड करने में उसकी शानदार कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) पहल के लिए तारीफ़ हुई, जो सामाजिक कल्याण के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप की भावना को दिखाती है। प्रोजेक्ट उम्मीद, लुधियाना जिले में स्पेशल ज़रूरतों वाले लोगों के लिए शिक्षा, एम्पावरमेंट और रोज़ी-रोटी बनाने में लगातार दखल देकर एक इनक्लूसिव इकोसिस्टम बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

रणवीर सिंह बनेंगे ललित मोदी? एक्टर ने खुद 2 साल पहले जाहिर की थी बायोपिक में काम करने की इच्छा

दिल्ली। रणवीर सिंह इस समय इंडस्ट्री के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक हैं। भले ही एक्टर इस समय डॉन 3 की कंट्रोवर्सी में घिरे हुए हैं लेकिन रणवीर के फैंस उन्हें उनकी अगली फिल्म में देखने का इंतजार नहीं कर पा रहे। अब आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। ललित मोदी ने बताया कि दो साल पहले रणवीर सिंह सिंह उनसे मिलने आए थे क्योंकि वो उनकी बायोपिक में काम करना चाहते थे।

स्क्रिप्टिंग पर चल रहा है काम

एएनआई के साथ बातचीत में ललित मोदी ने कहा- 'एक बायोपिक पर काम चल रहा है। स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। मैं पहले ही कई सारे इंटरव्यू दे चुका हूं। मेरे पास स्नेहा रजानी के अंडर में एक पूरी टीम है, जो पहले सोनी चलाती थीं लेकिन वे अभी कहानी लिख रहे हैं।'

ललित मोदी से मिलने गए थे रणवीर

जब ललित से आगे पूछा गया कि वो किसे चाहते हैं अपनी बायोपिक में देखना। इस पर ललित ने कहा- 'अगर उनकी इच्छा हो तो रणवीर सिंह इस प्रोजेक्ट में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन इसके लिए उनके पास टाइम होना जरूरी है क्योंकि अब वो बड़े स्टार बन गए हैं। मैं रणवीर को नहीं जानता था लेकिन दीपिका पादुकोण को बहुत अच्छे से जानता हूं। मैं रणवीर से कभी नहीं मिली। एक दिन मुझे फोन आया कि रणवीर मुझसे मिलना चाहता है। वो दो साल पहले मुझसे मिलने लंदन आया था।'

दिल्ली के एक और होटल में आग, सफदरजंग एन्क्लेव के पास बेसमेंट में भड़कीं लपटें

दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को राजधानी में एक और होटल में आग लगने की घटना सामने आई है। राजधानी दिल्ली में होटलों की अग्नि सुरक्षा को लेकर सवालों के बीच गुरुवार शाम सफदरजंग एन्क्लेव के पास हुमायूंपुर गांव स्थित एक होटल में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दिल्ली फायर सर्विसेज के अनुसार, शाम 7:06 बजे होटल के बेसमेंट में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आग बेसमेंट में रखे फर्नीचर में लगी, जिसने देखते ही देखते वहां धुआं फैला दिया। सूचना मिलते ही पांच फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। दमकलकर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग को बेसमेंट तक ही सीमित रखा और उसे फैलने से रोक दिया। आग लगने की सूचना के बाद होटल में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका भी जताई गई थी। हालांकि राहत एवं बचाव अभियान के दौरान स्थिति पर नजर रखी गई और दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया।

टेस्ट क्रिकेट को लेकर कुलदीप यादव ने भरी हुंकार

● अफगानिस्तान से लेकर न्यूजीलैंड-ऑस्ट्रेलिया को दे डाली बड़ी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच की तैयारियों को लेकर स्पिनर कुलदीप यादव ने खुलकर बात की है। उनका कहना है कि इस समय उनका पूरा ध्यान रेड बॉल क्रिकेट खेलने पर है। कुलदीप ने ये भी स्वीकार किया है कि आईपीएल खेलने के तुरंत बाद अब टेस्ट क्रिकेट खेलना आसान नहीं है लेकिन इसके लिए वे पूरी तैयारी कर रहे हैं। यादव ने इस बात को भी माना कि रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल की कमी खल सकती है। अफगानी टीम के खिलाफ टेस्ट मैच में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने कुछ खिलाड़ियों को आराम दिया है। इसमें पटेल और जडेजा का नाम शामिल है, जो नियमित रूप से टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। कुलदीप ने टीम में शामिल किए गए मानव सुथार और हर्ष दुबे पर भी बात की। उन्होंने इन दोनों की जमकर तारीफ की।

टेस्ट मैच की तैयारियों पर बोले कुलदीप

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच से पहले जियोस्टापर पर बात करते हुए कुलदीप ने कहा, 'अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच की तैयारियां अच्छी चल रही हैं। अब तक हमारे दो नेट सेशन हो चुके हैं। जड्डू भाई यहां हैं, वो टेस्ट के नियमित खिलाड़ी हैं। हमें अक्षर पटेल की भी कमी खलेगी। हालांकि, हमारी तैयारी अच्छी चल रही है। युवा खिलाड़ी हर्ष दुबे और मानव सुधार यहां पर मौजूद हैं।

वॉशिंगटन सुंदर भी नियमित रूप से टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं। वो टीम के माहौल में अच्छी तरह से ढल चुके हैं। ' स्टार स्पिनर ने आगे कहा, एक अटैकिंग स्पिनर के तौर पर मैं रेगुलर विकेट लेना चाहता हूं। मेरी बस यही सोच है। मेरा पूरा ध्यान फिलहाल रेड बॉल क्रिकेट खेलने पर है। आगे कई जरूरी टेस्ट सीरीज आने वाली है। खासकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की घर पर सीरीज होगी। ये सीरीज हमारे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इस चक्र में काफी अहम होने वाली है। हम श्रीलंका और न्यूजीलैंड में भी जाएंगे तो हमें कठिन चुनौतियों का सामना करना है। मेरा मानना है कि अगर आपके पास बेहतरीन स्पिन अटैक है, तो आप मैच का रुख बदल सकते हैं। '

IPL से आकर रेड-बॉल क्रिकेट खेलना मुश्किल: कुलदीप

यादव ने माना कि आईपीएल से आकर रेड-बॉल क्रिकेट खेलना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, 'जब आप आईपीएल से रेड बॉल क्रिकेट में आते हैं, तो आपके लिए ये काफी मुश्किल होता है। किस्मत से मुझे समय मिल गया और मैंने कम से कम 10-15 दिन प्रैक्टिस और मेहनत की है। टेस्ट क्रिकेट में टी20 के मुकाबले बॉलिंग करना अलग होता है। '

3 पंजाब बटालियन एन सी सी, लुधियाना द्वारा विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता रैली का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- 3 पंजाब बटालियन एनसीसी, लुधियाना द्वारा विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर 03 जून 2026 को एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य शारीरिक फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत परिवहन को बढ़ावा देना था। रैली का आयोजन कर्नल अजय कोहली, कमांडिंग ऑफिसर, 3 पंजाब बटालियन एनसीसी, लुधियाना के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर कर्नल जे.पी. शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी तथा सूबेदार मेजर करनैल सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कैडेटों को साइकिल को स्वस्थ, किफायती एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन साधन के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया। लुधियाना के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 150 से अधिक एनसीसी कैडेटों ने उत्साहपूर्वक रैली में भाग लिया। रैली बटालियन मुख्यालय से प्रारम्भ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान कैडेटों ने पर्यावरण संरक्षण, कार्बन उत्सर्जन में कमी तथा नियमित शारीरिक गतिविधियों के स्वास्थ्य लाभों से संबंधित संदेशों वाली तख्तियां प्रदर्शित कीं। कैडेटों को संबोधित करते हुए कर्नल अजय कोहली ने शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने तथा पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में साइकिल चलाने की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं से साइकिल को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा सतत जीवन शैली के प्रेरक बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन कैडेटों द्वारा स्वस्थ जीवन शैली अपनाने तथा साइकिल सहित अन्य सतत उपायों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की शपथ के साथ हुआ।

दिल्ली में डीयू की असिस्टेंट प्रोफेसर की हत्या से सनसनी, फ्लैट में खून से सना शव मिला

दिल्ली। वसुंधरा एन्क्लेव स्थित सत्यम एन्क्लेव में रहने वाली डीयू की सहायक प्रोफेसर की हत्या कर दी। सिर पर भारी वस्तु से वार करके हत्या की गई है। मृतक की पहचान डा. देबोस्मिता पॉल के रूप में हुई है। मृतक अपने पति से अलग रहती थी। पति बेंगलुरु में रहता है। देबोस्मिता पॉल डीयू के शिवाजी कालेज में अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर थी। वर्ष 2017 में उनकी शादी हुई थी। घरेलू विवाद के बाद वर्ष 2022 में दंपती अलग हो गए थे। सहायक प्रोफेसर सत्यम एन्क्लेव में अपनी बहन के फ्लैट में रह रही थी। पुलिस ने बताया कि मृतक की बड़ी बहन वीरवार दोपहर ढाई बजे न्यू अशोक नगर थाने आई और कहा कि उनकी बहन फोन नहीं उठा रही। पुलिस सहायक प्रोफेसर की काल डिटेल्स निकालने में जुटी। इस बीच महिला ने कहा कि वह फ्लैट में जा रही है। सोसायटी के पदाधिकारियों के जरिये फ्लैट खुलवाने की कोशिश करेंगी। वह सोसायटी गई। उन्होंने किसी तरह फ्लैट का दरवाजा खुलवाया। सहायक प्रोफेसर खून से लथपथ फर्श पर पड़ी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को आशंका है इस मामले में मृतक के किसी परिचित का हाथ हो सकता है।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा में LPG वितरण में अनियमितता और होम डिलीवरी को लेकर स्थानीय लोगों ने उठाए सवाल

● रसोई गैस वितरण व्यवस्था से भारी असंतोष, प्रशासन से जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा क्षेत्र में रसोई गैस (LPG) वितरण व्यवस्था को लेकर व्यापक असंतोष और अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रामकृष्णनगर स्थित Gazi Gas Agency पहले प्रत्येक सोमवार को दुल्लभछड़ा अस्पताल रोड पर गैस सिलेंडरों का वितरण करती थी, लेकिन लगभग एक महीने से इस व्यवस्था में बदलाव कर दिया गया है। वर्तमान में गैस सिलेंडरों का वितरण दुल्लभछड़ा डाकघर के सामने किया जा रहा है। आरोप है कि उपभोक्ताओं को पहले से बुकिंग कराकर भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। वहीं, होम डिलीवरी के नाम पर अतिरिक्त शुल्क वसूला जा रहा है, लेकिन निर्धारित पते पर गैस सिलेंडर पहुंचाने के बजाय एक निश्चित स्थान पर ही वितरण किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने सवाल उठाया है कि जब होम डिलीवरी के लिए अतिरिक्त शुल्क लिया जा रहा है, तो वास्तविक होम डिलीवरी सेवा क्यों नहीं दी जा रही है। इस मामले को लेकर क्षेत्रवासियों ने संबंधित प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

हत्या के प्रयास के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। जनपद की कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सोनूघाट के पास से सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। कोतवाली थाना पर दर्ज मुकदमा संख्या 362/2026 में धारा 191(2), 109(1), 115(2), 352 एवं 351(2) बीएनएस के तहत नामजद अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। गिरफ्तार अभियुक्तों में मोहन प्रजापति निवासी परसिया भंडारी, सोनू रंगवा निवासी चकसराय बदल दास सोनूघाट, चम्पा देवी निवासी परसिया भंडारी तथा सलेहरा देवी निवासी परसिया भंडारी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार चारों अभियुक्तों को गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर सोनूघाट क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पहली नौकरी का जश्न भी नहीं मना सकी झारखंड की श्रुतिका, दिल्ली के होटल की आग में राख हुई परिवार की खुशियां

● झारखंड की श्रुतिका बर्नवाल की दिल्ली के हौज रानी स्थित एक अवैध होटल में आग लगने से मौत हो गई। मुंबई में पहली नौकरी की सैलरी मिलने के बाद परिवार उसकी खुशी मनाने मुंबई जाने की तैयारी में था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। मेरी बहन बहुत मेहनती थी और हमेशा से ही कुछ करना चाहती थी। पिछले महीने ही उसकी नौकरी लगी थी और दो जून को उसे पहली सैलरी मिली थी। उसने घर फोन करके हमें यह खुशी साझा की थी। उसकी नौकरी लगने की खुशी में पूरा परिवार पांच जून को उससे मिलने मुंबई जाने की तैयारी में था। फ्लाइट टिकट भी करा चुके थे। लेकिन भगवान ने हमसे सारी खुशियां ही छीन ली। यह बताते हुए श्रुतिका के बड़े भाई शुभम सिसक पड़ते हैं। हौजरानी के अवैध होटल में लगी आग में जान गंवाने वालों में झारखंड के बोकारो में रहने वाली श्रुतिका बर्नवाल भी शामिल हैं। श्रुतिका ने पिछले महीने ही मुंबई में रबर, केमिकल एंड पेट्रोकेमिकल स्किल डेवलपमेंट काउंसिल (आरसीपीएसडीसी) में नौकरी ज्वाइन की थी। यह एक एनजीओ है, जोकि कौशल विकास मंत्रालय और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के तहत कार्यरत है। काम के सिलसिले में ही श्रुतिका का दिल्ली आना हुआ था और एक से तीन जून तक होटल में कमरा बुक किया था। तीन जून की शाम को मुंबई लौटने की फ्लाइट बुक थी। लेकिन सुबह हुए हादसे में श्रुतिका ने जान गंवा दी।

नौकरी लगने से थीं खुश, मुंबई में मनाने वाले खुशियां

श्रुतिका टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) के स्कूल ऑफ हैबिटेट स्टडीज के वाटर पॉलिसी एंड गवर्नेंस प्रोग्राम (2024-2026) की छात्रा थीं और एक महीने पहले ही मुंबई में नौकरी ज्वाइन की थी। भाई शुभम बताते हैं कि श्रुतिका 30 जून को दिल्ली पहुंची थी 30 और 31 जून तक एक रिश्तेदार के यहां रुकी थीं। एक से तीन जून तक काम और मीटिंग की वजह से यहां कमरा बुक किया था। दो जून को ही श्रुतिका से बात हुई थी और पापा को फोन पर बताया था कि पहली सैलरी मिली है। वो बहुत खुश थी। हमने बहन की खुशी साझा करने के लिए पांच जून को उसके पास मुंबई जाने का प्लान बनाया था। लेकिन हमें क्या पता था बहन की ये ख्वाहिश पूरी ही नहीं हो पाएगी। श्रुतिका का पूरा परिवार जैनामोर, बोकारो, झारखंड रहता है। हादसे के बाद पिता रमेश प्रसाद बर्नवाल ने दिल्ली में अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को संदेश भेजकर मदद मांगी। श्रुतिका का अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को कर दिया गया है।